राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समृद्धि न्यूज

समृद्ध समाज का आधार

वर्ष- 13 अंक - 366
लखनऊ, बुधवार 9 सितम्बर, 2026
पृष्ठ- 12 मूल्य- ₹ 3.00
लखनऊ से प्रकाशित

samradhinewslko@gmail.com, www.samriddhisamachar.com, info@samriddhinews.com

डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने फखरपुर गांव के बाढ़ पीड़ितों को दी नाव 10

शिक्षक हित सरकार के लिए सर्वोपरिः केशव 03

-: सर्राफा बाजार :-

गोल्ड 24 कैरेट = 1,55,500/10 ग्राम
22 कैरेट = 1,42,550/10 ग्राम
18 कैरेट = 1,16,660/10 ग्राम
चांदी = 2,50,000/किग्रा

संक्षिप्त समाचार

मानहानि विवाद में भाजपा प्रवक्ता ने दायर किया केस

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने कथित आपत्तिजनक बयानों को लेकर माफी और दो करोड़ रुपये हर्जाने की मांग की है।

'फ्लाइंग डॉक्टर' हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

कुआलालंपुर। मलेशिया के बोर्नियो द्वीप पर एयरपोर्ट के पास 'फ्लाइंग डॉक्टर सर्विस' का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर में पायलट समेत पांच लोग सवार थे। इनमें स्वास्थ्य मंत्रालय के एक मेडिकल अधिकारी, सहायक मेडिकल अधिकारी और दो नर्सें शामिल थीं। हादसे के बाद खोज एवं बचाव अभियान जारी है। अभी किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है।

634 नेताओं से संवाद करेंगे भाजपा अध्यक्ष

देहरादून। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कुमाऊं दौरे के दौरान 634 नेताओं और कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ विकास योजनाओं, रोजगार, निवेश, पर्यटन, सड़क और कनेक्टिविटी पर फीडबैक लिया जाएगा।

नीली जर्सी में उतरेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में पुरानी नीली जर्सी में खेलेंगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने बताया कि टीम किट के लिए नीला पहला और नारंगी दूसरा विकल्प चुना गया है।

अगस्त में ईवी बिक्री 53 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2026 में भारत में 2,98,448 इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 52.9 प्रतिशत अधिक है। कुल ऑटो खुदरा बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 12.3 प्रतिशत रही।

दिल्ली में यातायात रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों के तहत मंगलवार रात 7:45 से 10 बजे तक मोटरकेड रिहर्सल होगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, इस दौरान 35 से अधिक सड़कों पर यातायात नियंत्रित रहेगा।

आंगनबाड़ी कर्मियों के लिए मुख्यमंत्री ने खोला खजाना

- कार्यकत्रियों का मानदेय 4,000 व सहायिकाओं का 2,000 रुपए बढ़ा
- पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा, एक और साड़ी के लिए 500 रुपए मिलेंगे

समृद्धि न्यूज, अयोध्या।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रदेश की आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों और सहायिकाओं के लिए खजाना खोल दिया। उन्होंने दो लाख 51 हजार से अधिक कार्यकर्तियों और सहायिकाओं के मानदेय बढ़ाने समेत कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। अब आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों को 8,000 रुपए की जगह 12,000 रुपए और सहायिकाओं को 4,000 रुपए के स्थान पर 6,000 रुपए मासिक मानदेय मिलेगा। इस तरह कार्यकर्तियों के मानदेय में 4,000 और सहायिकाओं के मानदेय में 2,000 रुपए की वृद्धि की गई है। इसके अलावा इनको हर साल पांच लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जाएगा। इसके साथ ही एक अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपए और स्मार्ट फोन उपलब्ध कराने की बात कही। स्मार्टफोन मिलने से विभागीय योजनाओं की निगरानी, लाभार्थियों से संबंधित जानकारी और विभिन्न सरकारी गतिविधियों को डिजिटल माध्यम से संचालित करने में सुविधा होगी।

मंगलवार को अयोध्या में बच्चों में कॉपी-किताब और चॉकलेट बांटते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राजकीय इंटर कॉलेज, अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके माध्यम से पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास से जुड़ी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में परिवारों तक पहुंचता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की आंगनबाड़ी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल केंद्र तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीनी स्तर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

योगी ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति खराब थी। केंद्रों के लिए भेजे गए धन के दुरुपयोग के आरोप भी लगते थे। उनकी सरकार ने व्यवस्था में सुधार करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को मजबूत किया और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में अयोध्या में हुए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर नहीं थी, लेकिन अब शहर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक विकास हुआ है। अयोध्या को सौर नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है और बिजली व्यवस्था में भी सुधार हुआ है। उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर अयोध्या तथा राम मंदिर के मुद्दे पर विरोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति जरूरी है।

आज देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लोग अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में हो रहे बदलाव का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है।

समग्र शिक्षा के संविदाकर्मियों का मानदेय 25% बढ़ा

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

प्रदेश में समग्र शिक्षा के तहत सेवा प्रदाता के माध्यम से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के मानदेय में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई समग्र शिक्षा कार्यकारी समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इन कर्मचारियों के मानदेय में वर्ष 2020 के बाद से कोई बढ़ोतरी नहीं हुई थी। वर्ष 2026-27 के लिए भारत सरकार के परियोजना अनुमोदन बोर्ड ने समग्र शिक्षा के तहत 11,902.85 करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को स्वीकृत बजट का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्ष 2025-26 में समग्र शिक्षा के तहत 9,425.21 करोड़ रुपए खर्च हुए, जो उपलब्ध धनराशि का 92.46 प्रतिशत था। इससे पहले वर्ष 2024-25 में खर्च का प्रतिशत 69.60 रहा था।

आउटसोर्सकर्मियों को 78 दिन का मेडिकल लीव

प्रदेश में आउटसोर्स के माध्यम से विभिन्न विभागों में काम कर रहे कर्मचारियों के लिए राहत की खबर है। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीकास) ने कर्मचारियों को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के माध्यम से इलाज, चिकित्सीय अवकाश, मातृत्व अवकाश और पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देने की व्यवस्था की है। अस्वस्थता या असाध्य रोग की स्थिति में कर्मचारियों को 78 दिनों तक सवैतनिक अवकाश मिलेगा। ईएसआईसी के तहत कर्मचारी को अस्वस्थता अथवा असाध्य रोग होने पर औसत पारिश्रमिक के 70 प्रतिशत के आधार पर 78 दिनों का सवैतनिक चिकित्सीय अवकाश दिया जाएगा। महिला कर्मचारियों को दो बच्चों के जन्म तक 26 सप्ताह यानी 180 दिनों का सवैतनिक मातृत्व अवकाश मिलेगा। इस अवधि में औसत पारिश्रमिक का शत प्रतिशत भुगतान किए जाने की व्यवस्था है। आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ उनके स्वजन को भी ईएसआईसी के तहत चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

ब्रिक्स समिट के लिए भारत आएंगे पुतिन

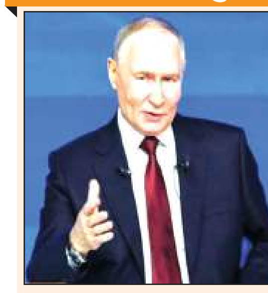

एजेंसी, नई दिल्ली/मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। 11 सितंबर को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय बैठक होगी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुतिन की भारत यात्रा और मोदी से मुलाकात की पुष्टि की है। पुतिन की करीब नौ महीने में यह दूसरी भारत यात्रा होगी। इससे पहले वह 4 दिसंबर 2025 को भारत आए थे।

मोदी-पुतिन वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार, आर्थिक सहयोग, परिवहन, ऊर्जा और दोनों देशों की कंपनियों के लिए नए कारोबारी अवसरों पर चर्चा हो सकती है। रूस के अनुसार, दोनों देशों के बीच करीब 96 फीसदी व्यापार अब राष्ट्रीय मुद्राओं में हो रहा है। भारत और रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भुगतान के वैकल्पिक तंत्र को मजबूत करने पर भी जोर दे रहे हैं। बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध और फारस की खाड़ी में जारी तनाव का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर भी चर्चा का विषय बन सकता है।

कार्रवाईः पांच तहसीलदार सस्पेंड

तेरह तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने निर्धारित समय सीमा में वादों का निस्तारण नहीं करने और अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर पांच तहसीलदारों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं 13 तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

यह कार्रवाई सात सितंबर को प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 34 के तहत दाखिल वादों की तहसीलवार और अधिकारीवार की गई विस्तृत समीक्षा के बाद की गई। समीक्षा में लंबित मामलों के निस्तारण की गति और अधिकारियों के प्रदर्शन का आकलन किया गया।

निलंबित अधिकारियों में हरदोई की संडीला तहसील के तहसीलदार अमित यादव, देवरिया के तहसीलदार कृष्ण कुमार मिश्रा, जौनपुर के तहसीलदार सौरभ कुमार, गाजीपुर के तहसीलदार रंजन वर्मा और प्रतापगढ़ के तहसीलदार अलख शुक्ला शामिल हैं। रंजन वर्मा पूर्व में अयोध्या में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात थे।

राजस्व मामलों में लापरवाही पर यह कार्रवाई पहली बार नहीं हुई है। इससे पहले एक सितंबर 2026 को भी चार तहसीलदारों और एक नायब तहसीलदार को निलंबित किया गया था। यह सिलसिला मुख्यमंत्री की 29 अगस्त को हुई उच्चस्तरीय समीक्षा के बाद तेज हुआ। मुख्यमंत्री ने राजस्व अदालतों में लंबित वादों का निर्धारित समय सीमा के भीतर हर हाल में निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने स्पष्ट किया था कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मोहसिन रजा बने यूपी अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष

समृद्धि न्यूज, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने भाजपा नेता और पूर्व मंत्री मोहसिन रजा को राज्य अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।
नई जिम्मेदारी के साथ उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया जाएगा। रजा योगी आदित्यनाथ सरकार के पहले कार्यकाल में अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज विभाग में राज्यमंत्री रह चुके हैं।

मोहसिन रजा लंबे समय से भाजपा से जुड़े हैं। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की सदस्यता ली थी।

इसके बाद उन्हें पार्टी के प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी मिली। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने पर रजा को मंत्री बनाया गया।

वह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं।

डिजिटल भुगतान पर भरोसा बढ़ाः मोदी

- दुनिया में बढ़ी भारत की डिजिटल ताकत, 11 देशों तक पहुंचा यूपीआई

एजेंसी, मुंबई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन करते हुए भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान तंत्र की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब 11 देशों तक पहुंच चुका है और दुनिया का भारत पर भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लगातार तीसरी बार इस आयोजन में शामिल हो रहे हैं। इसे उन्होंने एक और 'हैट्रिक' बताया। उन्होंने कहा कि 2024 में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार तीसरी बार आना यह दिखाता है कि विकसित भारत के निर्माण में वित्तीय तकनीक और इससे जुड़े लोगों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

मोदी ने कहा कि हर बार फिनटेक फेस्ट में पहले की तुलना में अधिक युवा, ऊर्जा और संभावनाओं का बड़ा दायरा नजर आता है। युवाओं में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ रही है और उनके सपने भी बड़े हो रहे हैं। इससे विकसित भारत के भविष्य को लेकर उनका भरोसा और मजबूत होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपीआई की सफलता के बाद अब भारत को दूसरे देशों की भुगतान प्रणालियों के साथ जुड़ने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

पीएम मोदी के कार्यक्रम से पहले दो संदिग्ध गिरफ्तार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई कार्यक्रम से करीब दो घंटे पहले बांद्रा-कुर्ला परिसर स्थित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, इनमें से एक 24 वर्षीय युवक खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बता रहा था। उसके पास से प्रधानमंत्री कार्यालय का पहचान पत्र मिला, जिसे जांच में फर्जी बताया गया है। उसके साथ मौजूद व्यक्ति के पास से एक भरी हुई पिस्तौल बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध युवक की पहचान रोहन पारेख के रूप में हुई है। वह सांस्कृतिक केंद्र परिसर में प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर मौजूद था।

आतंकी प्रशिक्षण मामले में अमेरिकी समेत छह यूक्रेनियों पर आरोपपत्र

एजेंसी, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने म्यांमार के जातीय सशस्त्र समूहों से कथित संबंध रखने और भारत विरोधी ताकतों को सैन्य तथा ड्रोन प्रशिक्षण देने की साजिश के मामले में सात विदेशी नागरिकों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपितों में अमेरिकी नागरिक और कथित भाड़े के सैनिक मैथ्यू एरन वैन डाइक तथा छह यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

एनआईए का एक्शन

एनआईए ने मंगलवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत में यह आरोपपत्र दाखिल किया। जांच एजेंसी के मुताबिक, सातों आरोपितों के म्यांमार में सक्रिय जातीय सशस्त्र समूहों से कथित संबंध थे। उन पर इन समूहों को सैन्य गतिविधियों के साथ ड्रोन के संचालन और उससे जुड़ी तकनीक का प्रशिक्षण देने की साजिश में शामिल होने का आरोप है।

मामले की जांच शुरुआत में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत शुरू की गई थी। हालांकि, विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष दाखिल अंतिम आरोपपत्र में एनआईए ने यूएपीए की धाराएं नहीं लगाई हैं। मामला आव्रजन और विदेशी अधिनियम के तहत दर्ज किया गया है।

जांच एजेंसी ने आरोपितों के कथित संपर्कों, उनकी गतिविधियों और म्यांमार के सशस्त्र समूहों के साथ संबंधों की पड़ताल की है। आरोपपत्र में एजेंसी ने इन्हीं गतिविधियों से जुड़े साक्ष्यों और दस्तावेजों को आधार बनाया है।

एनसीपीसीआर ने मेटा इंडिया प्रमुख को तलब किया

एजेंसी, नई दिल्ली। इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण और दुरुपयोग से जुड़ी सामग्री के कथित विज्ञापनों के मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने मामले की औपचारिक जांच शुरू करने का फैसला करते हुए मेटा इंडिया के प्रबंध निदेशक और प्रमुख को 9 सितंबर को तलब किया है। उनसे मामले में अतिरिक्त जानकारी और कंपनी की ओर से पहले दिए गए जवाब पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

बारिश का कहरः फर्रुखाबाद में 6 मकान गंगा में समाए

- बलिया की गलियों में चलीं नावें
- 26 जिलों में 3.5 लाख आबादी प्रभावित

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

प्रदेश में मानसून सीजन की बारिश का कोटा पहली बार पूरा हो गया है। लगातार दो सप्ताह से हो रही बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी के कारण गंगा, यमुना, सरयू, घाघरा समेत 10 से अधिक नदियां उफान पर हैं। प्रदेश के 26 जिलों में करीब 3.5 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। मंगलवार को लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत 10 शहरों में हल्की बारिश हुई, जबकि 24 घंटे में 55 जिलों में औसतन 4.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

फर्रुखाबाद में गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। कायमगंज, अमृतपुर और सदर तहसील के 111 गांव बाढ़ से घिरे हैं और करीब 23 हजार परिवार प्रभावित हैं। शमशाबाद विकासखंड के समेचीपुर चितार गांव में गंगा की तेज कटान से लगातार मकान नदी में समा रहे हैं। रविवार देर रात करीब 12:30 से एक बजे के बीच एक पक्का मकान भरभराकर गंगा में समा गया। गांव में पिछले 10 दिनों में करीब 15 मकान नदी में समा चुके हैं। लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने को मजबूर हैं और कई जगह चारपाई पानी के बीच डालकर रात गुजार रहे हैं।

बरेली में बाइक समेत तीन लोग अरिल नदी में बहे

बरेली। आंवला तहसील क्षेत्र के दारूआपुर गांव में सोमवार शाम अरिल नदी का रपटा पुल पार करते समय बाइक सवार तीन लोग तेज बहाव में नदी में गिरकर बह गए। हादसे के बाद पुलिस और गोताखोरों की टीम ने देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन तीनों का कोई सुराग नहीं मिल सका।

बताया गया कि तीनों लोग बाइक से बरेली की ओर आ रहे थे। दारूआपुर गांव के पास अरिल नदी के रपटा पुल को पार करते समय बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और तीनों नदी में जा गिरे।

तकनीकी दौड़ — भारत की बड़ी छलांग, अगले साल तक औसत आईटी बजट का 21.3 प्रतिशत एआई पर खर्च होने का अनुमान

एआई पर निवेश तो बढ़ा, पर निगरानी की तैयारी बहुत पीछे

- सिर्फ 22% कंपनियों के पास टेस्टिंग-ऑडिट और जोखिम आकलन की व्यवस्था
- भरोसेमंद एआई के लिए डेटा और गवर्नेंस मजबूत करने की चुनौती

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। कंपनियां अब एआई को केवल छोटे-मोटे काम आसान करने वाली तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि कारोबार के फैसलों और काम करने के तरीकों को बदलने वाले बड़े माध्यम के तौर पर देख रही हैं। यही वजह है कि देश में एंटरप्राइज एआई निवेश एक साल में 119 प्रतिशत बढ़ा है। यह वैश्विक औसत 110 प्रतिशत से भी अधिक है। अनुमान है कि 2027 तक भारत के औसत आईटी बजट का 21.3 प्रतिशत हिस्सा एआई पर खर्च होने लगेगा।

निवेश की इस तेज रफ्तार के साथ एक बड़ी चुनौती भी है। कंपनियां एआई को तेजी से अपना तो रही हैं, लेकिन उसके इस्तेमाल पर निगरानी, जोखिम आकलन और ऑडिट की बुनियादी व्यवस्था अभी उतनी मजबूत नहीं है। सर्विसनाउ की एंटरप्राइज एआई मैच्योरिटी इंडेक्स 2026 के अनुसार, भारत की केवल 22 प्रतिशत कंपनियों के पास एआई की टेस्टिंग, ऑडिटिंग और जोखिम आकलन की प्रक्रियाएं हैं।

भारत में करीब 54 प्रतिशत संगठन एआई एजेंट तैनात कर रहे हैं। ये ऐसे एआई सिस्टम हैं जो इंसानी निर्देश के आधार पर कई काम खुद करने में सक्षम होते हैं। हालांकि, केवल 11 प्रतिशत संगठन ऐसे हैं, जो एआई को पूरी तरह स्वायत्त वर्कफ्लो तक ले गए हैं। यानी कंपनियां एआई को काम सौंपने लगी हैं, लेकिन उसे पूरी तरह अपने फैसले लेने की छूट देने में अभी सावधानी बरत रही हैं।

इसकी वजह भी साफ है। करीब 60 प्रतिशत कंपनियां पारदर्शिता और गलत सूचना को लेकर चिंतित हैं। 55 प्रतिशत के लिए नियमन और अनुपालन बड़ी चुनौती है, जबकि 50 प्रतिशत कंपनियां डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं। एआई की क्षमता का पूरा लाभ लेने के लिए केवल तकनीक खरीदना पर्याप्त नहीं है। कंपनियों के अलग-अलग पुराने सिस्टम और उनमें बिखरा डेटा भी बड़ी समस्या है। अध्ययन के अनुसार, सिर्फ 18 प्रतिशत भारतीय संगठनों ने पुराने अलग-अलग सिस्टम की जगह एकीकृत प्लेटफॉर्म अपनाया है। एआई-सक्षम वर्कफ्लो का भारत का स्कोर भी 100 में केवल 41 है।

यही कारण है कि 74 प्रतिशत कंपनियां डेटा की सटीकता, पहुंच और प्रबंधन को सबसे ज्यादा सुधार की जरूरत वाला क्षेत्र मानती हैं। वहीं 56 प्रतिशत कंपनियों का कहना है कि पुराने सिस्टम को नए सिस्टम से जोड़ना जरूरी है। जब डेटा और कामकाज की अलग-अलग प्रणालियां आपस में जुड़ी ही नहीं होंगी तो एआई की निगरानी, ऑडिट और जवाबदेही की मजबूत व्यवस्था बनाना मुश्किल होगा।

सीएचसी उतरौला से 'नन्हे-कदम' ऐप का शुभारंभ

▸ नवजात शिशुओं की होगी बेहतर निगरानी

समृद्धि न्यूज, बलरामपुर।

नवजात शिशुओं की स्वास्थ्य देखभाल और नियमित निगरानी को और प्रभावी बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने नई पहल शुरू की है। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) उतरौला से 'नन्हे-कदम' ऐप का शुभारंभ किया गया। फिलहाल ऐप को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उतरौला क्षेत्र में लागू किया गया है।

यह पहल मुख्य विकास अधिकारी बलरामपुर हिमांशु गुप्ता के सहयोग और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से संचालित की जा रही है। कार्यक्रम का मार्गदर्शन जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर के बाल रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. यशवंत राव कर रहे हैं।

जन्म से दो माह तक के नवजातों की होगी निगरानी

'नन्हे-कदम' ऐप के माध्यम से सीएचसी उतरौला क्षेत्र में जन्म से लेकर दो माह तक के सभी नवजात शिशुओं की नियमित निगरानी की जाएगी। आशा कार्यकर्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) तथा नवजात के माता-पिता एवं परिवार के सदस्यों के सहयोग से बच्चे के स्वास्थ्य, देखभाल और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित जानकारी ऐप पर दर्ज की जाएगी।

ऐप के जरिए नवजात की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखने के साथ ही किसी तरह की समस्या सामने आने पर समय से चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे नवजातों की बेहतर देखभाल और स्वास्थ्य सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

ऐप के शुभारंभ के अवसर पर सीएचसी उतरौला में आशा कार्यकर्ताओं और सीएचओ की बैठक आयोजित की गई। इसमें डॉ. यशवंत राव ने 'नन्हे-कदम' ऐप के उपयोग, कार्यप्रणाली और नवजात शिशुओं की निगरानी की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्यकर्मियों को ऐप के माध्यम से सूचनाएं दर्ज करने और नवजातों की नियमित निगरानी करने के तरीके भी बताए गए।

मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के दौरान ऐप के माध्यम से प्राप्त अनुभवों और परिणामों का आकलन किया जाएगा। यदि इसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं तो इस पहल को जनपद के अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार दिया जा सकता है।

शुरुआती दो माह में नवजात शिशुओं की समयबद्ध निगरानी, देखभाल और आवश्यकता के अनुसार उपचार उपलब्ध कराना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। इसके माध्यम से नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने के साथ ही शिशु मृत्यु दर को कम करने की दिशा में भी प्रभावी कदम उठाने का प्रयास किया जा रहा है।

जनसुनवाई में शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

समृद्धि न्यूज, बलरामपुर।

पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारियों और क्षेत्राधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर फ्रॉड और महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से गूगल मीट के माध्यम से जानकारी लेकर प्रत्येक मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

भूमि विवाद और चकबंदी से जुड़े मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर पैमाइश और निस्तारण कराने के निर्देश दिए गए। महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों में तत्काल वैधानिक कार्रवाई करने को कहा गया।

साइबर फ्रॉड की शिकायतों को साइबर सेल भेजते हुए 24 घंटे के भीतर शिकायतकर्ता से संपर्क कर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को शिकायतकर्ताओं के साथ शिष्ट एवं संवेदनशील व्यवहार करने तथा प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रार्थना पत्रों के निस्तारण की गुणवत्ता की समीक्षा भी की जाएगी।

खबरें एक नजर में

अधिगम स्तर सुधार पर डीएम का जोर

बलरामपुर। जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। इसमें बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग की शैक्षिक गतिविधियों, विद्यार्थियों के अधिगम स्तर और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों ने कितना सीखा और उसे कितना समझ व प्रयोग कर पा रहे हैं, इसका नियमित आकलन जरूरी है। उन्होंने कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर विषयवार सुधारात्मक शिक्षण एवं अतिरिक्त मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला राजकीय पुस्तकालय को विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अधिक उपयोगी बनाने तथा उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा के दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शिक्षा की गुणवत्ता और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामपरक शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस दौरान जिला विकास अधिकारी कमलेश सोनी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

माटीकला के हुनर को मिलेगा सम्मान

बलरामपुर। माटीकला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पारंपरिक शिल्पियों, कारीगरों एवं उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड की ओर से मंडल स्तरीय माटीकला पुरस्कार प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके लिए पात्र शिल्पियों से 10 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के अनुसार, मिट्टी से बर्तन, पात्र, मूर्तियां, खिलौने, सजावटी सामान सहित अन्य कलात्मक वस्तुओं का निर्माण करने वाले शिल्पी एवं कारीगर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आवेदन के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक है। आवेदक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होने के साथ बलरामपुर में निवासरत अथवा कार्यरत होना चाहिए। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा तैयार माटीकला उत्पादों एवं कलाकृतियों का भौतिक प्रदर्शन किया जाएगा। विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन के आधार पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के लिए चयन किया जाएगा। पूर्व में मंडल या राज्य स्तरीय माटीकला पुरस्कार प्राप्त कर चुके शिल्पियों के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इच्छुक पात्र शिल्पी 10 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर आवश्यक अभिलेखों के साथ आवेदन पत्र जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, निकट रानी धर्मशाला, बलरामपुर में जमा कर सकते हैं। विभाग ने माटीकला से जुड़े पात्र शिल्पियों एवं कारीगरों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन कर प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

समूह सखियों के साथ किया बैठक

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी। ब्लॉक सिरौलीगौसपुर के सभागार में मंगलवार को खंड विकास अधिकारी संजीव कुमार गुप्ता और बीपीएम अंजली यादव के संयोजन में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं और समूह सखियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि सभी महिलाएं अपने समूह को बेहतरीन तरीके से संचालित करें। उन्होंने समूह सखियों से कहा कि गांव-गांव जाकर और अधिक महिलाओं को समूह से जोड़ें।बीडीओ ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा नए समूहों का गठन किया जाए, जिससे महिलाएं सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकें। समूह के माध्यम से महिलाएं स्वावलंबी बनेंगी और रोजगार के माध्यम से आगे बढ़ सकेंगी। उन्होंने समूहों के बेहतर संचालन, बैंक लिंकेज और सरकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी।

पयागपुर थाना परिसर में त्योहारों के लिए की सुरक्षा बैठक

बहराइच। पयागपुर पुलिस ने आगामी दुर्गा पूजा, गणेश पूजा और कजरी तीज जैसे त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को थाना परिसर में थाना प्रभारी दीपक सिंह ने हल्का दरोगाओं और पुलिसकर्मियों के साथ एक बैठक की। इसमें त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। थाना प्रभारी ने पुलिसकर्मियों को अपने-अपने इलाकों में लगातार गश्त करने को कहा। उन्होंने संवेदनशील जगहों पर खास नजर रखने के निर्देश दिए। दीपक सिंह ने कहा कि त्योहारों के दौरान भीड़भाड़ वाले इलाकों, पूजा स्थलों और जुलूस के रास्तों पर पुलिस की मौजूदगी पक्की की जाए। इससे किसी भी अप्रिय स्थिति को समय रहते रोका जा सकेगा।

विवाहिता की करंट लगने से मौत

बहराइच। पयागपुर थाना क्षेत्र में रक्षाबंधन पर मायके आई विवाहिता की करंट लगने से मौत हो गई। सोमवार शाम वह घर से किसी काम के लिए निकली थी। रास्ते में ट्रांसफार्मर के पास टूटकर लटक रहे बिजली के तार की चपेट में आ गई। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। मृतका की पहचान मनकापुर कलां गांव निवासी रजनी (27) पत्नी अनूप के रूप में हुई है। रजनी रक्षाबंधन पर अपने मायके मलांवा गांव आई थी। परिवार वालों ने उसे कुछ दिन और रुकने के लिए कहा था। सोमवार शाम रजनी किसी काम से घर से बाहर निकली थी। रजनी घर से थोड़ी दूर पहुंची थी, तभी रास्ते में ट्रांसफार्मर के पास टूटकर लटक रहे एलटी तार की चपेट में आ गई। तार में करंट दौड़ रहा था।

गणपति पूजन समितियों की बैठक संपन्न

▸ आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं पर हुआ मंथन

समृद्धि न्यूज, बलरामपुर।

गणपति पूजन महोत्सव को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की तैयारियों को लेकर मंगलवार को समस्त गणपति पूजन समितियों एवं केंद्रीय गणपति पूजन महोत्सव समन्वय समिति की अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूजन स्थलों की व्यवस्थाओं, आयोजन के दौरान संभावित समस्याओं और उनके त्वरित समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक श्री नागेश्वरनाथ शिवाला मंदिर, गीता नर्सिंग होम के निकट मेजर चौराहा, बलरामपुर में शाम चार बजे हुई। इसमें जनपद की विभिन्न गणपति

पूजन समितियों के प्रतिनिधियों के साथ केंद्रीय गणपति पूजन महोत्सव समन्वय समिति के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि गणपति पूजन स्थलों पर आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित सक्षम अधिकारियों के सहयोग से निस्तारित कराने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन के दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा समितियों के बीच आपसी समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया।

केंद्रीय गणपति पूजन महोत्सव समन्वय समिति के संरक्षक कमलेश त्रिपाठी, अविनाश मिश्र, तुलसीश दूबे, अमरीश शुक्ला, रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी, कुन्नू कश्यप, सौरभ पांडेय, मनीष तिवारी, अंकुर चौहान, जयप्रकाश श्रीवास्तव, विमल शुक्ला और शनी मोदनवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों सहायिकाओं का एमएलसी ने किया सम्मान

समृद्धि न्यूज, सिरौलीगौसपुर बाराबंकी।

तहसील सभागार में मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।अयोध्या से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का सभागार में सीधा प्रसारण दिखाया गया।मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की। कार्यकत्रियो का मानदेय बढ़ाकर 12 हजार और सहायिकाओं का छह हजार रुपये प्रतिमाह करने का ऐलान किया गया। घोषणा के बाद समारोह में मौजूद कार्यकत्रियों और सहायिकाओं में खुशी की लहर दौड़ गई।उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताया।समारोह मे विधान

परिषद सदस्य अंगद सिंह मुख्य अतिथि रहे।उन्होने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।इस दौरान मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गोदभराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम भी हुए। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत ग्राम किन्तुर की कंचन राजपूत और दिव्यांशी वैश्य को सम्मानित किया गया।

राजकीय हाईस्कूल में लोकतांत्रिक तरीके से हुआ बाल संसद का गठन

▸ मतगणना के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

समृद्धि न्यूज़, बहराइच।

राजकीय हाईस्कूल रामपुर धोबियाहार, शिवपुर में समग्र शिक्षा एवं The Hans Foundation के सहयोग से बाल संसद चुनाव का आयोजन किया गया। सात सितंबर को विद्यार्थियों ने शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से मतदान किया। मंगलवार को मतगणना के बाद बाल संसद का विधिवत गठन किया गया। अंकित गुप्ता को बाल प्रधानमंत्री और काजल को उप-प्रधानमंत्री चुना गया। इसके अलावा कामिनी को शिक्षा मंत्री, पूजा यादव को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री, मानसी यादव को सुरक्षा मंत्री, पूजा गौतम को पोषण मंत्री, कल्पना को अनुशासन मंत्री, गौरी को पर्यावरण मंत्री, अंजलि प्रजापति को खेल एवं संस्कृति मंत्री तथा सरिता को सूचना एवं संचार मंत्री चुना गया।

नवागत एसपी से मिले प्रेस क्लब पदाधिकारी बेहतर पुलिसिंग को लेकर हुआ संवाद

समृद्धि न्यूज, बलरामपुर।

जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह से सोमवार को प्रेस क्लब बलरामपुर के पदाधिकारियों ने मुलाकात कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रेस क्लब के जिलाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक को पुष्पगुच्छ, शाल एवं प्रभु श्रीराम का चित्र भेंट कर जिले में नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिले की तीनों तहसीलों बलरामपुर, तुलसीपुर एवं उतरौला के प्रेस क्लब अध्यक्षों, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्यों ने नवागत पुलिस अधीक्षक से परिचय प्राप्त किया। करीब एक घंटे तक चली मुलाकात में जिले की कानून-व्यवस्था, पुलिसिंग व्यवस्था और पत्रकारिता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर

विस्तार से चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह ने कहा कि पुलिस और पत्रकार समाज के बीच बेहतर समन्वय से कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकता है। पत्रकार समाज की समस्याओं और क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जिले में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पत्रकारों से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि जिले में पुलिसिंग व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक स्तर पर बदलाव किए जाएंगे। किसी भी क्षेत्र में कानून-व्यवस्था से संबंधित समस्या अथवा अव्यवस्था की जानकारी मिलने पर पत्रकार सीधे उनसे संवाद कर सकते हैं, ताकि संबंधित समस्या का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान कराया जा सके। प्रेस क्लब जिलाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने नवागत पुलिस अधीक्षक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रेस क्लब बलरामपुर जिले में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन के साथ सकारात्मक सहयोग बनाए रखेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेगा नियत दिवस का सफल आयोजन

समृद्धि न्यूज़, हैदरगढ़, बाराबंकी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हैदरगढ़ मे परिवार नियोजन सेवाओं को सुदृढ़ करने एवं पात्र लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेगा नियत दिवस का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड हैदरगढ़ की समस्त आशाओं द्वारा पूर्व में चिन्हित किए गए लाभार्थियों को शिविर में लाया गया। लाभार्थियों को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा उनकी आवश्यकताओं एवं चिकित्सीय पात्रता के अनुसार परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों एवं सेवाओं के संबंध में विस्तृत परामर्श प्रदान किया गया तथा परामर्श के उपरांत पात्र लाभार्थियों को उनकी पसंद एवं आवश्यकता के अनुरूप परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेगा नियत दिवस के दौरान 300 से अधिक

लाभार्थियों को परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं सेवाएं प्रदान की गईं। जिन लाभार्थियों की चिकित्सीय जांच अथवा पात्रता के कारण उसी दिन सेवा उपलब्ध नहीं कराई जा सकी, उन्हें आगामी सेवा दिवसों के लिए पुनः चिन्हित किया गया है, ताकि आवश्यक चिकित्सीय मूल्यांकन एवं परामर्श के उपरांत उन्हें संबंधित परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष/प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैदरगढ़, डॉ. जयशंकर पांडेय के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, चीफ फार्मासिस्ट, समस्त स्टाफ नर्स, नर्सिंग ऑफिसर एवं हैदरगढ़ ब्लॉक के अंतर्गत कार्यरत एएनएम एवं आशाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

गर्भवती महिला की निजी अस्पताल में मौत

▸ परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

▸ सीएमओ ने किया अस्पताल सील

समृद्धि न्यूज, बहराइच।

जरवलरोड थाना क्षेत्र में निजी अस्पताल में इलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत हो गई। परिजनों ने सीएचसी मुस्तफाबाद में तैनात डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही बरतने और ओवरडोज दवा देने का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निजी अस्पताल को सील कर दिया।

पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में ग्राम सपसा निवासी उदयवीर सिंह ने बताया कि उनके छोटे भाई धर्मवीर सिंह की पत्नी ऋचा सिंह गर्भवती थीं। छह सितंबर को परिजन उन्हें प्रसव के लिए सीएचसी मुस्तफाबाद लेकर पहुंचे थे। परिजनों का आरोप है कि वहां तैनात डॉक्टर कल्पना साहू ने ऋचा को अपने निजी अस्पताल आरोग्य विकल्प रिठौरा केंद्र, जरवल रोड ले जाने की सलाह दी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व में नाम राज नंदनी था जोकि त्रुटिपूर्ण है। सही नाम नंदनी शुक्ला पुत्री अखिलेश कुमार निवासी ग्राम रेहुआ मंसूर थाना रामगांव जनपद बहराइच है। इसके अतिरिक्त मेरी सही जन्म तिथि 01/07/2011 है जो सही किया जाना है। अतः मुझे इसी नाम से भविष्य में जाना पहचाना जाए।

नंदनी शुक्ला पुत्री अखिलेश कुमार निवासी ग्राम रेहुआ मंसूर,थाना रामगांव जनपद बहराइच

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम MIRZA FAHIM BEG S/O MIRZA ALI AULIA BEG था। जो कि दिनांक 05/09/2026 को मैंने अपना नाम बदलकर MIRZA FAHEEM BEG S/O MIRZA ALI AULIA BEG रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

निवासी मोहल्ला नाजिरपुरा वेस्ट निकट नूर चिल्ड्रेन एकेडमी थाना कोतवाली नगर, जनपद बहराइच, यूपी।

बारिश का असर, चौरारी नदी का बढ़ा जलस्तर

समृद्धि न्यूज, फतेहपुर बाराबंकी। फतेहपुर में पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश का असर अब तराई क्षेत्र की नदियों पर दिख रहा है।बारिश के कारण फतेहपुर तहसील के छेदा गांव के पास चौरारी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है।नदी का पानी बेलहरा-पतौंजा मार्ग पर बने रपटा पुल के ऊपर से बहने लगा है,जिससे लोगों के लिए आवागमन खतरनाक हो गया है।पुल पर पानी आने की खबर मिलते ही प्रशासन सतर्क हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फतेहपुर के उपजिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह ने सुरक्षा के लिए क्षेत्रीय लेखपाल साकेत रावत और पुलिसकर्मियों की टीम को पुल पर तैनात किया है।प्रशासन ने पुल और आसपास के इलाके में निगरानी बढ़ा दी है, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।पहाड़ी इलाकों में लगातार बारिश से तराई क्षेत्र की नदियों में पानी का बहाव बढ़ रहा है। चौरारी नदी में भी अचानक पानी बढ़ने से पुल के ऊपर से पानी बहने लगा है। पानी का तेज बहाव देखते हुए दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।प्रशासन की टीम पुल पर आने वाले लोगों को मौजूदा स्थिति के बारे में बता रही है। उन्हें सावधानी से आने-जाने की सलाह दी जा रही है। नदी किनारे रहने वाले ग्रामीणों को भी सतर्क रहने को कहा गया है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बेवजह नदी के आसपास न जाएं और तेज बहाव वाले इलाकोंसे दूर रहें।

एसडीएम कार्तिकेय सिंह के निर्देश पर प्रशासनिक और पुलिस टीम लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। नदी के जलस्तर में होने वाले बदलावों की निगरानी की जा रही है।अधिकारियों ने बताया कि लोगो की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है। जरूरत पड़ने पर और भी सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम NAJMA W/O AKIL था। जो कि दिनांक 06/09/2026 को मैने अपना नाम बदलकर NAJMA W/O AKIL KHAN रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

निवासी मोहल्ला नाजिरपुरा पूर्वी थाना कोतवाली देहात, जनपद बहराइच, यूपी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम SALIYA BEGUM W/O MIRZA ALI AULIYA BEG था। जो कि दिनांक 05/09/2026 को मैने अपना नाम बदलकर SALEHA BANO W/O MIRZA ALI AULIYA BEG रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना और पहचाना जाए।

निवासी मोहल्ला नाजिरपुरा नूर चिल्ड्रेन स्कूल थाना कोतवाली नगर, जनपद बहराइच, यूपी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व में नाम रजनी पांडेय था जोकि त्रुटिपूर्ण है। सही नाम रिंकी तिवारी (Rinkee Tiwari) पत्नी रोहित कुमार तिवारी निवासी- डी-755, ओम इन्क्लेव -2 , अगवानपुर, अमर नगर फरीदाबाद (हरियाणा) है। मेरी सही जन्म तिथि 01/07/1994 है जो सही किया जाना है। अतः मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

रिंकी तिवारी (Rinkee Tiwari) पत्नी रोहित कुमार तिवारी निवासी- डी-755, ओम इन्क्लेव -2 , अगवानपुर, अमर नगर फरीदाबाद (हरियाणा)

हैदरगढ़ चीनी मिल क्षेत्र के ग्राम-नानमऊ में 'शरदकालीन गन्ना बुवाई' कृषक संगोष्ठी का आयोजन

▸ हमारा लक्ष्य कृषकों की समृद्धि, क्षेत्र का विकास

समृद्धि न्यूज़, हैदरगढ़ बाराबंकी।

बलरामपुर चीनी मिल्स लि0, यूनिट-हैदरगढ़ द्वारा सघन गन्ना विकास योजनान्तर्गत मिल क्षेत्र के ग्राम - नानमऊ में शरदकालीन गन्ना बुवाई को प्रोत्साहित करने एवं कृषकों की आय में वृद्धि के उद्देष्य से कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रगतिषील गन्ना कृषक विष्वनाथ वर्मा ने की। इस अवसर पर

चीनी मिल के मुख्य महाप्रबन्धक, बी0के0 यादव ने कृषकों का अभिवादन करते हुये अधिक से अधिक क्षेत्रफल में उन्नतषील गन्ना किस्मों की बुवाई करने का आवाह्न किया। उन्होंने कहा कि उन्नतषील गन्ना किस्में को0 0118, 98014, को0लख0 14201, 16202 एवं को0षा0 13235 की बुवाई ''टेऊंच विधि'' से करने के साथ-साथ गन्ने की दो पंक्तियों के बीच रिक्त स्थानों में सहःफसल जैसे- आलू, मटर, सरसों, मसूर इत्यादि की खेती करके अतिरिक्त लाभ कमाया जा सकता है। शरद्कालीन गन्ने से बसन्तकालीन गन्ने की अपेक्षा (लगभग 25 प्रषित) अधिक उपज प्राप्त होती है, क्योंकि समयानुसार गन्ने की बुवाई से जमाव प्रतिषत में बढ़ोत्तरी होती है एवं शरद्कालीन गन्ना फसल में गर्मी, पाला, कीड़े, बीमारियों एवं अन्य आपदाओं के प्रति सहन शक्ति बढ़ जाती है। गन्ना ही एकमात्र ऐसी फसल है जो मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी लाभ देती है। इस अवसर पर उन्होंने कृषकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं संतोषजनक निस्तारण हेतु आवष्यक कार्यवाही का आष्वासन दिया।

इसी क्रम में जिला गन्ना अधिकारी, बाराबंकी डा0 दुष्यंत कुमार ने गन्ना बीज हेतु किस्मों का चयन, उसका शोधन, खेत की तैयारी, संतुलित खाद का प्रयोग, कीट-बीमारी से फसल की सुरक्षा एवं गन्ना बुवाई की नई तकनीक इत्यादि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

उप महाप्रबन्धक (गन्ना) धर्मेष मेहरोत्रा ने प्रति इकाई क्षेत्रफल में गन्ना उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देते हुए, कार्बनिक खाद, जैव उर्वरकों का प्रयोग, मृदा परीक्षण तथा संतुलित पोषण प्रबंध के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी। उक्त अवसर पर सहकारी गन्ना विकास समिति लि0, बाराबंकी के अध्यक्ष, वीरेन्द्र वर्मा ने कृषकों ने से वर्तमान शरद्कालीन गन्ना बुवाई के अर्न्तगत अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना बुवाई करने तथा चीनी मिल द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया, ताकि क्षेत्र खुषहाली के पथ पर अग्रसर रहे व चीनी मिल को भी पेराई क्षमता के अनुरूप गन्ना की आपूर्ति सनिश्चित हो सके।

बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा व वित्त विभाग की हुई सर्वदलीय बैठक

शिक्षक हित सरकार के लिए सर्वोपरि: केशव

- शिक्षकों व शिक्षा से जुड़े कार्मिकों के हितों पर मंथन

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

नेता सदन विधान परिषद एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं वित्त विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सर्वदलीय बैठक आहूत की गयी जिसमें प्रदेश के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रसोइयों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा एवं उच्च शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों तथा अन्य कार्मिकों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदस्यों द्वारा अपने सुझाव एवं विचार रखे गए। सदस्यों ने शिक्षकों एवं शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न वर्गों की समस्याओं, उनकी सुविधाओं तथा उनके हितों से जुड़े विषयों पर सरकार के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न वर्गों के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की भी चर्चा हुई। विशेष रूप से शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं रसोइयों के साथ-साथ एडेड एवं सेल्फ फाइनेंस संस्थानों, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधा का लाभ उपलब्ध कराने के निर्णय का स्वागत किया गया। प्रदेश में बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा समाज कल्याण विभाग, श्रम विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं रसोइयों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। सरकार के इस निर्णय को शिक्षा क्षेत्र से जुड़े व्यापक वर्ग के हित में महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी कदम बताते हुए बैठक में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों ने प्रदेश सरकार के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। सदस्यों ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए केवल विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना ही आवश्यक नहीं है, बल्कि शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं शिक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक कार्मिक के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जाना आवश्यक है। इस दिशा में कैशलेस चिकित्सा सुविधा का विस्तार शिक्षकों एवं अन्य कार्मिकों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत है। बैठक में शिक्षा विभागों से संबंधित विभिन्न विषयों पर सर्वदलीय विचार-विमर्श को सकारात्मक एवं रचनात्मक बताते हुए सदस्यों ने शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं सुदृढ़ बनाने के लिए आपसी संवाद एवं सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। बैठक में प्राप्त सुझावों एवं विचारों पर संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक कार्यवाही किए जाने के संबंध में भी चर्चा की गई।बैठक के दौरान उपस्थित सदस्यों एवं विभागीय अधिकारियों के बीच विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में विस्तृत चर्चा हुई। सभी पक्षों ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा शिक्षकों एवं शिक्षा से जुड़े कार्मिकों के हितों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाएगा सेवा पखवाड़ा

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राज्यों के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ आगामी 'सेवा पखवाड़ा' के आयोजन एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय से एनडीए के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए।बैठक में सेवा पखवाड़े के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तथा ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'सेवा पखवाड़ा' सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने राज्यों से आह्वान किया कि पखवाड़े के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा योजनाओं की अंतिम छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित की जाए।उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ उपलब्ध कराने तथा गांवों में विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का मूल उद्देश्य गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है और सेवा पखवाड़ा इसी संकल्प को और मजबूती प्रदान करेगा।

स्टेट कैपिटल रीजन के लिए 6 जिले चयनित

- यूपीएससीआर बेस मैप को रिव्यू कमेटी ने दी मंजूरी
- छह जिलों में 26,741 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र होगा विकसित
- बनेगा रेल कॉरिडोर और मेट्रो नेटवर्क

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन (यूपीएससीआर) के गठन की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के पारिजात सभागार में मंगलवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई रिव्यू कमेटी की बैठक में यूपीएससीआर के बेस मैप को मंजूरी दे दी गई। अब बेस मैप को अनुमोदन के लिए एक्जीक्यूटिव कमेटी के समक्ष भेजा जाएगा। वहां से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद सभी छह जिलों को करते हुए रीजनल प्लान तैयार किया जाएगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि यूपीएससीआर में लखनऊ, सीतापुर, उन्नाव, हरदोई, बाराबंकी और रायबरेली को शामिल किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 26,741 वर्ग किलोमीटर है। इसके लिए जीआइएस आधारित क्षेत्रीय महायोजना तैयार कराई जा रही है।

ट्रांसपोर्टेशन एंड मोबिलिटी, अर्थव्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यटन को ध्यान में रखते हुए करीब 30 परियोजनाएं चिह्नित की गई हैं। यूपीएससीआर के तहत छह जिलों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी के लिए राज्य राजधानी माला (रीजनल रोड), एलिवेटेड पेरिफेरल रोड और रोड अपग्रेडेशन जैसी परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। इसके साथ ट्रांसपोर्ट नगर, आर्बिटल रेल कारिडोर और मेट्रो नेटवर्क विकसित करने की योजना भी शामिल है। इससे राजधानी और आसपास के जिलों के बीच आवागमन आसान होने की उम्मीद है।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन का बेस मैप तैयार कराया गया है। जिसके लिए सम्बंधित विकास प्राधिकरणों, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, रेलवे, वन विभाग, नगर निगम, सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग समेत 22 संस्थाओं से अभिमत मांगा गया था। जिसमें सभी विभागों ने बेस मैप का परीक्षण करने के बाद अपनी सहमति प्रदान की है। मंगलवार को रिव्यू कमेटी की बैठक में बेस मैप का प्रेजेन्टेशन किया गया, जिसमें इसे मंजूरी दे दी गयी है।

उपाध्यक्ष ने बताया कि अब यूपीएससीआर की एक्जीक्यूटिव कमेटी के समक्ष बेस मैप अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। वहां से अंतिम मंजूरी मिलने के बाद रीजनल प्लान तैयार कराया जाएगा।

खबरें एक नजर में

एयर इंडिया की फ्लाइट क्रॉस विंड का शिकार, राहुल गांधी भी थे उसमें सवार

लखनऊ। दिल्ली से लखनऊ आ रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एयर इंडिया विमान को चौधरी चरण सिंह (अमौसी) अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान अचानक तेज तिरछी हवा (क्रॉसविंड) का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया का विमान पहली बार में लैंड नहीं कर पाया। रनवे से ठीक पहले पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को वापस ऊपर उठाया और दो चक्कर लगाने के बाद दूसरे प्रयास में विमान को सुरक्षित लैंड कराया। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 1717 ने दिल्ली से निर्धारित समय दोपहर 2:20 बजे उड़ान भरी थी और इसे 3:30 बजे लखनऊ में लैंड करना था। पहले तो विमान को एक चक्कर हवा में ही काटना पड़ा। इसके बाद 3:45 विमान रनवे के बिल्कुल करीब हा चुका था लेकिन तिरछी हवा का जोर पायलट ने भांप लिया। सूझबूझ का परिचय देते हुए उसने तुरंत विमान को ऊपर उठा लिया। दो लम्बे चक्कर काटने और मौसम का सही आकलन करने के बाद पायलट ने 3:55 बजे दूसरे प्रयास में विमान को रनवे पर सुरक्षित उतारा।

अभियंताओं व अवर अभियंताओं को व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण

लखनऊ। पंचायती राज विभाग संचालित पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान प्रिट के अन्तर्गत पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर की प्रेरणा से व अनिल कुमार प्रमुख सचिव पंचायती राज के कुशल मार्गदर्शन में जिला पंचायत के अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं का 3 दिवसीय व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 8 सितम्बर को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रयागराज में कराया जा रहा है। इस प्रकार का प्रशिक्षण अभिनव पहल के रूप में पहली बार किसी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में उनके सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में 80 प्रतिभागियों का 40-40 के 2 बैच में प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

संविधान बचाने के लिए भाजपा सरकार को हटाना जरूरी: रामआसरे

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ही सामाजिक न्याय राज की स्थापना कर सकती है और पिछड़े दलित अल्पसंख्यक महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान दे सकती है। भाजपा राज में पिछड़ों दलितों के आरक्षण में खुली लूट हो रही है। निषाद और राजभर समाज को अनुसूचित जाति का आरक्षण भाजपा सरकार में रोका गया। भाजपा आरक्षण विरोधी है। संविधान बचाने के लिए बीजेपी सरकार को हटाना होगा।सभी लोग मिलकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनायें और अखिलेश यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनायें। यह बातें महराजगंज में विश्वकर्मा पीडीए चौपाल में पूर्वमन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा।पूर्वमंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा आज देश को अखिलेश यादव से उम्मीद है कि वही उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार को हटा सकते हैं और पीडीए की बड़ी ताकत बनाकर समाजवादी सरकार बनाकर समाजवादी न्याय राज की स्थापना कर सकते हैं। भाजपा राज में संविधान लोकतंत्र और आरक्षण पर आज भी खतरा है। जनता की आवाज को दबाया और डराया जा रहा है और सरकार के विरूद्ध बोलने पर उनके विरुद्ध फर्जी मुकदमा लगा दिया जाता है।

व्यंग्य से लेकर करुणा तक संवेदनहीन होता समाज

लखनऊ। बदलते पारिवारिक मूल्यों और बुजुर्ग माता-पिता के प्रति घटती संवेदनशीलता की ऐसी ही एक बेचैन करने वाली तस्वीर सामने रखता है नाटक 'क्रियाकर्म ट्वेंटी फोर सेवन एक द रेट जीमेल डाट काम'। राम किशोर नाग के लिखे नाटक को आज शाम बिम्ब सांस्कृतिक मंच के कलाकारों ने संस्कृति मंत्रालय दिल्ली और संस्कृति निदेशालय उत्तर प्रदेश के सहयोग से महर्षि कपूर के निर्देशन में प्रस्तुत किया। साहित्य केवल समाज का प्रतिबिंब नहीं होता, वह उसके भीतर छिपी उन दरारों को भी दिखाता है, जिन्हें हम अक्सर देखना नहीं चाहते। मंचित नाटक की कहानी का केंद्र एक वृद्ध दंपती और उनके तीन बेटे हैं।

हर वर्ष बेतवा नाले पर पानी की अधिकता से जूझते हैं ग्रामीण

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

मलिहाबाद लखनऊ बरसात का समय आते ही सीमावर्ती गांव झाउबेरिया के लोग क ई सालो पुरानी यादे सताने लगती हैं कि बेतवा नाले पर मे पानी अधिक हो जायेगा गांव का समपर्क कट जायेगा बुजुर्गो सहित बच्चो को गाव में कैद हो जायेगे बीमार गर्भ वती महिलाओं को काफी जद्दोजहद के बाद निकाल कर गांव के निकाल कर किस तरह इलाज करायेगे इस साल भी बरसात में पानी पुलिया के ऊपर से निकलने लगा है लोग जान जोखिम में डालकर कर तेज बहाव में निकलने को मजबूर हैं। ज्ञात हो कि् मलिहाबाद बिकास खंड की सीमावर्ती ग्राम पंचायत सेना के मजरे झाउबेरिया जिसकी आबादी लगभग 800 है पूरा गांव चारों तरफ बेहतर नाले से घिरा हुआ है और एक तरफ बना वन विभाग है गांव में आने जाने के लिए बेतबा नाले पर पुलिया का निर्माण तत्कालीन विधायक कौशल किशोर ने बनवाया था जो थोड़ी सी जयादा बरसात में पुलिया पानी से डूब जाता है तेज बहाव के चलते दोनो तरफ की डामर स्तर की सड़क भी बह जाती है परिणाम स्वरुप गांव में आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है थोड़ा पानी रहता है तो लोग जान जोखिम मे डाल कर पानी में चल कर किसी तरह पुल पार कर जाते हैं इस समय पानी ज्यादा होने के कारण आवागमन लगभग पूरी तरह से बंद है क्योंकि पानी लगभग एक डेढ़ फीट की ऊंचाई से तेज़ी से बह रहा है। यही हाल लगभग हर साल हुई झमाझम बारिश ने गांव का आवागमन पूरी तरह से बन्द हो जाता है। इससे पहले इस तरह की स्थिति को देखते हुए तहसील प्रशासन ने नाव की व्यवस्था की गई थी और गांव मे संक्रामक रोग फैलने पर डाक्टरों की टीम इलाज के लिये भेजी गई इस बार भी तहसीलदार मलिहाबाद कुमकुम मिश्रा गांव पहुंच कर गांव वालों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

आस्ट्रेलिया, थाइलैंड व अन्य देशों की प्रजातियों की मलिहाबाद में डिमांड

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

रहीमाबाद लखनऊ एस एन वी लखनऊ के मलिहाबाद फलपट्टी क्षेत्र में बागवानी के शौकीनों के लिए फलों और फूलों की ही नहीं, बल्कि ऐसी कई वनस्पतियां उपलब्ध हैं, जिसकी वह उम्मीद करते हैं. चूंकि यह क्षेत्र आम के लिए प्रसिद्ध है. इसलिए यहां के बागवान अपनी नर्सरी में सबसे ज्यादा आम की प्रजातियां रखते हैं. इनमें देश की मशहूर प्रजातियां ही नहीं, बल्कि ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड व अन्य तमाम देशों में मशहूर आम की प्रजातियां भी यहां मिलती हैं. इसके अलावा गर्मी के मौसम में उत्तर प्रदेश जैसे जलवायु वाले इलाकों के लिए अनुकूल सेब, लीची, आड़ू, चीकू सहित मसालों की तमाम वनस्पतियां भी यहां की नर्सरियों में उपलब्ध हैं। ज्ञात हो कि मलिहाबाद में नर्सरी चलाने वाले जुबैर बताते हैं कि यहां विशेष रूप से आम की प्रसिद्ध मियां जकी, किंग ऑफ चकापत, बनाना मैंगो, चिली मैंगो, बुर्नेकिंग, ऑस्टिन मैंगो, पूसा अरुणिमा, पूसा लालिमा, पूसा अरुणिका, थाईलैंड की थ्री टेस्ट, इरविन और रेड आईबेरी प्रजातियां लोगों को बहुत भाती हैं. यहां दूर-दूर से लोग इन प्रजातियों की पौध लेने के लिए आते हैं. इन प्रजातियों के फल रंगीन और अलग-अलग आकारों में होने के साथ ही स्वाद में भी अनूठे होते हैं. ऐसे में इनकी कीमतें भी सामान्य आम के मुकाबले कई गुने अधिक मिलती हैं. यही कारण है कि बागवान ऐसी किस्में लगाना बेहतर समझते हैं। नर्सरी चालक जुबैर बताते हैं कि यहां सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला बनाना मैंगो का फल देर से तैयार होता है. यह खाने में बेहद जायकेदार और देखने में केले की तरह एकदम पीला होता है. शुगर के मरीजों के लिए भी कुछ किस्में बहुत ही लोकप्रिय हैं। इनमें टॉमी एक्टिंस और सेंसेशन आम ऐसी ही प्रजातियां हैं जो बहुत कम मिठास लिए होती हैं और शुगर के रोगियों के लिए नुकसानदेह नहीं होती हैं।

जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में मरम्मत अनुरक्षण कार्य के लिए 330.08 लाख मंजूर

समृद्धि न्यूज, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालया खाई करछना, प्रयागराज एवं मेहनगर, आजमगढ़ में विभिन्न मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्यो के लिए 330.08 लाख रूपये मंजूर किए हैं। जारी शासनादेश के अनुसार प्रयागराज के खाई करछना, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य के लिए 86.93 लाख रूपये तथा आजमगढ़ के मेहनगर, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्य के लिए 243.15 लाख रूपये मंजूर किए गए हैं।

बैंककर्मियों ने काला बैज लगाकर किया विरोध प्रदर्शन

- 11 सितंबर को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

पांच दिवसीय बैंकिंग, भेदभाव रहित पीएलआई योजना लागू करने और सभी लंबित मुद्दों के निस्तारण हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंककर्मियों ने काला बैज लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। फोरम के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि इन्हीं मांगों हेतु बैंककर्मी 27 अगस्त को देशव्यापी प्रदर्शन, 30 अगस्त को एक्स (ट्विटर) अभियान और 3 सितंबर को पोस्टर अभियान भी चला चुके हैं। यूनाइटेड फोरम के विभिन्न घटकों के वरिष्ठ नेताओं कामरेड वाई के अरोड़ा, दिनेश कुमार सिंह, एस.के. संगतानी, लक्ष्मण सिंह, वी.के.माथुर, संदीप सिंह, अशोक अग्रवाल, सचिन केशरवानी आदि ने कहा कि बैंककर्मी अब आश्वासन नहीं परिणाम चाहते हैं, उन्होंने कहा कि सरकार उनकी इन चिर लंबित जायज़ मांगों को पूरा नहीं कर देती उनका ये संघर्ष जारी रहेगा। अनिल तिवारी, मीडिया प्रभारी ने बताया कि मांगे ना मानने पर आंदोलन तेज होगा।

वोट की ताकत पहचान गए तो सब कुछ हो जाएगा ठीक: अंगारा

- देश में गरीब बनाम पूंजीवाद की लड़ाई

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

देश में असल में गरीब बनाम पूंजीवाद की लड़ाई है। जंग करारी है लेकिन समाधान ढूंढने वाले खुद बेफिक्र हैं।गरीब का हक मारा जाता है और जिम्मेदार मंचों पर तो खूब बोलते हैं लेकिन मंच से उतरते ही वे भी पूंजीवाद के पोषक की भूमिका निभाने लगते हैं, यही सबसे बड़ी समस्या है। वर्ना ऐसी कौन सी समस्या है जिसका निवारण न हो। वोट की ताकत जिस दिन पहचान गए तो सबकुछ खुद ब खुद ठीक हो जायेगा। यह उदगार व्यक्त करते हुए सेकुलर थिंकर रविन्द्र कुमार श्रीवास्तव अंगारा ने कहा कि आज गरीब बनाम पूंजीवाद के जंग में गरीब और मध्यम वर्गीय लोग पिस रहे हैं।मौजूदा सियासी माहौल पर चिंता व्यक्त करते हुए बोले,आज कांग्रेस देश के हर गरीब व्यक्ति को सुखी सम्पन्न देखना चाहती है परन्तु भाजपा देश में धार्मिक भावनाओं में लोगों को उलझाकर देश के कुछ पूंजीपतियों को मजबूत करने का काम कर रही है। गरीबी और अमीरी के द्वंद के बीच अब देशवासियों को सोंचना है कि चंद पूजीवदियो के साथ खड़े होगे या गरीबों के साथ।देशवासी संकटो से जूझ रहे हैं। मंहगाई, आतंक, धार्मिक उन्माद, महिलाओ में असुरक्षा, जातियों में भय और आतंक फैला हुआ है। जनता यानि वोटरों को हर चुनाव को बड़ी गम्भीरता से लेना होगा। वोट फेंके नही,सही उम्मीदवार और सही राजनीतिक दल के मददगार बनें तो सरकार मददगार सोच की बनेगी। 2027 में असेम्बली और 2029 में पार्लियामेंट के चुनाव होने हैं।

दिव्यांगों को सहायक उपकरण व कृत्रिम अंग के लिए आयोजित होंगे वितरण शिविर

- 17 सितम्बर व 2 अक्टूबर को प्रदेश स्तर पर वितरण शिविरों का आयोजन

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के पात्र दिव्यांगजनों को योजना के अंतर्गत अनुमन्य विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा समस्त जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रथम चरण के वितरण कार्यक्रम में कुल 75 जनपदों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रथम समूह में 41 जनपदों में 17 सितम्बर को वितरण शिविर आयोजित किए जाने की तिथि निर्धारित की गई है।

तैयारी | बदलाव की कहानियों के माध्यम से जनजागरूकता पर जोर

सेवा संकल्प अभियान में उच्च शिक्षा संस्थानों की होगी भागीदारी

- प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान में प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को लखनऊ स्थित विधानसभा कार्यालय में बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव, विशेष सचिव, निदेशक उच्च शिक्षा सहित अन्य विभागीय अधिकारी भौतिक रूप से तथा राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, विभागीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवाकाल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा भाव को मजबूत करना तथा प्रदेश में हुए सकारात्मक बदलावों और उपलब्धियों को विद्यार्थियों एवं आमजन तक पहुंचानाहै। प्रत्येक विश्वविद्यालय और महाविद्यालय को अभियान के कार्यक्रमों का प्रभावी अनुपालन करना होगा। इसमें निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण होगी। अभियान के अंतर्गत सेवा स्मरण, आंगन मिलन, कहानी बदलाव, सेवा में मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान तथा सेवा यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को अपनी स्थानीय परिस्थितियों एवं संस्थागत संसाधनों के अनुरूप इन कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। 'कहानी बदलाव' कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में हुए सकारात्मक बदलावों को सामने लाया जाए। नए विभाग, फैकल्टी, भवन, प्रयोगशालाएं, शैक्षिक सुविधाएं, नई व्यवस्थाएं एवं विद्यार्थियों के हित में शुरू की गई सुविधाओं से लाभान्वित छात्र-छात्राओं के अनुभव रिकॉर्ड किए जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों से यह भी जाना जाए कि पहले संस्थान में क्या स्थिति थी और नई सुविधाओं के मिलने के बाद उनके अध्ययन एवं शैक्षिक जीवन में क्या बदलाव आया। इन अनुभवों को वीडियो, लिखित कहानी एवं साक्षात्कार के रूप में तैयार कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के साथ ही विभाग को भी उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी संस्थाओं में हुए बदलावों पर रोचक एवं प्रेरक कहानियां लिखने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा, ताकि इस माध्यम से उनकी लेखन एवं रचनात्मक क्षमता का भी विकास हो सके।'सेवा में मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को श्रमदान, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं वृक्षारोपण गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

मनौतियों के राजा का तैयार हो रहा सबसे बड़ा पंडाल

- 14 से 25 सितंबर तक झूलेलाल वाटिका में होगा गणेश उत्सव

समृद्धि न्यूज, लखनऊ।

राजधानी का सबसे बड़ा गणेश उत्सव मनाया जाने वाला झूलेलाल घाट पर इस वर्ष 14 से 25 सितंबर तक धूमधाम से मनाया जाएगा। गणेश उत्सव को लेकर तैयारी जोरो पर चल रही है। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि गणेश उत्सव का पंडाल बनाने के लिए कोलकाता से करीब 60 कारीगर पिछले एक माह से तैयार कर रहे हैं। इस बार पंडाल मन्दिर की थीम पर तैयार हो रहा है। उन्होंने बताया कि महिलाओं व पुरुषों की बैठने के लिए अलग-अलग व्यवस्था रहेगी पूरा पंडाल वाटरप्रूफ और वातानुकूलित रहेगा। पंडाल 13 हजार वर्ग फीट मैं तैयार हो रहा है पंडाल की ऊंचाई 80 फीट होगी। अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल ने बताया कि इस बार भी भक्त लोग 'मनौतियों के राजा श्री गजानन के नाम चिट्ठी' प्रतिदिन प्रात 10:00 से शाम 6:00 बजे तक लिख सकते हैं। पार्षद रंजीत सिंह ने बताया कि इस बार बच्चों के नए-नए झूले आ रहे हैं फास्ट फूड, आइसक्रीम, चाट के स्टाल रहेंगे। मीना बाजार में महिलाओं के श्रृंगार संबंधी सारी सामग्री के स्टॉल रहेंगे। अखिलेश बंसल, संजय सिंह गांधी, अतुल बंसल ने बताया कि पूरा परिसर मैले जैसा रहेगा जिसमें सभी प्रकार के समान लोग खरीद सकेंगे। उन्होंने बताया कि भक्त लोग मनौतियों के राजा के दर्शन प्रातः 9 बजे से रात 11 बजे तक कर सकेंगे बप्पा की आरती सुबह 9 बजे और शाम 6 बजे हो होगी। योगेश बंसल ने बताया कि कोलकाता के प्रसिद्ध भजन गायक संजय शर्मा के संगीत निर्देशन में प्रतिदिन भजन संध्या व नृत्य नाटिका का मंचन किया जाएगा।

जिला मिशन व जिला स्तरीय समन्वय-अनुश्रवण समिति बैठक संपन्न

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

उद्यान विभाग के अधीन संचालित औद्यानिक विकास योजनाओं में प्राप्त भौतिक वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति के लिए जिला मिशन समिति एवं जिला स्तरीय समन्वय एवं अनुश्रवण समिति की बैठक बिस्मिल सभागार कलेक्ट्रेट में सीडीओ उत्कर्ष द्विवेदी की अध्यक्षता में की गयी। जिला उद्यान अधिकारी पुनीत कुमार पाठक द्वारा उद्यान विभाग के अन्तर्गत सचालित विभिन्न औद्यानिक विकास योजनाएं, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना, अनुसूचित जाति, जनजाति कृषकों हेतु औद्यानिक विकास योजना राज्य सेक्टर के अन्तर्गत प्राप्त भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों से बैठक में उपस्थिति समिति सदस्यों को अवगत कराते हुए बताया गया कि उक्त योजनाओं में विभिन्न कार्यक्रमों यथा नवीन उद्यान रोपण, सब्जी फसलक्षेत्र विस्तार, पुष्पक्षेत्र विस्तार, मसाला क्षेत्र विस्तार, गौनपालन, मशरूम उत्पादन यूनिट, सब्जियों हेतु मचान आदि कार्यक्रमों में लक्ष्य प्राप्त है। जिनके क्रियान्वयन एवं कृषकों के चयन हेतु निर्धारित पात्रता शर्तों से समिति को अवगत कराया गया। इसी क्रम में जनपद में संचालित पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रोईरीगेशन योजनान्तर्गत कृषकों के प्रक्षेत्र पर ड्रिप सिंचाई सिस्टम, रेनगन, मिनी स्प्रिंकलर, पोर्टेबल स्प्रिंकलर सिस्टम आदि स्थापित कराये जाने का प्राविधान है। उक्त योजना में ड्रिप, मिनी रिप्रकलर सिस्टम कार्यक्रम अन्तर्गत लघु, सीमान्त कृषकों को 90 प्रतिशत पर तथा अन्य कृषको को 80 प्रतिशत अनुदान तथा पोर्टेबल स्प्रिंकलर में लघु व सीमान्त कृषकों को 75 प्रतिशत पर तथा अन्य कृषकों को 65 प्रतिशत तक अनुदान की सुविधा प्रदान की जाती है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि उक्त योजनाओं के अतिरिक्त वर्तमान वित्तीय वर्ष में आलू उत्पादक कृक्षकों के लिये भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना की योजना एवं निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रभार पर अनुदान की योजना संचालित की गयी हैं, जिसमें प्रति कृषक अधिकतम 2 हेक्टेयर आलू रोपित क्षेत्रफल अथवा प्रति हेक्टेयर 240 कुन्तल अधिकतम आलू उत्पादन पर अधिकतम रूपये 20 हजार प्रति कृषक देय है। अनुदान की गणना आलू उत्पादन लागत का 25 प्रतिशत अथवा उत्त्पादन लागत एवं बिक्रीत दर के अन्तर की धनराशि जो कम हो, देय होगा। योजना का लाभ एफएक्यू, गुणवत्ता के आलू (30-80 एमए) पर देय होगा। इसके अतिरिक्त जनपद में औद्यानिक फसलों के निर्यात को प्रोत्साहन हेतु नवीन योजना राज्य औद्यानिक निर्यात प्रोत्साहन योजना संचालित की गयी है। योजना के माध्यम से औद्यानिक फसले करने वाले किसानों की आय द्विगुणित करने के लक्ष्य को पूरा करने हेतु न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर औद्यानिक उत्पादों के बेहतर मांग का सृजन किये जाने तथा निर्यात में वृद्धि के माध्यम से बेहतर आय अर्जन सुनिश्चित किये जाने का प्रयास किया जाएगा। उद्यान विभाग के अधीन संचालित समस्त औद्यानिक विकास योजनाओं का सीडीओ उत्कर्ष द्विवेदी द्वारा अनुमोदन प्रदान करते हुए निर्देशित किया गया कि जनपद में आलू उत्पादक कृषकों द्वारा उत्पादित आलू के निर्यात को बढ़ावा प्रदान किये जाने हेतु आलू के बलस्टर विकसित करते हुए अधिक से अधिक कृषकों के कृषक उत्पादक संगठन गणित किये जायें। सभी आलू उत्पादक कृषकों को भामाशाह भाव स्थिरता कोष की स्थापना की योजना से लाभान्धित किया जाये। निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू के भण्डारण प्रमार पर अनुदान की योजनान्तर्गत कृषकों के पंजीकरण का कार्य शीतगृह स्तर पर करावाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। साथ ही आलू की खेती करने वाले कृषकों को जैविक खेती की ओर रुझान पैदा किये जाने हेतु उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, एपीडा एवं जिला कृषि रक्षा अधिकारी एवं समस्त निजी शीतगृहों से समन्वय स्थापित करते निर्यात को बढ़ावा दिये जाने की पहल प्रारम्भ की जाये।बैठक में डीडी कृषि पीके मिश्रा,मण्डी सचिव, ज्येष्ठ कृषि विपणन, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी आदि मौजूद रहे।

नवनियुक्त डायट प्राचार्य आशीष चौहान एवं वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज बोस का शिक्षक संघ ने किया स्वागत

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के नवनियुक्त प्राचार्य आशीष चौहान एवं वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज बोस का संस्थान में पहुंचकर फूलमाला पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। संघ के जिला अध्यक्ष मुनीश मिश्र के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने नव नियुक्त अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए जनपद की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर डायट प्राचार्य आशीष चौहान ने कहा कि हम सभी का लक्ष्य परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को रुचिपूर्ण एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर निपुण लक्ष्य को प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है कि सभी परिषदीय विद्यालयों में स्वच्छ, सुंदर एवं बेहतर शैक्षिक वातावरण के साथ आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। सभी शिक्षक एवं अधिकारी सरकार की मंशा के अनुरूप अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके। संघ के जिला मंत्री देवेश बाजपेई ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शिक्षक हितों के लिए कार्य करता रहेगा तथा विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने का प्रयास करेगा। स्वागत कार्यक्रम में संघ के जिला मंत्री देवेश बाजपेई, जिला कोषाध्यक्ष रविन्द्र पाल प्रजापति, जिला मीडिया प्रभारी राजकुमार तिवारी, डॉ. विनय गुप्ता, अनुज सिंह, नफीस खां, प्रदीप सिंह, रामशंकर यादव, देवेन्द्र सिंह, विजयकांत शर्मा, सौरभ अवस्थी, मुजाहिद खां, नवनीत त्रिपाठी, सुरेन्द्र कुमार, काशीनाथ शुक्ला सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गोवंशों को बचाने में बेकाबू हुआ ट्रक हाईवे की रेलिंग तोड़कर नाले में पलटा

समृद्धि न्यूज, मदनापुर, शाहजहांपुर।

क्षेत्र में कटरा-जलालाबाद हाईवे पर सोमवार देर रात गोवंशों के झुंड को बचाने के प्रयास में प्लाई से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रक चालक और परिचालक घायल हो गए। दुर्घटना में हाईवे की लोहे की रेलिंग और पास का नाला भी क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार हादसा कुदैया गांव के पास टोल प्लाजा से पहले हुआ। ट्रक प्लाई लेकर बरेली के फरीदपुर स्थित कुनाल फैक्ट्री से महाराष्ट्र के नासिक जा रहा था। ट्रक मदनापुर की ओर बढ़ रहा था, तभी अचानक गोवंशों का झुंड सड़क पर आ गया। चालक ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन ट्रक बेकाबू होकर हाईवे किनारे पलट गया। ट्रक पलटने से चालक किशन बिहारी शर्मा और परिचालक अरुण कुमार घायल हो गए। दोनों मध्य प्रदेश

के शिवपुरी जिले के रहने वाले बताए गए हैं। हादसे के बाद परिचालक ने वाहन मालिक को सूचना दी। वाहन मालिक ने दूसरा वाहन भेजा, जिससे प्लाई को नासिक पहुंचाया जा सके। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मदनापुर प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह ने बताया कि मामले में आवागमन सुचारू रूप से जारी है और पलटे हुए ट्रक को हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम ने की अभद्रता, अधिवक्ताओं ने किया धरना-प्रदर्शन, पुलिस बल बुलाने से बढ़ा आक्रोश

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

तहसील सदर परिसर में उप जिलाधिकारी सदर द्वारा अधिवक्ताओं के साथ कथित रूप से किए गए अभद्र व्यवहार को लेकर वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने उप जिलाधिकारी सदर की कार्यशैली के खिलाफ तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि उप जिलाधिकारी ने संवाद करने के बजाय भारी पुलिस बल बुलवाकर अधिवक्ताओं को मानसिक रूप से आहत करने और डराने का प्रयास किया, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने स्पष्ट किया कि विवाद केवल अभद्रता तक सीमित नहीं है, बल्कि तहसील की चरमरा चुकी प्रशासनिक व्यवस्था भी इसका बड़ा कारण है। अधिवक्ताओं के अनुसार, जब से नए तहसीलदार और नायब तहसीलदार आए हैं, तब से वादकारियों और अधिवक्ताओं की समस्याओं का कोई निस्तारण नहीं हो पा रहा है। राजस्व मामलों में लेखपालों द्वारा समय पर आख्या, रिपोर्ट न लगाना तथा अहलमद, आरआर द्वारा पत्रावलियों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण न करना आम बात हो चुकी है, जिससे दूर-दराज से आने वाले वादकारियों को चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इस धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने किया। मौके पर वरिष्ठता अधिवक्ता रज्जन बाबू मिश्रा, गोपाल मिश्रा, बी.पी. सिंह, घनश्याम मिश्र, संजीव मिश्रा, रविंद्र मिश्रा, महेंद्र बाजपेई, विपुल कुमार बाजपेई, महेंद्र श्रीवास्तव तथा राजेश सक्सेना, आदर्श कुमार सक्सेना समेत भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर चेतावनी दी है कि जब तक उप जिलाधिकारी सदर अपने व्यवहार के लिए खेद प्रकट नहीं करते और तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार व लापरवाही पर अंकुश नहीं लगाते, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

निगोही बीआरसी पर पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के तृतीय बैच का हुआ समापन

▸ खेलकूद आधारित गतिविधियों से जल्दी सीखते हैं बच्चे: बीईओ

समृद्धि न्यूज, निगोही, शाहजहांपुर।

ब्लाक संसाधन केंद्र निगोही पर चल रहे पाँच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का समापन हो गया। प्रशिक्षण का संचालन दो हाल में 50-50 के बैच में किया गया। एआरपी ब्रिजेश कुमार, सिकंदर अली, खुशीराम, महेश गौतम, सुरेन्द्र कुमार ने संदर्भदाता के रूप में प्रशिक्षण दिया गया। सन्दर्भदाता ब्रिजेश कुमार के द्वारा पाँच दिवसीय प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं निपुण भारत मिशन पर प्रकाश डाला।खण्ड शिक्षा आधिकारी रमेश पंकज जी के द्वारा ब्लॉक में निपुण भारत मिशन के क्रियान्वन एवं जल्द ही निगोही ब्लाक को निपुण ब्लाक बनाने के बारे में चर्चा की गई।प्रशिक्षण में बच्चों को खेलकूद आधारित गतिविधियां कराते हुए मनोरंजक तरीके से शिक्षण करने का सुझाव दिया गया।शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता के रूप में कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।प्रशिक्षण का ऑनलाइन अनुश्रवण सिमेट प्रयागराज द्वारा की जाने की व्यवस्था दोनों हाल में की गई।संदर्भदाताओं द्वारा प्रशिक्षण में बताया गया 22 सप्ताह कार्यक्रम का विद्यालयों में किस प्रकार संचालन करना है और कक्षा 1-3 हेतु निर्धारित निपुण लक्ष्यों को प्राप्त करना एवं कक्षा 4 में एनसीईआरटी आधारित नवीन पाठ्यपुस्तक पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। प्रशिक्षण में विभिन्न सत्रों के माध्यम से चर्चा एवं गतिविधियां कराई गई।राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री महेन्द्र सिंह ने कहा कि इस प्रशिक्षण से सभी शिक्षक लाभान्वित हुए हैं एवं विद्यालयों में इसका पूर्ण रूप से उपयोग किया जाएगा एवं ब्लाक को जल्द ही सभी के सहयोग से निपुण ब्लाक बनाया जायेगा। प्रशिक्षण में वेदराम, जीशान सिद्दीकी, सुनील कुमार, शिखा राठौर, आमरा इक़बाल, आशीष बाजपेई, विपिन कुमार, प्रदीप मिश्रा, जैमेंद्र यादव, रामगोपाल, शिशुपाल, रचना, माला राजपूत, रामकृपाल, रामबहादुर सहित तमाम शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

पवित्र नगरी में ओयो होटल के विरोध में उतरीं महिलाएं, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

परशुरामपुरी, शाहजहांपुर। जलालाबाद क्षेत्र के शाहजहांपुर रोड स्थित यमुना सिटी के मुख्य गेट पर हाल ही में खुले एक ओयो होटल को लेकर स्थानीय महिलाओं और सामाजिक संगठनों में भारी आक्रोश व्याप्त है। होटल में कथित रूप से अनैतिक गतिविधियों और देह व्यापार की आशंका जताते हुए महिला अधिवक्ताओं व किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता को ज्ञापन सौंपकर इसे तत्काल बंद कराने की मांग की है। नाबालिग बच्चियों और महिलाओं के भविष्य को लेकर चिंता महिला अधिवक्ता अनुराधा अवस्थी, भारतीय किसान यूनियन की जिलाध्यक्ष मालती कश्यप तथा राष्ट्रवादी जनलोक पार्टी की जिलाध्यक्ष प्रतिभा अग्निहोत्री के नेतृत्व

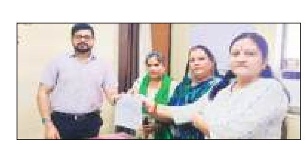

में महिलाओं का एक प्रतिनिधिमंडल तहसील कार्यालय पहुंचा। उन्होंने उपजिलाधिकारी मधुसूदन को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि ओयो होटल खुलने से क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। होटल की आड़ में नाबालिग स्कूली बच्चियों, युवतियों और महिलाओं के साथ देह व्यापार जैसे अनैतिक कार्यों को बढ़ावा मिलने की गंभीर आशंका है। यमुना सिटी के मुख्य द्वार पर होटल खुलने से परिवार चिंतित नेत्रियों ने कहा कि परशुरामपुरी एक पवित्र नगरी है और यहां इस प्रकार के अनैतिक कार्यों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यमुना सिटी एक आवासीय कॉलोनी है, जहां कई परिवार, छोटे बच्चे और युवतियां रहती हैं। मुख्य द्वार पर ही होटल खुल जाने से वहां रहने वाली महिलाओं और बच्चियों के मानस पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कार्रवाई न होने पर हाईवे जाम करने की चेतावनी ज्ञापन के माध्यम से चेतावनी दी गई है कि यदि प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए होटल को तुरंत प्रभाव से बंद नहीं कराया, तो सभी महिलाएं सड़कों पर उतरने को बाध्य होंगी। मांग पूरी न होने पर शाहजहांपुर रोड स्थित यमुना सिटी के सामने हाईवे पर चक्का जाम किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी। उपजिलाधिकारी ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए मामले की जांच कराकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य मैत्री सम्मेलन में जनपद के चर्चित कवि डॉ. इन्दु अजनबी आमंत्रित

शाहजहांपुर। भूटान में आयोजित हो रहे भूटान–नेपाल–भारत अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य मैत्री सम्मेलन में जनपद के चर्चित कवि, गीतकार व मंच संचालक डॉ इन्दु अजनबी को आमन्त्रित किया गया है। भूटान की राजधानी थिंफू में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में तीनों देशों के साहित्यकार प्रतिभाग करेंगे। 16 सितम्बर से 21 सितम्बर 2026 तक आयोजित होने वाले आयोजन में डॉ अजनबी काव्यपाठ के साथ ही दो सत्रों का संचालन भी करेंगे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ हरेन्द्र हर्ष ने उन्हें आमन्त्रित किया है। ज्ञातव्य हो कि डॉ अजनबी इससे पूर्व भी नेपाल के काठमांडू में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। दर्जनों सम्मानों से सम्मानित कवि डॉ इन्दु अजनबी की कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं जिसमें से काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित पुस्तक 'शत शत नमन काकोरी' का विमोचन प्रख्यात अभिनेत्री जया बच्चन ने तथा कोरोना काल में अस्पताल में लिखी गई उनकी पुस्तक 'ज़िंदिगी की ओर' का विमोचन उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मन्त्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा किया गया। इसके साथ ही महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत सैकड़ों कार्यक्रमों का सफल मंच संचालन कर चुके हैं । आज भी मंचों पर संचालन के पर्याय के रूप में जाने जाते हैं। देश के अनेकों प्रतिष्ठित मंचों पर अपनी कविताओं का जादू बिखेर चुके डॉ अजनबी, नगर निगम शाहजहाँपुर के ब्राण्ड एंबेसडर भी हैं। उनके द्वारा रचित शाहजहाँपुर गौरव गीत, स्वच्छता अभियान गीत व मतदाता जागरूकता अभियान गीत विभिन्न अभियानों के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनकी इस उपलब्धि पर अनेकों साहित्यकारों ने हर्ष व्यक्त किया है।

करणी सेना ने प्रदर्शन कर 26 दिन से लापता किशोर का पता लगाए जाने की मांग की

समृद्धि न्यूज, मिर्ज़ापुर, शाहजहांपुर।

करणी सेना के जिलाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ थाने पर प्रदर्शन कर बीती 13 अगस्त को ढाईघाट गंगातट से लापता 17 वर्षीय किशोर आक्रोश का शीघ्र पता लगाए जाने की मांग थानाध्यक्ष मिर्जापुर से की। थानाध्यक्ष ने शीघ्र ही लापता किशोर का पता लगाने का आश्वासन दिया है। करणी सेना के जिलाध्यक्ष ने दर्जनों कार्यकर्ताओं के साथ मिर्ज़ापुर थाने में प्रदर्शन करते हुए कहा कि विगत 13 अगस्त को क्षेत्र के ग्राम भौंती निवासी रामपाल सिंह का 17 वर्षीय पुत्र आक्रोश गांव के लोगों के साथ ढाईघाट में जलाभिषेक के लिए गंगाजल भरने गया था,अचानक लापता हो गया। जिलाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने रोष व्यक्त करते हुए थानाध्यक्ष मनोज कुमार से कहा कि लापता किशोर के पिता रामपाल सिंह ने गांव के ही लोगों पर पुत्र को गायब करने का आरोप लगाते हुए थाने में नामजद तहरीर दी थी। पुलिस ने तहरीर पर किशोर को गायब करने वालों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करने के बजाय किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर पल्लू झाड़ लिया। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने लापता किशोर का पता लगाने के प्रयास नहीं किया। जिससे परिवार के लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। पीड़ित पिता ने बेटे का सुराग लगाने के लिए थाने के चक्कर काटने के बाद करणी सेना के प्रदेश महामंत्री ठाकुर ओमवीर सिंह राठौर से शिकायत की। करणी सेना के प्रदेश महामंत्री के निर्देश पर संगठन के जिलाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह के नेतृत्व में आज करणी सेना के दर्जनों कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए मिर्ज़ापुर थाने पहुँचे और लापता किशोर आक्रोश का शीघ्र पता लगाए जाने की मांग की। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने लापता किशोर का शीघ्र पता लगाए जाने का आश्वासन देकर उत्तेजित कार्यकर्ताओं को शांत किया। थाने पर प्रदर्शन करने वालों में करणी सेना के प्रदेश महामंत्री ठाकुर ओमवीर सिंह राठौर, जिलाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह, जगवीर सिंह, राजन रघुवंशी, संजय सिंह, राजीव कुमार, अभिषेक परमार, विक्रम सिंह, पिंटू मिश्रा, अजय कुमार, सुमित चंदेल, रवि परमार, राजन, सचिन चौहान हलधर सिंह, ईशू रघुवंशी, रक्षपाल सिंह, तनुज तोमर आदि बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेडिकल रिंबर्समेंट के भुगतान में देरी पर पेंशनर्स में आक्रोश

▸ डेढ़ साल से लंबित हृदय शल्य चिकित्सा के बिल का मामला बैठक में उठा

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स सेवा संस्थान की मासिक बैठक शुक्रवार को कोषागार स्थित पेंशनर्स कक्ष में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता विजय शंकर पांडेय ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री सत्य प्रकाश तिवारी ने किया। बैठक में पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके समाधान की मांग की गई। बैठक में मेडिकल रिंबर्समेंट के भुगतान को समयबद्ध तरीके से कराने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त संग्रह अमीन संतोष कुमार दीक्षित का मामला प्रमुखता से उठाया गया। बताया गया कि उनके हृदय की शल्य चिकित्सा के करीब डेढ़ साल पुराने बिल तीन चिकित्सकों के पैनल से स्वीकृति मिलने के बावजूद अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कार्यालय में भुगतान के लिए लंबित हैं। पेंशनर्स ने कहा कि विभिन्न विभागों के ऐसे अनेक बिल भी वर्षों से लंबित पड़े हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि पेंशनर्स को समय पर उनका पैसा नहीं मिलेगा और भुगतान से पहले ही उनका निधन हो जाएगा तो ऐसे भुगतान का क्या औचित्य रह जाएगा। संगठन ने इस मामले को उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाकर तत्काल निस्तारण कराने की मांग की। बैठक में पेंशनर्स को 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पर क्रमशः 5, 10 और 15 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन देने, कोविड काल में रोकी गई 18 माह की महंगाई राहत का भुगतान करने, परिवहन एवं नगर निगम बसों के किराए में छूट देने तथा गन्ना शोध परिषद के पेंशनर्स को पूर्व की भांति पूर्ण पेंशन दिए जाने की मांग उठाई गई। इसके अलावा रोगों की रोकथाम के लिए दवाओं का दैनिक छिड़काव, बैंकों एवं अस्पतालों में पेंशनर्स के लिए पृथक काउंटर की व्यवस्था, अपर निदेशक बरेली द्वारा स्वीकृत प्राधिकार-पत्र की प्रति सीधे पेंशनर्स को उपलब्ध कराने, सेवानिवृत्त शिक्षकों को नोशनल इंक्रीमेंट देने और पेंशन राशिकरण की अवधि 15 वर्ष से घटाकर 11 वर्ष किए जाने की मांग की गई। पेंशनर्स ने रेलवे में मिलने वाली छूट की सुविधा बहाल करने, नियमित कर्मचारियों की भांति समय से महंगाई राहत जारी करने तथा वित्त विधेयक 2025 में पेंशन से जुड़े प्रतिगामी संशोधनों को तत्काल समाप्त करने की भी मांग सरकार से की। इस अवसर पर पवन कुमार सिंह ने पेंशनर्स को योग के माध्यम से दिनचर्या एवं खान-पान को व्यवस्थित रखने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। अंत में अध्यक्ष विजय शंकर पांडेय ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकता बनाए रखने की अपील की। बैठक में राजेश चंद्र शुक्ला, सत्य प्रकाश तिवारी, रवि शर्मा, चंद्र प्रकाश मिश्रा, हर प्रसाद पाण्डेय, रामेंद्र मिश्रा, पवन कुमार सिंह, विमलेश बाजपेई, उमेश चंद्र अवस्थी, मालती देवी, विजय लक्ष्मी दीक्षित, मीना कुमारी, आशुतोष जौहरी, सत्य देव कश्यप, सत्य देव शुक्ला, मुन्ना लाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स मौजूद रहे।

मिर्ज़ापुर क्षेत्र में गंगा की बाढ़ का कहर जारी

जलालाबाद-ढाईघाट हाइवे पर चल रही नाव

▸ रामगंगा का जलस्तर स्थिर हो जाने से तटवर्ती गांवों के ग्रामीणों को राहत

समृद्धि न्यूज, मिर्ज़ापुर, शाहजहांपुर।

गंगा के खादर में गंगा की बाढ़ का कहर जारी है। वहीं रामगंगा के तटवर्ती गांवों के ग्रामीणों के अनुसार रामगंगा का जलस्तर स्थिर हो गया है। गंगा की बाढ़ लगातार बढ़ने से जलालाबाद-ढाईघाट, शमशाबाद बिधूना स्टेट हाइवे पर ग्राम चौंरा के निकट बाढ़ का पानी तीन फिट से भी अधिक हो जाने पर दुपहिया और छोटे चार पहिया वाहनों का आवागमन बंद हो गया है। आसपास के ग्रामीण जरूरतमंद दुपहिया वाहनों को बैलगाड़ी और नाव से पार करवा रहे हैं। इसी तरह चौंरा-इस्लामनगर, बसोला नगरा संपर्क मार्ग कई जगह बाढ़ में बह जाने से यातायात बाधित हो गया है। गंगा की बाढ़ का पानी पैलानी उत्तर,कटैला नगला,मस्जिद नगला,आजाद नगर, इस्लामनगर की सड़कों और गलियों में बह रहा है। ग्राम पंचायत भरतपुर, गुटेटी उत्तर के मजरों में भी बाढ़ ने दस्तक दे दी है। प्रशासन ने बाढ़ग्रस्त गांवों में आवागमन के लिए नाव उपलब्ध करवा दी हैं। फिलहाल अभी तक बाढ़ ने किसी ग्रामीण के घर में प्रवेश नहीं किया है। जिससे प्रशासन और ग्रामीण फिलहाल राहत महसूस कर रहे हैं। रामगंगा के जलस्तर के स्थिर हो जाने से जरियनपुर - मौजमपुर संपर्क मार्ग पर ग्राम देवनगर के समीप बह रहा बाढ़ का पानी कुछ कम हुआ है। जबकि जरियनपुर की दलित बस्ती में बाढ़ का पानी ज्यों का त्यों भरा हुआ है। मिर्ज़ापुर कस्बे के आसपास बह रहा रामगंगा की बाढ़ का पानी भी स्थिर है। जलभराव से फिलहाल धान की फसल को कोई खास नुकसान नहीं हुआ है। जिससे ग्रामीण राहत महसूस कर रहे हैं।

लकी ड्रॉ. से तीन कृषकों को विधायक ने भेंट किए कृषि यंत्र व टीवी

तिलहर- शाहजहांपुर। मुख्यमंत्री कृषक योजना के तहत विधायक सलोना कुशवाहा ने मंडी समिति सचिव शिवेंद्र प्रताप सिंह के सानिध्य में लकी ड्रा में चयनित हुए तीन कृषकों को उपहार व अग्निकांड से पीड़ित तीन कृषकों को मुआवजे के चेक वितरित किए। मंगलवार को दोपहर करीब साढ़े बारह बजे नवीन मंडी स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक सलोना कुशवाहा पहुंची। यहां उन्होंने सर्व प्रथम मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के तहत वर्ष 2024 के लकी ड्रा में चयनित गांव सियूरा के कृषक सतनाम सिंह पुत्र मलकीत सिंह को चार हॉर्स पॉवर डीजल इंजन सहित पॉवर डिवेन हार्वेस्टर, गांव गोपालपुर नगरिया के कृषक बलदेव सिंह पुत्र गोपाल सिंह को पॉवर स्प्रेयर तथा कृषक इशवार पुत्र इस्लाम को 43 इंच का स्मार्ट टीवी भेंट किया। इसी क्रम में. मुख्यमंत्री खेत खलिहान अग्निकांड दुर्घटना योजना के अन्तर्गत गांव खिरिया माल के कृषक विहारी पुत्र ललतू व रामेश्वर पुत्र बनवारी को 30–30 हजार रुपये और सुरेंद्र सिंह को 3240 रुपये के चेक वितरित किए। कार्यक्रम में मंडी समिति स्टाफ मौजूद रहा।

सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक होगा आयोजित

- राज्य के 10 व केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य आयोजित होगा सेवा संकल्प अभियान

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

राज्य सरकार के 10 वर्ष एवं केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत रक्तदान, स्वच्छता, वृक्षारोपण, दिव्यांग कल्याण, बाल प्रतिभा सम्मान और गरीब कल्याण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आयोजित करने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के निरंतर सेवाकाल की प्रमुख कल्याणकारी उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने के साथ ही प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। अभियान के दौरान कुल 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 17 सितंबर को 'आशीर्वाद दीया' कार्यक्रम के तहत प्रत्येक गांव में घरों के बाहर एक स्थान पर 100-100 दीये, नगर निकायों में 400 से 500 तथा नगर निगम क्षेत्र में हनुमत धाम पर 11 हजार आशीर्वाद दीये जलाए जाएं। इसके अलावा प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, नदी घाट, प्रमुख मंदिर, पार्क, विद्यालय, महाविद्यालय और चिकित्सालयों में भी

विशेष दीप प्रज्वलन कराया जाए।

25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत' कार्यक्रम 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इसके तहत विद्यालयों में भाषण प्रतियोगिता, ड्राइंग एवं प्रदर्शनियों का आयोजन होगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में युवाओं से संवाद तथा 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। नमो सेवा गाथा' के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर सामुदायिक केंद्रों, विद्यालयों और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक एवं मंचन के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। आंगन उत्सव' 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित होगा। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सार्वजनिक सम्मान करने के साथ मातृ एवं शिशु पोषण, स्वास्थ्य तथा महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाई जाएगी। कहानी बदलाव की' डिजिटल रील अभियान के तहत सरकारी योजनाओं से जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लाभार्थियों की वास्तविक कहानियां सामने लाई जाएंगी। 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक नागरिकों को 25 सेवा कार्यों में से किसी एक से जुड़कर समाजसेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। सेवा सेतु सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत विकासखंड स्तर पर सात दिवसीय शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाए बिना मौके पर ही विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना होगा। रंगोली घर घर से राष्ट्र तक' अभियान में संकल्प की रंगोली के माध्यम से प्रधानमंत्री की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों और विकसित भारत के सपने को प्रदर्शित किया जाएगा। राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज के माध्यम से युवाओं, विद्यार्थियों, स्टार्टअप, प्रोफेशनल, कॉर्पोरेट, इनोवेटर्स और जमीनी स्तर पर नए समाधान विकसित करने वाले लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' में इन्फ्लुएंसर्स कनेक्ट, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी यात्रा में जल-नल एवं सेवा संकल्प तथा जन सेवा महाकुंभ जैसे कार्यक्रम भी अभियान का हिस्सा होंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर सरकारी योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल औपचारिक आयोजन न होकर व्यापक जनभागीदारी और जनसेवा का माध्यम बने। सभी अधिकारी अपने अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए कार्यक्रमों को सफल बनाएं। बैठक में नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी ऋषिपाल सिंह, परियोजना निदेशक अवधेश राम, डीसी मनरेगा यशोवर्धन सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूली छात्रा ने युवक पर लगाया छेड़छाड़ का आरोप

मोहम्मदी, लखीमपुर। क्षेत्र के एक गांव में स्कूल से पढ़ाई कर घर वापस लौटते समय एक छात्रा ने गांव के युवक पर रास्ते में जबरन रोककर छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने के प्रयास करने का आरोप लगाया है। शोर गुल मचाने पर आरोपी भाग निकला पीड़िता के शिकायत करने पर आरोपी के परिजनों ने जान से मार डालने की धमकी देकर भगा दिया है। एक छात्रा स्कूल से छुट्टी के बाद ऑटो से घर वापस लौट रही थी कीचड़ के चलते ऑटो चालक ने गांव के बाहर उतार दिया जहां से पैदल घर जाते समय गांव के एक युवक ने जबरन रास्ते में घेरकर छेड़छाड़ कर दुष्कर्म का प्रयास करने लगा था अपने बचाव में पीड़िता ने शोरगुल मचाया जिससे उसे छोड़कर भाग निकला था पीड़िता ने मामले की शिकायत 1090 पर की है। कार्रवाई न होने पर कोतवाली में आरोपी के खिलाफ शिकायती पत्र दिया है। पुलिस ने मामले में 20 घंटा बीत जाने के बाद भी कार्रवाई न करने पर पीड़िता के परिजनों पर जबरन सुलह समझौते का दबाव बनाया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लगेगा विशेष स्वास्थ्य शिविर

- 12 को बनेंगे आयुष्मान गोल्डन कार्ड
- दिव्यांग प्रमाणपत्र समेत मिलेंगी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर 12 सितंबर को कचहरी प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। शिविर में पात्र लोगों को आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड, दिव्यांग प्रमाणपत्र समेत विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोगी भूमिका निभाएगी।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के तहत शिविर सुबह 9 बजे से शुरू होगा। इसमें पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड बनाए एवं वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाने व वितरण, नियमित टीकाकरण तथा स्वास्थ्य विभाग से संबंधित बीमा योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। शिविर की तैयारियों को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में बैठक हुई। शिविर के नोडल अधिकारी एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश सिंह ने व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम शिविर में मौजूद रहेगी और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन भी करेगी। रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय जौहरी ने कहा कि रेड क्रॉस का मूल उद्देश्य मानव सेवा है। राष्ट्रीय लोक अदालत जैसे जनहितकारी आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना संस्था की सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि रेड क्रॉस की टीम शिविर को सफल बनाने में हरसंभव सहयोग करेगी। बैठक में रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य अवनीश सक्सेना, ओम दिव्यांग जन कल्याण समिति के प्रतिनिधि बाल किशन पांडेय, बृजेश गुप्ता, रामस्वरूप गुप्ता, रामकुमार, बिमला देवी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग ने पात्र एवं जरूरतमंद लोगों से 12 सितंबर को सुबह 9 बजे कचहरी प्रांगण पहुंचकर शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। बैठक में शिविर को प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां व महिला कल्याण विभाग के लाभार्थी सम्मानित

- शाहजहांपुर में 29.11 करोड़ रुपये की धनराशि लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित
- उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

समृद्धि न्यूज, शाहजहांपुर।

अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, मेधावी बच्चों और पोषण, शिक्षा एवं महिला कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अधीक्षिकाओं के सम्मान तथा नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मंगलवार को अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की मौजूदगी में देखा गया। इस दौरान जनपद शाहजहांपुर में आईसीडीएस विभाग से संबंधित पांच और महिला कल्याण विभाग से संबंधित पांच उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत कुल 29.11 करोड़ रुपये की धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए स्वयं के भवन उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित और संरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां घर-घर जाकर बच्चों और महिलाओं के कल्याण के लिए काम कर रही हैं और शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए स्मार्टफोन, पांच लाख रुपये तक का कैशलेस हेल्थ कार्ड और साड़ी के लिए निर्धारित धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास, सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत पात्र बालिकाओं को छह चरणों में कुल 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। योजना में ऑनलाइन आवेदन कराने में सहयोग करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रति आवेदन 50 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत पति की मृत्यु के बाद पात्र 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये पेंशन दी जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत अभिभावक की मृत्यु के बाद पात्र बच्चों को 2,500 रुपये प्रतिमाह प्रति बच्चा आर्थिक सहायता दी जाती है। दो पात्र बच्चों की स्थिति में यह राशि पांच हजार रुपये प्रतिमाह हो जाती है। अधीक्षिकाओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को सम्मानित किया गया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

वेतन कटौती के विरोध में डीएम से मिले सीएचओ

- आंदोलन तेज करने की चेतावनी

लखीमपुर खीरी। वेतन में की गई कटौती और लंबित भुगतान की मांग को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर में पिछले चार दिनों से धरना दे रहे सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) ने मंगलवार को जिलाधिकारी से मुलाकात की। सीएचओ यूनियन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप कर समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। यूनियन के जिला अध्यक्ष सोहन सिंह, जिला महिला अध्यक्ष अनुपम राजवंशी और जिला महामंत्री विश्वजीत यादव के नेतृत्व में पहुंचे सीएचओ ने बताया कि सीएमओ कार्यालय द्वारा उनके वेतन में अनुचित रूप से कटौती की गई है। कटे हुए वेतन के भुगतान समेत अन्य लंबित भुगतानों को लेकर कई बार सीएमओ कार्यालय को पत्र देकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट और ठोस आश्वासन नहीं मिला सीएचओ के मुताबिक तीन सितंबर से सभी कार्यदिवसों में सीएमओ कार्यालय परिसर में धरना जारी है। सात सितंबर से मांगों को लेकर 24 घंटे का धरना भी शुरू किया गया है। लगातार चार दिनों से आंदोलन के बाद मंगलवार को प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलने पहुंचा और ज्ञापन देकर जल्द कार्रवाई की मांग की। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो सीएचओ अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री अथवा उपमुख्यमंत्री (स्वास्थ्य मंत्री) का घेराव करने के लिए विवश होंगे। इसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

स्वाइन फ्ल्यू से घबराएं नहीं, जागरूकता से थमेगा संक्रमण का खतरा

- डीएम बोले- हर व्यक्ति की सतर्कता बनेगी बीमारी के खिलाफ मजबूत ढाल

समृद्धि न्यूज, लखीमपुर खीरी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के तत्वावधान में H1N1 एवं इन्फ्लुएंजा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा आमजन को संक्रमण से बचाव, प्रारंभिक लक्षणों की पहचान एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के प्रति सजग करने के उद्देश्य से एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डीएम अंजनी कुमार सिंह ने प्राचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ वाणी गुप्ता, सीएमएस डॉ आरके कोली और आईएमए पदाधिकारियो डॉ. अखिलेश वर्मा, डॉ. मनोज शर्मा डॉ. पवन वर्मा के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि बीमारियों से बचाव के लिए जन-जन का जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। स्वाइन फ्ल्यू जैसी बीमारियों को रोकने के लिए यदि प्रत्येक नागरिक सतर्क और जागरूक हो जाए, तो स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन का काम बहुत आसान हो जाता है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अन्य विभागीय कर्मियों को जागरूक व संवेदनशील बनाने की आवश्यकता है, जिससे गांव-गांव तक सही जानकारी पहुंच सके। कार्यक्रम में मौजूद नर्सिंग प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान ही सबसे बड़ी शक्ति है। आज अर्जित किया गया यह अनुभव उनके आने वाले करियर में बेहद लाभप्रद सिद्ध होगा। डीएम ने आईएमए की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था हमेशा सामाजिक सरोकारों और जन-स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर बढ़-चढ़कर कार्य करती रही है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. वाणी गुप्ता ने बताया कि जिला अस्पताल में फीवर ओपीडी संचालित है, जहां पिछले एक सप्ताह में एक हजार से अधिक मरीज पहुंचे। प्रतिदिन 20 से 40 मरीज बुखार के आ रहे हैं, जो उपचार के बाद तीन-चार दिन में स्वस्थ हो रहे हैं। अस्पताल में पर्याप्त दवाएं, जांच और चिकित्सकीय टीम उपलब्ध है। उन्होंने लोगों से घबराने के बजाय भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क लगाने और सावधानी बरतने की अपील की। कार्यक्रम की शुरुआत में आईएमए सचिव डॉ मनोज शर्मा ने कार्यक्रम की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताईं।

परिवार रजिस्टर में 'खेल' का खुलासा, सीडीओ ने सचिव को किया निलंबित

लखीमपुर खीरी। सरकारी अभिलेखों में अनियमितता की शिकायत पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई की। परिवार रजिस्टर में बाहरी महिला का नाम बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के दर्ज किए जाने और फर्जी नकल जारी करने के मामले में सीडीओ ने संबंधित अभिलेख तलब कराए। सत्यापन में अनधिकृत एंट्री की पुष्टि होने पर ग्राम पंचायत सचिव मनोज यादव को निलंबित कर दिया गया। सीडीओ ने प्रकरण की विस्तृत जांच के भी निर्देश दिए हैं, जिससे अभिलेख में हुई अनियमितता की पूरी कड़ी सामने आ सके। मामला ग्राम कादीपुर के मजरा सफियापुर का है। यहां निवासी अरविंद कुमार ने सीडीओ अभिषेक कुमार के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार रजिस्टर में एक महिला को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बिना सक्षम स्तर की स्वीकृति के गलत एंट्री की गई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, परिवार रजिस्टर की इसी प्रति का इस्तेमाल न्यायालय में भी लाभ लेने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

शिकायत मिलते ही अभिलेख तलब, सत्यापन में सामने आई अनधिकृत एंट्री: प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सीडीओ ने संबंधित कर्मचारी को अभिलेख सहित कार्यालय में तत्काल तलब किया। अभिलेखों के सत्यापन में परिवार रजिस्टर में बाहरी महिला की एंट्री किए जाने का तथ्य सामने आया। बताया गया कि दर्ज महिला के आधार कार्ड में परिवार रजिस्टर में भिन्नता है। नकल जो जारी की गई थी उसमें भी तथ्यों के साथ हेराफेरी पाया गया। प्रथमदृष्टया अनियमितता सामने आने पर ग्राम पंचायत सचिव मनोज यादव को निलंबित कर दिया गया।

अब खंगाली जाएगी पूरी प्रक्रिया, अन्य भूमिका भी जांच के दायरे में: सीडीओ ने मामले की विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। जांच में परिवार रजिस्टर में एंट्री की प्रक्रिया, संबंधित अभिलेखों के आधार और उसके बाद प्रति के उपयोग सहित पूरे प्रकरण की पड़ताल की जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि अनियमित एंट्री में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका रही या नहीं।

लगातार दूसरी कार्रवाई नहीं, तीसरी कार्रवाई की ओर बढ़ता प्रशासन का सख्त रुख: बताते चलें कि सीडीओ अभिषेक कुमार हाल ही में दो अन्य ग्राम पंचायत सचिवों को भी निलंबित कर चुके हैं। लगातार हो रही कार्रवाई से सरकारी अभिलेखों और पंचायत स्तर के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के बीच सख्त संदेश गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी अभिलेखों में किसी भी प्रकार की अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा और जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई होगी।

पूरनपुर में नाबालिग तमंचे के साथ पकड़ा गया

पीलीभीत। अपराध पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरनपुर पुलिस ने एक नाबालिग को अवैध तमंचे और कारतूस के साथ पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। कार्रवाई के बाद पुलिस ने नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड/कोर्ट के समक्ष पेश किया। पुलिस के अनुसार, आठ सितंबर को थाना पूरनपुर की टीम क्षेत्र में अपराध की रोकथाम के लिए अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में एक नाबालिग को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर पूरनपुर थाने में आर्म्स एक्ट की धारा 9/25 के तहत मुकदमा संख्या 391/2026 दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग का नाम पूर्व में भी एक मामले में सामने आ चुका है। उसके खिलाफ पूरनपुर थाने में मुकदमा संख्या 390/2026 के तहत धारा 333, 115(2), 352, 351(3) बीएनएस तथा एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में भी मामला दर्ज है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड/न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मंजीत कुमार, हेड कांस्टेबल रोशनलाल, कांस्टेबल संजू कुमार और कांस्टेबल विनय कुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अपराध एवं अवैध हथियारों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

मछली दुकानदारों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लखीमपुर खीरी। नगर के बबौरी मार्केट में मछली की दुकानें लगाने पर लगी रोक को लेकर मंगलवार को मछली विक्रेताओं ने क्रांति कुमार सिंह के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी राजेश प्रताप सिंह को ज्ञापन सौंपा, दुकानदारों ने रोक हटाकर पूर्व की भांति व्यापार करने की अनुमति देने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि मछली विक्रेताओं की आजीविका इस व्यापार पर निर्भर है। यदि उन्हें निर्धारित स्थान पर दुकानें लगाने की अनुमति नहीं दी गई तो उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।वही मिली जानकारी के अनुसार वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के व्यक्ति ने प्रस्तावित मछली बाजार का विरोध

किया है। उनका कहना है कि बबौरी मार्केट के आसपास पर्याप्त स्थान उपलब्ध नहीं है, जिससे बाजार लगने पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। विरोध करने वालों का आरोप है कि यह क्षेत्र स्टेट हाईवे से जुड़ा होने के कारण यहां अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है और मछली का खुले में व्यापार होने से स्वच्छता एवं दुर्गंध की समस्या भी उत्पन्न होती है, ज्ञापन देते समय मछली व्यापारियों सहित समाजवादी पार्टी के नेता क्रांति कुमार सिंह नगर अध्यक्ष इकरार खा, अभिषेक पाडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नकटादाना चौराहे पर बुलडोजर चला, 12 दुकानें ध्वस्त

- पालिका ने बताया जर्जर व लीज अवधि समाप्त

पीलीभीत। नगर पालिका प्रशासन ने मंगलवार सुबह नकटादाना चौराहे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अपनी जमीन पर बनी 12 दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त करा दिया। कार्रवाई के लिए सुबह करीब नौ बजे नगर पालिका की टीम भारी पुलिस बल और बुलडोजर के साथ मौके पर पहुंची। दुकानों को खाली कराने के बाद एक-एक कर निर्माण गिरा दिए गए। कार्रवाई के दौरान प्रभावित दुकानदारों ने विरोध जताते हुए इसे मनमाना और अन्यायपूर्ण बताया। दुकानदारों का कहना था कि नगर पालिका ने ही इन दुकानों को 99 वर्ष की लीज पर आवंटित किया था। दुकानें टूटने से उनके सामने रोजी-रोटी का

संकट खड़ा हो गया है। वहीं नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि दुकानों की लीज अवधि समाप्त हो चुकी थी। पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट में दुकानों को जर्जर बताया गया था। दुकानदारों को प्रतिष्ठान खाली करने के लिए तीन बार विधिवत नोटिस जारी किए गए थे। मौखिक रूप से भी कई बार दुकानें खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन इसके बावजूद दुकानें खाली नहीं की गईं। जिला प्रशासन की अनुमति के बाद नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। ईओ के मुताबिक पुराने निर्माण हटाकर यहां पीपीपी मॉडल के तहत नया वाणिज्यिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स विकसित किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट पीएल मौर्या, सीओ सिटी अमरनाथ वर्मा और ईओ संजीव कुमार समेत पुलिस व पालिका अधिकारी मौजूद रहे। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बीच विरोध के बावजूद कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से पूरी कराई गई। गौरतलब है कि इसी क्षेत्र में इससे पहले नगर पालिका के पुराने अधिशासी अधिकारी आवास पर भी कार्रवाई की जा चुकी है। उक्त भवन में समाजवादी पार्टी का कार्यालय संचालित हो रहा था, जिसे खाली कराने के बाद बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया था।

साक्षरता दिवस पर डीएम का संदेश, हर निरक्षर तक पहुंचे शिक्षा की रोशनी

- गांधी प्रेक्षागृह में संगोष्ठी आयोजित
- उत्कृष्ट कार्य के लिए पिपरिया अगरु स्कूल को 25 हजार रुपये पुरस्कार की घोषणा

समृद्धि न्यूज, पीलीभीत।

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर मंगलवार को गांधी स्टेडियम स्थित प्रेक्षागृह में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने शिक्षकों और साक्षरता से जुड़े वॉलिंटियर्स का आह्वान किया कि जिले की साक्षरता दर बढ़ाने के लिए विद्यालयों तक सीमित न रहकर समाज के असाक्षर लोगों को भी शिक्षित करने की जिम्मेदारी निभाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी शिक्षकों की है, लेकिन इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में यदि कोई महिला या पुरुष निरक्षर है तो उसे भी साक्षर बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल व्यक्तिगत विकास का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव है। शिक्षक विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के साथ उनमें राष्ट्रभावना और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करें। उन्होंने शिक्षकों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने की अपील की। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय पिपरिया अगरु की प्रधानाध्यापक सैयदा को शासन की ओर से भेजा गया शुभकामना संदेश सौंपा। उन्हें स्मृति चिह्न, प्रमाण पत्र और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय के पूरे स्टाफ की मौजूदगी में जिलाधिकारी ने विद्यालय को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा भी की। घोषणा होते ही प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और शिक्षकों ने जिलाधिकारी के निर्णय की सराहना की। डीआईओएस विजय सिंह यादव ने कहा कि शिक्षक को यूं ही राष्ट्र निर्माता नहीं कहा जाता। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ उनमें संस्कार और जीवन मूल्यों का भी विकास करता है। वहीं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने कहा कि इस वर्ष विभाग का लक्ष्य प्रत्येक विद्यालय को निपुण बनाने का है। इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। बीएसए ने शिक्षकों से कहा कि विद्यालय से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या को वह उनके संज्ञान में लाएं। समस्याओं का पारदर्शिता के साथ समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार सिंह समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और साक्षरता अभियान से जुड़े वॉलिंटियर्स मौजूद रहे।

सूचना

मैंने अपना नाम RUKHSHI से बदलकर RUKSHI रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। RUKSHI पत्नी Mohd. ARISH मो. चमकनी गड़ीपुरा, शाहजहांपुर।

संबंध विच्छेद

मैंने अपने पुत्र ममित और पुत्रवधू कमला देवी को गलत आचरण के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करके संबंध विच्छेद कर लिए हैं वे अपने कृत्यों के स्वयं जिम्मेदार होंगे। होरी लाल पुत्र बसंत लाल निवासी ग्राम मझिगई, बंडा शाहजहांपुर।

सूचना

पुत्र के आर्मी रिकार्ड में त्रुटिबस मेरा नाम व जन्मतिथि KAMLA DEVI (10 जून 1955)दर्ज है, जबकि सही नाम व जन्मतिथि KAMALA DEVI (01अप्रैल 1952)M/0 आर्मी no 2705904H Hav Dharampal Singh R/0 Vill. Laxmanpur, Po. Navichi, Dist. Shahjahanpur, Pin. 242042 (UP)

सूचना

मेरा नाम आधार कार्ड एवं शैक्षिक दस्तावेज में विमलेश (vimlesh) दर्ज है। जबकि मेरी सेवा पुस्तिका में त्रुटिवश मेरा नाम विमालेश(vimalesh) दर्ज हो गया है। जोकि गलत है। मैं अपना नाम आधार कार्ड एवं शैक्षिक दस्तावेज के अनुसार अपनी सेवा पुस्तिका में विमलेश (vimlesh) दर्ज करवाना चाहता हूं। विमलेश भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल में सिपाही (जीडी) 61वीं वाहिनी लिखावली (अरुणाचल प्रदेश) सर्विस नं. 120482528 है।

NOTICE

I, My son Army No.9427035F, Rank-Hav, name Trilok Singh, presently residing at vill-Naini-Saini, Post-, Naini-Saini, Dist- Pithoragarh, State-Uttarakhand.In my army documents my name wrongly mentioned my name is LAKSHMAN SINGH and date of birth 01/01/1975 while correct name is LAXMAN SINGH and date of birth is 06/09/1769. for all future purposes.

अब जीवन भी बेहतर हो

भारत की अर्थव्यवस्था के लिए वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली खबर है। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की तेज आर्थिक वृद्धि देश की मजबूत होती आर्थिक क्षमता का संकेत देती है। सरकार के लिए यह उपलब्धि बताने का अवसर है और विपक्ष के लिए आंकड़े के दूसरे पहलुओं पर सवाल उठाने का। लेकिन इन राजनीतिक बहसों से अलग आम नागरिक के लिए सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि इस आर्थिक वृद्धि का असर उसके जीवन पर कितना पड़ रहा है। जीडीपी यानी सकल घरेलू उत्पाद को आसान भाषा में समझें तो यह एक निश्चित अवधि में देश में पैदा हुई वस्तुओं और उपलब्ध कराई गई सेवाओं के कुल मूल्य को दर्शाता है। इसमें 7.8 प्रतिशत की वृद्धि का अर्थ है कि देश की आर्थिक गतिविधियां तेज हुई हैं। यह अच्छी बात है। अर्थव्यवस्था का बढ़ना निवेश, उत्पादन और कारोबार के लिए बेहतर माहौल का संकेत देता है। इससे सरकार के पास विकास कार्यों के लिए अधिक संसाधन भी उपलब्ध हो सकते हैं। लेकिन यहीं यह समझना जरूरी है कि जीडीपी देश की आर्थिक सेहत का एक महत्वपूर्ण पैमाना है, पूरी सेहत का प्रमाणपत्र नहीं। किसी परिवार की कुल आय बढ़ जाए तो केवल इस आधार पर यह नहीं कहा जा सकता कि परिवार पहले से अधिक खुशहाल हो गया है। अगर उसी अवधि में महंगाई बढ़ जाए, रोजगार का संकट बना रहे और इलाज तथा शिक्षा का खर्च बढ़ता जाए तो बढ़ी हुई आय का लाभ सीमित हो सकता है। देश की अर्थव्यवस्था के साथ भी यही स्थिति है। इसलिए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि का स्वागत करते हुए हमें दूसरे आर्थिक संकेतकों पर भी नजर रखनी चाहिए। महंगाई कितनी है, रोजगार के अवसर कितने बढ़े हैं, लोगों की वास्तविक आय में कितना सुधार हुआ है, छोटे कारोबार और किसानों की स्थिति कैसी है और रुपये की स्थिति क्या है–इन सवालों के जवाब भी आर्थिक तस्वीर को समझने के लिए जरूरी हैं। भारत की अर्थव्यवस्था के सामने ऊर्जा सुरक्षा भी बड़ी चुनौती है। देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। दुनिया में युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो उसका असर परिवहन से लेकर खाद्य वस्तुओं तक की कीमतों पर पड़ सकता है। ऐसे में तेज जीडीपी वृद्धि के बावजूद महंगाई आम आदमी की वास्तविक क्रय शक्ति को प्रभावित कर सकती है। इसी तरह विकास का लाभ समाज के अलग-अलग वर्गों तक पहुंचना भी जरूरी है। यदि अर्थव्यवस्था बढ़ रही है लेकिन रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं बन रहे, युवाओं की आय नहीं बढ़ रही, किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल रहा या छोटे व्यापारियों पर लागत का दबाव बढ़ रहा है तो आर्थिक विकास का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। विकास का अर्थ केवल बड़े उद्योग, ऊंची इमारतें, एक्सप्रेसवे और बढ़ता उत्पादन नहीं है। विकास तब सार्थक होगा जब एक सामान्य परिवार को बेहतर शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सुविधा, सुरक्षित वातावरण, स्थायी रोजगार और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध हो। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़े, युवाओं को अपनी क्षमता के अनुरूप अवसर मिलें और गरीब परिवारों की जिंदगी में स्थायी सुधार आए–तभी आर्थिक वृद्धि को वास्तविक प्रगति कहा जा सकेगा।

यह भी ध्यान रखना होगा कि जीडीपी का आंकड़ा देश के भीतर आय और संपत्ति के वितरण की पूरी तस्वीर नहीं बताता। आर्थिक विकास का लाभ यदि सीमित वर्ग तक अधिक पहुंचता है तो असमानता बढ़ सकती है। इसलिए नीति निर्माताओं की चुनौती केवल विकास की रफ्तार बनाए रखना नहीं, बल्कि उसके लाभ को व्यापक बनाना भी है।

भारत जैसे विशाल और विविध देश के लिए 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे आगे बढ़ने का आधार मजबूत होता है। लेकिन इस उपलब्धि को मंजिल मान लेना उचित नहीं होगा। यह यात्रा का एक पड़ाव है। अब चुनौती यह है कि विकास की इस गति को लंबे समय तक बनाए रखा जाए और इसे रोजगार, आय तथा जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार में बदला जाए। आखिरकार अर्थव्यवस्था आंकड़ों के लिए नहीं, लोगों के लिए होती है। जीडीपी बढ़ने पर देश को खुश होना चाहिए, लेकिन उससे भी ज्यादा खुशी तब होगी जब आम नागरिक अपनी जिंदगी में बदलाव महसूस करे। जब किसान की आमदनी बढ़े, युवा को रोजगार मिले, मध्यम वर्ग पर खर्च का दबाव घटे, गरीब परिवार बेहतर सुविधाएं हासिल कर सके और हर नागरिक को भविष्य पहले से अधिक सुरक्षित दिखाई दे–तभी 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि का वास्तविक अर्थ सामने आएगा। इसलिए आज जरूरत केवल यह कहने की नहीं कि भारत कितनी तेजी से बढ़ रहा है, बल्कि यह देखने की भी है कि भारत के साथ भारतीयों का जीवन कितनी तेजी से बेहतर हो रहा है।

दो टूक

बंगाल की शिक्षा-दृष्टि में बड़े बदलाव के संकेत

ललित गर्ग

विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें तो विद्या भारती का शैक्षिक प्रयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक लक्ष्य एक-दूसरे के पूरक दिखाई देते हैं। अंतर यह है कि नीति एक राष्ट्रीय नीति-ढांचा उपलब्ध कराती है, जबकि विद्या भारती जैसा सामाजिक संगठन लंबे समय से विद्यालय स्तर पर मूल्याधारित शिक्षा का अपना प्रयोग करता आया है। इसलिए यदि पश्चिम बंगाल सरकार इस विस्तार को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण, आधुनिक विज्ञान, तकनीक, डिजिटल शिक्षा, कौशल विकास और संवैधानिक मूल्यों के साथ जोड़ती है तो इसका प्रभाव केवल नए विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यालय खोलना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन अच्छे शिक्षक, प्रशिक्षित प्रधानाचार्य, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, खेल सुविधाएं, डिजिटल संसाधन और गुणवत्तापूर्ण पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराना कहीं अधिक कठिन कार्य है। इसलिए इस पहल की सफलता संख्या से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता से मापी जानी चाहिए। यदि नए विद्यालय केवल भवन बनकर रह गए तो लक्ष्य अधूरा होगा; यदि वे अच्छे शिक्षक और अच्छे नागरिक बनाने के केंद्र बनते हैं, तभी यह पहल ऐतिहासिक सिद्ध होगी। यहीं स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के अनेक सरकारी विद्यालय संसाधनों की कमी, शिक्षक-अभाव, आधारभूत सुविधाओं की कमजोरी, तकनीकी पिछड़ेपन और स्थानीय सहभागिता की कमी जैसी समस्याओं से जूझते रहे हैं। सरकार अकेले प्रत्येक विद्यालय की हर आवश्यकता पूरी करे, यह व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं को सरकार के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि सहयोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। विद्या भारती के विस्तार के साथ यह सहयोग एक नया मॉडल विकसित कर सकता है-सरकार आधारभूत संरचना और नियामक सहयोग दे, स्वयंसेवी संगठन शैक्षिक नवाचार, शिक्षक प्रशिक्षण, सामुदायिक भागीदारी और मूल्याधारित कार्यक्रमों में योगदान करें तथा स्थानीय समाज विद्यालय को अपना संस्थान समझकर उसके विकास में सहभागी बने। विद्या भारती के विस्तार के साथ यदि व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण अभियान चलाया जाए, जिसमें भारतीय दर्शन के साथ आधुनिक शिक्षाशास्त्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, मनोविज्ञान, कौशल शिक्षा और नई मूल्यांकन पद्धतियां शामिल हों, तो यह पूरे देश के लिए अनुकरणीय मॉडल बन सकता है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना जैसे क्षेत्रों में विशेष विस्तार की बात भी कही है और वहां राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता व्यक्त की है। इन राजनीतिक आरोपों से अलग शिक्षा की दृष्टि से मूल प्रश्न यह है कि संवेदनशील और सामाजिक रूप से विविध क्षेत्रों में विद्यालय नागरिकता-बोध, संवैधानिक कर्तव्य, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत कर सकते हैं। शिक्षा का सर्वोत्तम उत्तर किसी समुदाय के विरुद्ध अविश्वास पैदा करना नहीं, बल्कि हर बच्चे में जिम्मेदार और जागरूक भारतीय नागरिकता का निर्माण करना है। वंदे मातरम्, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना जैसे विषयों को लेकर मुख्यमंत्री के वक्तव्य ने बहस को राजनीतिक आयाम जरूर दिया है। लेकिन दीर्घकालीन दृष्टि से आवश्यकता ऐसी शिक्षा की है जिसमें राष्ट्रप्रेम स्वाभाविक संस्कार बने, आदेश या भय का विषय नहीं। पश्चिम बंगाल की यह पहल इसलिए संपूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण सबक या प्रेरणा है कि शिक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं हो सकती।

सरकार, समाज, अभिभावक, शिक्षक, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाएं और पूर्व विद्यार्थी-सभी मिलकर शिक्षा का नया सामाजिक तंत्र बना सकते हैं। यदि विद्या भारती के पास संगठनात्मक अनुभव है, सरकार के पास संसाधन और नीतिगत शक्ति है तथा समाज के पास सहभागिता की क्षमता है, तो इन तीनों का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। आज भारत को ऐसी शिक्षा चाहिए जो आधुनिक भी हो और अपनी जड़ों से जुड़ी हुई भी; वैज्ञानिक भी हो और संस्कारवान भी; रोजगारपरक भी हो और चरित्रनिर्माणकारी भी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इसके लिए नीतिगत दिशा दी है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

अवैध शराब का धंधा और आबकारी नीति

प्रमोद भार्गव

मध्य प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण ने कुटीर उद्योग का रूप ले लिया है। इस शराब का निर्माण बड़े पैमाने पर सीधे-सीधे आसवनी भट्टियों में हो रहा है। यह शराब ड्रमों में लाकर रसायानों से बनाई जा रही है। सागर जिले के बंडा तहसील के ग्राम ततरबारा में अवैध शराब निर्माण की जो फैक्ट्री बताई जा रही है, उसमें बाकायदा अलग-अलग ब्रांड की शराब तैयार करके बोतलों में पैकिंग की जाती थी। यानी शराब निर्माण के सभी उपकरण इस फैक्ट्री में मौजूद थे। इस निर्माण से जुड़े नेटवर्क के तार मुरैना से भी जुड़े बताए जा रहे है। आमतौर से देशी तरीके से बनाई जा रही शराब भी जहरीली शराब में तब बदल जाती है, जब उसमें घटिया सामग्री का असंतुलित घालमेल बैठा दिया जाता है। ऐसा ज्यादा कमाई के चक्कर में किया जाता है, जो दीन-हीनों की मौत का कारण बन जाती है। एक समय जब देशी शराब महुआ, गुड़ और अनाजों से प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती थी, तब यह खास घातक नहीं होती थी, किंतु जब से इस शराब का निर्माण रसायनों से होने लगा है, तब से मध्य प्रदेश में ही नहीं देशभर में इस शराब के पीने से निरंतर मौतों की घटनाएं सामने आ रही हैं। धार्मिक नगरियों वाला मध्य प्रदेश ऐसी शराब का गढ़ बन गया है। मध्य प्रदेश की गलत आबकारी नीति भी इस शराब के निर्माण को बढ़ावा देने का काम कर रही है। शराब के लगातार कहर ढहाने के बाद भी नीति-नियंता इसलिए बेफिक्र रहते हैं, क्योंकि एक तो ऐसी शराब पीने से गरीब और वंचित लोगों की मौतें होती हैं, दूसरे, अब देशी-विदेशी शराब ठेकों में अला राजनेता, आबकारी एवं पुलिस विभाग के नौकरशाह भागीदार हो गए है। इस जहरीली शराब कांड में जिन 30 शराब विक्रेताओं को आरोपी बनाया गया है, उनमें सत्तारूढ़ दल से जुड़े दो सरपंच और एक शराब ठेकेदार शामिल हैं। कुछ आरोपितों को सीधे-सीधे एक पूर्व मंत्री से जुड़ा बताया जा रहा है। साफ है, प्रदेशभर में शराब निर्माण और विक्रय की ठेकेदारी ऐसे लोगों के हाथ में है, जो बाहुबली होने के साथ ऊंची पहुंच रखने वाले है। इसलिए जो भी कार्यवाही होगी वह तत्काल तो मीडिया में असरकारी दिखेगी लेकिन फिर दर्ज एफआईआर शून्य में बदलती चली जाएंगी। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने तीन साल पहले शराबबंदी की मुहिम चलाई थी, लेकिन तब के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की चतुराई के चलते वह नक्कारखाने की तूती साबित हुई। शराब की दुकानें और शराब बिक्री के लिए जो नई आबकारी नीति सामने आई थी, उसमें उमा भारती की मुहिम और धमकी का कोई असर दिखाई नहीं दिया था। इस अबकारी नीति के सामने आने के समय से ही अनेक अनुत्तरित सवाल आज भी खड़े हुए हैं। नीति में स्पष्ट नहीं है कि जो शुष्क दिन है, मसलन गांधी जयंती, 15 अगस्त, 26 जनवरी, होली और चुनाव प्रक्रिया के दौरान घरों में शराब का बार खोलने की जो छूट चली आ रही है, वह यथावत जारी रहेगी या नहीं? होम-बार की आड़ में उज्जैन, ओरछा, ओमकारेश्वर जैसे पवित्र नगरों में भी शराबखोरी चलती रहेगी। हालांकि सरकार ने प्रत्यक्ष तौर पर कोई भी नई दुकान खोलने का निर्णय इस नीति में नहीं लिया है, परंतु पिछले दरवाजे से शराब बेचने की पगडंडियां खुली छोड़ दी गई है। देशी शराब की दुकान पर विदेशी और विदेशी शराब की दुकान पर देशी शराब बेची जाती रहेगी। फैसले से स्पष्ट होता है कि सरकार ने तकनीकी रूप से कानूनी झोल की सुविधा बरकरार रखकर यथासिथति बनाए रखी है। नई आबकारी नीति से सबसे ज्यादा फजीहत उमा भारती की हुई थी। ओरछा की जिस शराब की दुकान पर भारती ने गोबर फेंककर आक्रोष प्रकट किया था, वहां से भी दुकान बदली नहीं गई। अंत में भारती ने राजनीतिक चतुराई बरतते हुए रामराजा मंदिर मार्ग पर खुली दुकान का सारा दोश प्रशासन पर मढ़कर अपनी मुहिम को विराम दे दिया था। यह दुकान पहले नगर में अंदर की तरफ डेढ़ किमी दूर थी, किंतु तब कमाई कम होती थी, ठेकेदार को लाभ दिलाने के लिए जिला आबकारी विभाग ने यह दुकान मंदिर के प्रवेष द्वार पर खुलवा दी। इस दुकान के खोले जाने का विरोध ओरछा के नागरिकों, विद्यार्थी परिशद्, बजरंग दल के नेताओं ने संयुक्त रूप से किया था। लेकिन बात नहीं बनी। प्रदेश सरकार इस दुकान के आगे नतमस्तक हो गई थी। इस पराजय के बाद से उमा भारती ने शराबबंदी की मुहिम से पूरी तरह तौबा कर आंखें मूंद लीं। शराबबंदी को लेकर अक्सर यह प्रश्न खड़ा किया जाता है कि इससे होने वाले राजस्व की भरपाई कैसे होगी और शराब तस्करी को कैसे रोकेंगे? ये चुनौतियां अपनी जगह बाजिव हो सकती हैं लेकिन शराब के दुष्प्रभावों पर जो अध्ययन किए गए हैं, उनसे पता चलता है कि उससे कहीं ज्यादा खर्च, इससे उपजने वाली बीमारियों और नशा-मुक्ति अभियानों पर हो जाता है। इसके अलावा पारिवारिक और सामाजिक समस्याएं भी नए-नए रूपों में सुरसामुख बनी रहती हैं। घरेलू हिंसा से लेकर कई अपराधों और जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं की वजह भी शराब बनती है। यही कारण है कि शराब के विरुद्ध खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाएं मुखर आंदोलन चलातीं, समाचार माध्यमों में दिखाई देती हैं। इसलिए महात्मा गांधी ने शराब के सेवन को एक बड़ी सामाजिक बुराई माना था। उन्होंने स्वतंत्र भारत में संपूर्ण शराबबंदी लागू करने की पैरवी की थी। 'यंग इंडिया' में गांधी ने लिखा था, 'अगर मैं केवल एक घंटे के लिए भारत का सर्वशक्तिमान शासक बन जाऊं तो पहला काम यह करूंगा कि शराब की सभी दुकानें, बिना कोई मुआवजा दिए तुरंत बंद करा दूंगा।' बावजूद गांधी के इस देश में सभी राजनीतिक दल चुनाव में शराब बांटकर मतदाता को लुभाने का काम करते हैं। वर्तमान में तो पूरे प्रदेश में शराब के साथ-साथ स्मैक, चरस की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने शराब पर अंकुश लगाने की दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानें खोलने पर रोक लगा दी थी। किंतु सभी दलों के राजनीतिक नेतृत्व ने चतुराई बरतते हुए नगर और महानगरों से जो नए बाइपास बने हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी और पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों का इस श्रेणी से विलोपीकरण कर दिया। मध्य प्रदेश में भी यही किया गया। साफ है, शराब की नीतियां शराब कारोबारियों के हित दृष्टिगत रखते हुए बनाई जा रही हैं। यह हित इसलिए साधे जा रहे हैं क्योंकि ठेकेदारों के साथ राजनेता और अधिकारी भी इस गठबंधन के हिस्सेदार हो गए हैं। यदि ये शामिल नहीं है तो साफ है शराब माफिया सरकार पर भारी हैं। अतएव जहरीली शराब का यह गोरखधंधा भविष्य में भी रुकने वाला नहीं है। सवाल है कि उमा भारती शराबबंदी के लिए सड़क पर उतरेंगी, ऐसा लगता तो नहीं है।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

स्क्रीन टेस्ट

हनुमान अंश : हिंदुस्तान की जड़ों से संवाद करता सिनेमा

संजय एम. तराणेकर

भारत को समझने के लिए केवल उसके शहरों, बाजारों और आधुनिकता को देखना पर्याप्त नहीं है। भारत को समझना हो तो उसकी जड़ों तक पहुँचना होगा-उसकी आस्था, लोक-स्मृति, संस्कृति और उन कथाओं तक, जिन्होंने सदियों से उसके सामूहिक मन को आकार दिया है। इसी संदर्भ में 'हनुमान अंश' जैसी फिल्म का महत्व केवल उसके बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन तक सीमित नहीं रह जाता। यह फिल्म इसलिए भी उल्लेखनीय है कि उसने दर्शकों को केवल मनोरंजन नहीं दिया, बल्कि उन्हें उनकी अपनी सांस्कृतिक स्मृति से जोड़ने का भरसक प्रयास किया हैं। हनुमान भारतीय मानस में केवल एक धार्मिक पात्र नहीं हैं; वे शक्ति, समर्पण, साहस, सेवा, निष्ठा और आत्मविश्वास के प्रतीक हैं। इसलिए जब उनकी कथा आधुनिक माध्यम 'सिनेमा के रुपहले पर्दे' के जरिए सामने आती है, तो वह नई पीढ़ी और पुरानी सांस्कृतिक चेतना के बीच एक सेतु का काम करती है। फिल्म की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यही है कि उसका प्रचार केवल पोस्टर, विज्ञापन या बड़े प्रचार-अभियानों से नहीं हुआ। दर्शकों ने स्वयं उसके प्रचार का माध्यम बनना शुरू कर दिया। जिसने भी यह फिल्म देखी, उसने उसके बारे में परिवार, मित्रों और परिचितों से बात की। यही मौखिक प्रचार धीरे-धीरे व्यापक जनरुचि में बदलता गया। यह घटना बताती है कि जब कोई रचना समाज के भावनात्मक संसार को छू लेती है, तो उसके लिए प्रचार का सबसे प्रभावशाली माध्यम स्वयं दर्शक बन जाते हैं।

ब्रिक्सः पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने का मंच

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48% आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39% हिस्सा थे। 2026 में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है। ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48% आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39% हिस्सा थे। भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी' है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए। ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं: स्ट्रेटेजिक विस्तारः ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक

अस्पष्टता बनाए हुए है)। 'पार्टनर देशों' का संस्थागतकरणः मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल 'पार्टनर देश' कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश–बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम–ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना। न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँ: एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर। इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथ मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है। 2003 में 84 बिलियन से 2024 में 1.17 ट्रिलियन तक इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड 13 गुना बढ़ गया, जो 13.3 परसेंट की सालाना एवरेज रेट से बढ़ रहा है, जो इसी समय के दौरान 5.7 परसेंट की ग्लोबल ट्रेड ग्रोथ से काफी ज़्यादा है।

ब्रिक्स कनेक्ट्स को लागू करनाः भारत की 2026 की ब्रिक्स अध्यक्षता की पहल 'ब्रिक्स कनेक्ट्स' का उद्देश्य सदस्य देशों के नागरिकों को लाभ पहुँचाने को प्राथमिकता देना है। इसके मुख्य फ़ोकस एरिया में डिजिटल पेमेंट और फ़ाइनेंशियल इनक्लूज़न (वित्तीय समावेश) को बढ़ाना, एजुकेशनल डिग्री को आपसी मान्यता देना, सस्ता इंटरनेट और इंसानों पर केंद्रित ए आई, एक नया ब्रिक्स स्टार्टअप नॉलेज हब, और बेहतर ट्रेड कॉरिडोर शामिल हैं, जिनसे लॉजिस्टिक्स की लागत कम हो सकती है और सामान सस्ता हो सकता है। अंदरूनी सोच में विभिन्नताः यह ग्रुप एक जैसा ग्रुप नहीं है, जिससे आम सहमति बनाना मुश्किल हो जाता है।

इसमें बहुत अलग-अलग जियोपॉलिटिकल सोच वाले देश हैं, जिनमें वे देश शामिल हैं जो पश्चिम का सक्रिय रूप से सामना कर रहे हैं (जैसे, रूस, ईरान) से लेकर वे देश भी शामिल हैं जो पश्चिमी देशों (जैसे, भारत, ब्राज़ील) के साथ मज़बूत स्ट्रेटेजिक और इकोनॉमिक संबंध बनाए हुए हैं। इंस्टीट्यूशनल एकता बनाम विस्तारः ब्रिक्स के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह खुद को ज़्यादा बढ़ाए बिना अपनी बढ़ती जियोपॉलिटिकल अहमियत को ठोस इंस्टीट्यूशनल असर में बदले। तेज़ी से विस्तार से इस ग्रुप के बेकाबू होने और निर्णायक रूप से काम करने की इसकी क्षमता कम होने का खतरा है। अलग-अलग इकोनॉमिक प्राथमिकताएँ: फाइनेंशियल इंटीग्रेशन पर सदस्यों के अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ लोग वेस्ट से तेज़ी से फाइनेंशियल डीकपलिंग पर ज़ोर देते हैं, वहीं दूसरे प्रैक्टिकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट को प्राथमिकता देते हैं और बड़े फाइनेंशियल बदलावों के नतीजों से डरते हैं।

ब्रिक्स उस पश्चिमी नैरेटिव को बेअसर करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है जिसके तहत इसे 'पश्चिम-विरोधी क्लब' या एक विघटनकारी ताकत के तौर पर देखा जाता है। इन कोशिशों से निपटने के लिए यह कई रणनीतियाँ अपनाता है। डी-डॉलरलाइज़ेशन पर व्यावहारिक और क्रमिक दृष्टिकोणः गंभीर आर्थिक जवाबी कार्रवाई (जैसे टैरिफ की धमकियाँ) से बचने के लिए, ब्रिक्स ने डी-डॉलरलाइज़ेशन से जुड़ी अपनी बयानबाज़ी को नरम किया है। अमेरिकी डॉलर या ब्रिक्स की साझा मुद्रा को अचानक और पूरी तरह से बदलने के बजाय–जिसका भारत जैसे सदस्यों ने स्पष्ट रूप से विरोध किया है–यह समूह व्यावहारिक और क्रमिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसमें स्थानीय मुद्रा में लेन-देन को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय स्वैप समझौते और व्यापार के लिए डिजिटल मुद्रा के ढांचे की संभावनाओं को तलाशना शामिल है। समावेशी बहुपक्षवाद पर ध्यानः ब्रिक्स लगातार व्यापक ह सुधार, बहुपक्षीय व्यापार सुधार और समावेशी वैश्विक शासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है।

मौजूदा संस्थानों को पूरी तरह खत्म करने के बजाय उनमें सुधार की वकालत करके, ब्रिक्स कई उदारवादी देशों का समर्थन हासिल करता है। 'एक्सक्लूसिव ब्लॉक' (सीमित समूह) की धारणा को कम करनाः 'पार्टनर कंट्री' मॉडल की शुरुआत रणनीतिक रूप से उन देशों को शामिल करती है जो अमेरिका के सहयोगी या साझेदार भी हैं (जैसे थाईलैंड, मलेशिया और कज़ाकिस्तान)। इससे पता चलता है कि ब्रिक्स के साथ जुड़ना पश्चिमी देशों के साथ संबंधों के खिलाफ़ नहीं है, जिससे इस समूह को राजनयिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिशें कमज़ोर पड़ती हैं। 2026 में ब्रिक्स एक जटिल बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। इसकी अहमियत 'ग्लोबल साउथ' को एक व्यवस्थित और संस्थागत आवाज़ देने की क्षमता में निहित है। भारत, जो 2012, 2016 और 2021 के बाद चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और व्यापारिक बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करने के अपने प्रयासों को भी प्रदर्शित किया। लेकिन ब्रिक्स की दीर्घकालिक सफलता आंतरिक मतभेदों को सुलझाने, एन डी बी जैसे तंत्रों के माध्यम से ठोस आर्थिक लाभ पहुँचाने और एक व्यावहारिक व सुधार-उन्मुख रुख बनाए रखने पर निर्भर करेगी, जो ब्रिक्स को रोकने की कोशिशों को बेअसर कर सके।

(यह लेखक के अपने विचार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक: जितेन्द्र सिंह द्वारा एवीबी रिप्रोग्राफिक्स ए-59 इण्डस्ट्रियल एरिया तालकटोरा लखनऊ से मुद्रित एवं 2/353, विशाल खण्ड-2 गोमती नगर लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित। **सम्पादक जितेन्द्र सिंह***
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के तहत उत्तरदायी) समाचार से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा। आरएनआई UPHIN/2013/55887
पत्राचार एवं व्यवसायिक कार्यालय : 5/295, विपुल खण्ड-5, गोमती नगर, लखनऊ-226010, मो. 9554964672
For News : samradhinewslko@gmail.com/samradhinews@gmail.com **For Official :** chiefeditorsamriddhinews@gmail.com

खबरें एक नजर में

बोलेरो को बचाने में विद्युत खंभों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी

सरीला (हमीरपुर)। जरिया थाना क्षेत्र के सरीला कस्बे में ममना रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने मंगलवार को विद्युत खंभों से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली बोलेरो को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार चालक हमीरपुर से विद्युत खंभे लादकर सरीला पावर हाउस जा रहा था। अचानक सामने आई बोलेरो को बचाने के दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पहिए का एक्सल टूटने से पलट गया। ट्रॉली सड़क पर तिरछी हो जाने से आवागमन प्रभावित हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दूसरे ट्रैक्टर की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहन हटवाकर यातायात सुचारु कराया। चौकी प्रभारी ईश्वर नारायण पांडेय ने घटना की जानकारी दी।

हरित शंकरी पौधरोपण को लेकर बैठक आयोजित

कुरारा (हमीरपुर)। ब्लॉक सभागार में हरी शंकरी पौधरोपण अभियान को लेकर बैठक हुई। बीडीओ ज्ञान प्रकाश, ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल और चेयरमैन आशारानी कबीर की मौजूदगी में पीपल, बरगद व पाखर के पौधे एक साथ लगाने के महत्व पर चर्चा हुई। आश्रम विवार के महंत आचार्य रविंद्राचार्य ने तीनों वृक्षों को धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. प्रशांत कुमार ने इनके पर्यावरणीय लाभ बताए। ब्लॉक प्रमुख ने सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाने की अपील की। चेयरमैन ने बच्चों के जन्मदिन पर पौधरोपण का सुझाव दिया। प्रधान व ग्रामीण मौजूद रहे।

कुपोषण से सामान्य स्थिति में आए 12 बच्चों का हुआ सम्मान

हमीरपुर। मंगलवार को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों का सम्मान समारोह डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति, जिलाधिकारी अभिषेक गोयल, भाजपा

जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद, सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद और मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम में अयोध्या में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। जनपद में सैम/मैम श्रेणी से बाहर आकर सामान्य पोषण स्थिति प्राप्त करने वाले 12 बच्चों एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया। कुपोषित बच्चों की स्थिति सुधारने में सराहनीय कार्य करने वाली 11 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और तीन सहायिकाओं को भी सम्मान मिला। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के पांच लाभार्थी बच्चों को योजना का लाभ प्रदान किया गया। विधायक ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य एवं पोषण की महत्वपूर्ण प्रहरी बताया। डीएम ने योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

खेत में मृत मिला किसान

सुमेरपुर। सोमवार को खेतों में भैंस चराने गए किसान की खेत में ही मौत हो गई आशंका जताई जा रही है किसान की मौत हार्ट अटैक से हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक खेती-बाड़ी के साथ पशुपालन करके परिवार का भरण पोषण करता था। पचखुरा बुजुर्ग निवासी राजेश उर्फ छुटकू प्रजापति 42 सोमवार को भैंस चराने खेतों में गया था। शाम को जब वह घर नहीं लौटा तब परिजनों ने तलाश की तो वह खेत में मृत पड़ा मिला आशंका जताई जा रही है। किसान की मौत हार्ट अटैक से हुई है। मृतक के पास 9 बीघा कृषि योग्य जमीन है। इसी में खेती-बाड़ी के साथ वह पशुपालन करके परिवार का पोषण करता था अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। मृतक अपने पीछे पत्नी श्यामकली, पुत्र अर्पित, पुत्री प्रतिक्षण को रोता बिलखता छोड़ गया है। थानाध्यक्ष पवन पटेल ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है।

जल संरक्षण का ग्रामीणों ने लिया संकल्प

कुरारा (हमीरपुर)। विकासखंड क्षेत्र के भटपुरा जलाला गांव में पीएनसी एवं यूनोप्स के संयुक्त तत्वावधान में जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम से पूर्व ग्रामीणों ने जल वंदना, जल पदयात्रा और स्वच्छता अभियान की रैली निकाली। यूनोप्स के जिला सलाहकार सुभाष चंद्र पांडे ने जल सारथी एप, जल संरक्षण और जल जीवन मिशन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने ओएंडएम एवं सोर्स सस्टेनेबिलिटी के तहत बजटीय अभ्यास, दंड एवं प्रोत्साहन की जानकारी दी। ग्रामीणों ने जल संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान पीएनसी के सतीश कुमार, टीपीआई के निशुन सेन, जल सखी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

बच्ची से छेड़छाड़ के दोषी वृद्ध को पांच साल का कठोर कारावास

झांसी। तीन वर्ष पूर्व तीन वर्षीय बच्ची से अश्लील हरकत और छेड़छाड़ के मामले में दोषी 73 वर्षीय देवप्रसाद को अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मोहम्मद नेयाज अहमद अंसारी की अदालत ने पांच वर्ष के कठोर कारावास और छह हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट विजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि 10 अगस्त 2023 को बड़गांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि आठ अगस्त को बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। तभी गांव का देवप्रसाद उसे बेर देने के बहाने अपने घर ले गया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। बच्ची की मां तलाश करते हुए वहां पहुंची तो बच्ची रोते हुए घर से बाहर आई। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना के बाद आरोपपत्र न्यायालय में पेश किया। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने देवप्रसाद को पॉक्सो एक्ट की धारा 9एम/10 में पांच वर्ष का कठोर कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 342 भादवि में एक वर्ष का कठोर कारावास और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

नष्ट की गई 62 हजार रुपये की जब्त शराब

बांदा। आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमों में जब्त अवैध शराब को नष्ट करने के लिए चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन दहन' के तहत मंगलवार को फ़तेहगंज थाना परिसर में कार्रवाई की गई। करीब 62 हजार रुपये कीमत की देशी और कच्ची शराब को नियमानुसार नष्ट कराया गया। पुलिस के मुताबिक फ़तेहगंज थाने में आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज 43 मुकदमों में जब्त शराब को नष्ट करने के लिए चिह्नित किया गया था। इसमें करीब 675 क्वार्टर देशी शराब और 119 लीटर कच्ची शराब शामिल थी। इसकी अनुमानित कीमत करीब 62 हजार रुपये बताई गई है। क्षेत्राधिकारी अतर्रा प्रतिज्ञा की मौजूदगी में कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जब्त शराब का विनष्टीकरण कराया गया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी और नियमानुसार निपटान की प्रक्रिया पूरी की गई।

युवक की संदिग्ध मौत

बांदा। पैलानी थाना क्षेत्र के पिपरहरी गांव निवासी सहदेव (35) पुत्र शिवभूषण सिंह की अचानक हालत बिगड़ गई। जिला अस्पताल से उसे कानपुर रेफर कर दिया। सोमवार को परिजन उसे कानपुर के हैलट ले गए। यहां इलाज से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। पैलानी थानाध्यक्ष राममोहन राय ने बताया कि युवक की बीमारी से मौत हुई है। मृतक के पिता ने अपने छोटे पुत्र पर मारपीट का आरोप लगाया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आएगी।

खंती में बाइक गिरने से दो युवक घायल

बांदा। पैलानी थाना क्षेत्र के अमलोर गांव निवासी नीरज (28) पुत्र राजू सिंह सोमवार की शाम अपने दोस्त सूरज (26) पुत्र मुन्ना के साथ बाइक में बैठकर गांव जा रहे थे। तभी ककनारे बाबा के पास सामने से आ रही कैंपर को बचाने में बाइक अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरी। दोनों लोग घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तीजा मेला की तैयारियों का डीएम और एसपी ने लिया जायजा

समृद्धि न्यूज़, सुमेरपुर, हमीरपुर।

आगामी 14 सितंबर से नगर पंचायत सुमेरपुर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक तीजा मेला की तैयारियों का जिलाधिकारी अभिषेक गोयल एवं पुलिस अधीक्षक मृगांक शेखर पाठक ने मंगलवार को निरीक्षण किया। अधिकारियों ने हरचंदन तालाब, छोटी बाजार, पशु बाजार सहित करीब 3 से 3.5 किलोमीटर लंबे शोभायात्रा मार्ग का जायजा लिया। सुरक्षा, यातायात, सफाई और जनसुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मेला क्षेत्र में ड्रोन कैमरों से निगरानी, अस्थायी पुलिस चौकी एवं शक्ति केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, एंबुलेंस, विद्युत आपूर्ति और मोबाइल शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। सड़क के गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने मेले को पॉलीथिन मुक्त रखने और डिस्पोजेबल प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम, एएसपी, सीओ, चेयरमैन सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को जनपद न्यायाधीश ने दिखाई हरी झंडी

हमीरपुर। 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार

को जनपद न्यायालय परिसर से जागरूकता वाहन रवाना किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मनोज कुमार राय ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वंदना अग्रवाल सहित न्यायिक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। प्रचार वाहन जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को लोक अदालत के लाभों की जानकारी देगा। इसके माध्यम से लंबित वादों एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का सुलह-समझौते से त्वरित निस्तारण, समय और धन की बचत तथा सरल प्रक्रिया के संबंध में जागरूक किया जाएगा। जनपद न्यायाधीश ने लोगों से 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से विवादों का शीघ्र समाधान कराकर अनावश्यक समय और खर्च से बचा जा सकता है।

चाट विक्रेता से गाली गलौज के बाद फायरिंग कार पर भी चलाई गोली

हमीरपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र में सोमवार देर रात शराब के नशे में एक युवक ने चाट विक्रेता से गाली-गलौज करने के बाद कथित तौर पर लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग कर दी। पीड़ित के भागकर जान बचाने के बाद आरोपी ने दोबारा मौके पर पहुंचकर फायरिंग की और पीड़ित के भतीजे की कार को भी निशाना बनाया। गोली लगने से कार का अगला शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। मामले में पुलिस ने शशिकांत तिवारी और उसके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रमेड़ी चौराहा निवासी आशीष साहू ने कोतवाली नगर पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह रोजाना अंकित तिराहा में चाट का ठेला लगाता है। सोमवार रात करीब 11:20 बजे दुकान बंद करने के बाद वह ठेला लेकर एचडीएफसी बैंक के सामने स्थित अपनी किराये की गुमटी पर सामान रखने पहुंचा था। फास्ट फूड का वेस्टेज कुत्तों को खिलाने को लेकर दो पक्षों के मध्य वाद- विवाद हो गया। सूचना पर उसका पारिवारिक भतीजा विप्रत साहू कार लेकर मौके पर पहुंचा। आशीष उसे घटना की जानकारी दे ही रहा था कि आरोपी दोबारा वहां पहुंच गया और फायरिंग शुरू कर दी। डर के कारण दोनों कार में बैठ गए, लेकिन आरोपी ने कार पर भी गोली चला दी, जिससे उसका अगला शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ ही शशिकांत तिवारी का शस्त्र लाइसेंस निरस्त किए जाने की मांग की है। कोतवाली नगर पुलिस ने बीएनएस की धारा 109(1), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। उक्त के मामले में सदर सीओ यशपाल सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार को सौंपी गई है। इसके बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष धीरेंद्र गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, रास्ते में तोड़ा दम

बिवांर (हमीरपुर)। बिवांर-जलालपुर मार्ग पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। बांधुर बुजुर्ग गांव निवासी दीपांशु शुक्ला (24) पुत्र राजू शुक्ला सोमवार रात करीब 11 बजे बाइक से घर लौट रहे थे। बिवांर से करीब तीन किलोमीटर दूर नहर पुलिया के पास सामने से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दीपांशु गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने घटना की सूचना 112 पीआरवी को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को जानकारी दी। परिजन निजी वाहन से घायल को बिवांर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बताया गया कि रास्ते में वाहन पंचर होने के बाद एंबुलेंस से उन्हें जिला अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक के पिता के अनुसार दीपांशु हमीरपुर स्थित एचडीबी बैंक की शाखा में फाइनेंस कलेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। वह दो भाइयों और दो बहनों में सबसे छोटे और अविवाहित थे। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि युवक हेलमेट लगाए था, लेकिन सिर में गंभीर चोट आई। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से फसल नुकसान का आकलन कर किसानों को दिलाएं मुआवजा: डीएम

समृद्धि न्यूज़, झांसी।

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने असमय बारिश से फसलों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कर प्रभावित किसानों को जल्द मुआवजा दिलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी स्थिति में असुविधा न हो और राहत राशि का वितरण समयबद्ध ढंग से किया जाए।

कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान डीएम ने राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनी के अधिकारियों को संयुक्त सर्वे कर फसल क्षति का वास्तविक आकलन करने के निर्देश दिए। इसके लिए जनपद की सभी तहसीलों में टीमें गठित कर दी गई हैं।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पल्लवी मिश्रा ने बताया कि

गठित टीमों में लेखपाल, प्राविधिक सहायक, बीटीएम/एटीएम तथा बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

टीमें प्रतिदिन फसल नुकसान का विवरण एकत्र कर रही हैं।डीएम ने अधिकारियों को फील्ड में रहकर प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने और सभी सूचनाएं समय पर शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि मुआवजा वितरण में किसी प्रकार की देरी न हो।

बच्चों के विवाद में महिला के साथ मारपीट घायल, भर्ती

पनवाड़ी (महोबा)। जिले के महोबकंठ थाना क्षेत्र के छितरवारा गांव में बच्चों के बीच हुए विवाद ने सोमवार को तूल पकड़ लिया। आरोप है कि इसी रंजिश में परिवार के तीन लोगों ने घर में घुसकर एक महिला की गाली-गलौज करते हुए पिटाई कर दी। पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर महिला को बचाया। छितरवारा गांव की रहने वाली सिलोचना पत्नी अरुण पाठक ने मंगलवार को पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को उनका बेटा और परिवार के एक बच्चे के बीच खेलते समय झगड़ा हो गया था। आरोप है कि इसी बात को लेकर परिवार के एक महिला और दो पुरुष उनके घर पहुंच गए। उस समय पति घर पर नहीं थे। तीनों ने सिलोचना के साथ बदतमीजी की और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और महिला को कथित हमलावरों से बचाया।

प्रमोद यादव की संदिग्ध मौत के मामले में बहू और ससुर गिरफ्तार

- आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप, दोनों को कोर्ट में किया पेश

बरुआसागर (झांसी)। नई बस्ती निवासी 61 वर्षीय प्रमोद यादव की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने उनकी बहू शिवानी यादव और उसके पिता भारत यादव को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया।रविवार रात प्रमोद यादव ने घर की छत की रेलिंग से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सोमवार सुबह पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। सीओ टहरौली रक्षपाल सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए।मृतक के बेटे निशांत यादव ने अपनी पत्नी शिवानी, साले अनुराग यादव और ससुर भारत यादव के खिलाफ तहरीर दी थी। आरोप है कि शादी के बाद से परिवार में विवाद चल रहा था और निशांत को मानसिक रूप से परेशान कर धमकियां दी जा रही थीं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एफआईआर संख्या 242/2026 दर्ज कर बीएनएस की धारा 108 के तहत कार्रवाई शुरू की।पुलिस के अनुसार मंगलवार को उपनिरीक्षक वीरपाल सिंह और महिला आरक्षी प्रवेश ने शिवानी यादव और उसके पिता भारत यादव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। भारत यादव सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के बूढ़ा गांव का निवासी है।

बारिश से कच्चे मकान धराशायी, बाल-बाल बचा परिवार

गरौठा (झांसी)। लगातार हो रही बारिश के चलते कच्चे मकानों के गिरने का सिलसिला जारी है। रविवार-सोमवार की रात ग्राम खड़ौरा में पंकज तिवारी और नीरज तिवारी की अटारी भरभराकर गिर गई। गनीमत रही कि हादसे के समय मकान में कोई मौजूद नहीं था और जरूरी सामान पहले ही बाहर निकाल लिया गया था।

इससे पहले गांव में कुलदीप मिश्रा का कच्चा मकान भी भरभराकर गिर चुका है। ग्राम प्रधान मनोज यादव ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी और प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने की मांग की।

तेज बहाव बना काल, बेतवा में नाव पलटने से दो सगे भाई लापता

बरुआसागर (झांसी)। थाना क्षेत्र के बनगुवां घाट पर मंगलवार सुबह बेतवा नदी में नाव पलटने से दो सगे भाई तेज बहाव में बह गए। दोनों के डूबने की आशंका है। घटना के बाद पुलिस और गोताखोरों ने तलाश शुरू की, लेकिन देर शाम तक दोनों का पता नहीं चल सका। तेज बहाव के कारण रेस्क्यू में दिक्कत आ रही है। स्थानीय स्तर पर सफलता नहीं मिलने पर एसडीआरएफ की फ्लड मैनेजमेंट टीम को भी बुलाया गया। कटरा मोहल्ला निवासी राजू रैकवार का बेतवा में मछली पकड़ने का ठेका है। मंगलवार सुबह करीब छह बजे वह अपने बेटे महेंद्र रैकवार (25) और मनीष रैकवार (21) को लेकर बनगुवां नदी किनारे पहुंचा था। राजू दोनों बेटों को किनारे छोड़कर कुछ दूरी पर काम से चला गया। इसी दौरान दोनों भाइयों ने नाव चलाने का प्रयास किया। तेज बहाव में नाव अनियंत्रित होकर पलट गई और दोनों पानी में गिरकर बह गए। राजू के लौटने पर अन्य मछुआरों ने घटना की जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई। करीब सात घंटे बाद भी दोनों का सुराग नहीं लग सका। प्रशासन ने अब एसडीआरएफ टीम की मदद से रेस्क्यू अभियान तेज किया है। महेंद्र शादीशुदा था और उसके पांच व तीन वर्ष के दो बेटे हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता राजू और मां अंजू समेत परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन नदी किनारे मौजूद रहकर दोनों के सकुशल मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

134 करोड़ से निर्मित हो रहे 200 बेड अस्पताल का डीएम ने किया निरीक्षण

- डीएम बोलीं- क्वालिटी से समझौता नहीं

समृद्धि न्यूज़, महोबा।

महोबा में 200 बेड के अस्पताल और ट्रामा सेंटर के निर्माण कार्य का डीएम गजल भारद्वाज ने मंगलवार दोपहर 2 बजे अचानक निरीक्षण किया। 10.33 एकड़ जमीन पर 134 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से बन रहे इस प्रोजेक्ट में डीएम ने निर्माण की रफ्तार और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी स्थिति में समझौता न किया जाए और तय समय सीमा में काम पूरा कराया जाए। महोबा के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 200 बेड का अस्पताल और ट्रामा सेंटर बनाया जा रहा है। परियोजना में मुख्य अस्पताल और ट्रामा सेंटर के साथ आवासीय ब्लॉक, गेस्ट हाउस, शवगृह, बिजली सबस्टेशन और एंबुलेंस गैराज भी बनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने डीएम को बताया कि निर्माण कार्य ईपीसी मोड पर कराया जा रहा है। परियोजना को 31 मई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। डीएम ने अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और समय सीमा के अनुसार काम आगे बढ़ाने के निर्देश दिये। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि निर्माण स्थल का बड़ा हिस्सा पहाड़ी क्षेत्र में है। चट्टानी जमीन के कारण यहां कंट्रोल ब्लास्टिंग के जरिए निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके चलते काम की रफ्तार प्रभावित हो रही है। इस पर डीएम ने खनन विभाग से समन्वय कर ब्लास्टिंग के बाद निकलने वाले पत्थरों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य में तेजी लाई जा सके। डीएम गजल भारद्वाज ने कहा कि अस्पताल और ट्रामा सेंटर जैसी महत्वपूर्ण परियोजना में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

स्वाइन फ्लू को लेकर जिला अस्पताल में तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

- सभी सीएचसी-पीएचसी पर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश

समृद्धि न्यूज़, उरई (जालौन)।

डीएम राजेश कुमार पाण्डेय ने मंगलवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वाइन फ्लू की रोकथाम व उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त रखी जाएं, ताकि किसी भी संभावित स्थिति में मरीजों को समय से उपचार उपलब्ध कराया जा सके। स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए जिले में एडवाइजरी भी जारी की गई है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति में बुखार, खांसी अथवा अन्य संबंधित लक्षण दिखाई दें तो घबराने के बजाय नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं और चिकित्सक की देखरेख में ही उपचार लें। उन्होंने संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के साथ बाहर निकलते समय मास्क से मुंह और नाक ढककर रखने की अपील की। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली और चिकित्सकों से उनके उपचार व पोषण संबंधी प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि जिन बच्चों की माताएं भी कुपोषण से प्रभावित हैं, उन्हें आज ही पोषण पोटली उपलब्ध कराई जाए, ताकि बच्चों के साथ उनकी माताओं के पोषण स्तर में भी सुधार सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान सीएमओ एनपन प्रसाद, सीएमएस जेजे राम आदि सहित चिकित्सक मौजूद रहे।

तेज रफ्तार अनियंत्रित बस की चपेट में आने से मेडिकल कॉलेज के एंबुलेंस ड्राइवर की हुई मौत

समृद्धि न्यूज़, ललितपुर।

सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बानपुर रोड पर स्थित ग्राम रजवारा के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित डबल डेकर बस का कर उसे समय देखने को मिला जब 108 एंबुलेंस के ड्राइवर को बस में टक्कर मारकर रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आनन फ़ानन में स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर घायल को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहां इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान मृतक घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर

पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। शहर के मुहल्ला पिसनारी बाग निवासी 30 वर्षीय भूपेंद्र पत्र चंद्रभान परिहार स्वाशासी मेडिकल कॉलेज में कार्यदाई संस्था के माध्यम से आउटसोर्सिंग कर्मी था और 108 एंबुलेंस पर ड्राइवर करता था। बताया गया है कि रोजाना की भांति वह रविवार की रात से सोमवार की सुबह तक वह एंबुलेंस पर ड्राइवरी कर रहा था। ड्यूटी मिलने के बाद वह अपने घर गया और अपनी बाइक लेकर अपने किसी दोस्त को छोड़ने के लिए ग्राम खोखरा गया हुआ था। इसके बाद दोपहर करीब 1:00 बजे वह अपनी बाइक से घर वापस आ रहा था और अभी ग्राम बिरारी के तालाब के पास पहुंचा ही था, कि इंदौर से चलकर जिला मुख्यालय और जिला मुख्यालय से बाहर की तरफ जा रही अंबे कंपनी की डबल डेकर तेज रफ्तार बस ने सामने से टक्कर मार कर बाइक सवार को रौंद दिया।

किसान फसल नुकसान के मुआवजे के लिए टोल-फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराएं: डीएम

ललितपुर। जनपद में पिछले दिनों हुई भारी अतिवृष्टि और जलभराव के कारण फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने अन्नदाताओं के हित में एक महत्वपूर्ण अपील जारी की है। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनपद का कोई भी प्रभावित किसान मुआवजे से वंचित न रहे, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमित सभी किसानों से आह्वान किया है कि यदि अतिवृष्टि के कारण उनकी फसलों को नुकसान पहुंचा है, तो वे तुरंत बीमा कंपनी के टोल-फ्री नंबर 14447 पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने ने बताया कि नियम के अनुसार आपदा आने के 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना अनिवार्य है।

अग्निकांड में बाइक शोरूम में रखी नई गाड़ियां हुईं खाक

- दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू
- अग्निकांड में लाखों रुपये की क्षति होने का अनुमान

समृद्धि न्यूज़, बांदा।

कोतवाली क्षेत्र के कालूकुआं चौकी अंतर्गत तिंदवारी रोड स्थित बाइक शोरूम में सोमवार को देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते शोरूम के निचले हिस्से बने वर्कशॉप से तेज लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा, जिसे दूर तक देखा गया। आग की चपेट

में आने से शोरूम में खड़ी कई नई बाइक जलकर खाक हो गईं। शहर के कालूकुआं स्थित मयूर मोटर्स के बाइक शोरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और शोरूम के अंदर मौजूद कई वाहनों को समय रहते बाहर निकालकर सुरक्षित कर लिया। हालांकि, आग की चपेट में आने से कई नई गाड़ियां और शोरूम में रखा अन्य सामान जल गया। आग से लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। वास्तविक नुकसान का आकलन जांच और सर्वे के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। क्षेत्राधिकारी नगर मेविस टॉक ने मंगलवार को बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारी रोड स्थित बाइक शोरूम में अज्ञात कारणों से आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर फायर टेंडर और स्थानीय पुलिस पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

हाईवे ट्रक में पीछे से घुसी रोडवेज बस चालक सहित 8 यात्री घायल

कालपी/आटा (जालौन)। थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर मंगलवार दोपहर उरई से कानपुर जा रहे ट्रक के चालक ने सामने अचानक बकरी आ जाने के कारण ब्रेक लगा दिए। तभी पीछे से आ रही रोडवेज बस चालक बस को नियंत्रित नहीं कर सका और बस ट्रक में जा भिड़ी। हादसे में बस चालक और परिचालक समेत करीब 7-8 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजा गया। बताया गया है कि मंगलवार को ट्रक उरई से कानपुर की ओर जा रहा था। आटा थाना क्षेत्र के पास अचानक ट्रक के सामने बकरी आ गई। बकरी को बचाने के लिए चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

अंतिम संस्कार में जा रहे बाइक सवारों को बस ने रौंदा,मौत

- परिवार में है चार बेटियां शिवांगी(22), प्रिया (17),नंदिनी (15) व रिया(13)
- तहरीर पर बस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर होगी कार्यवाही

फाइल फोटो मृतक रामलवट गुप्ता

फोटो मृतक दुर्गावती देवी

फोटो मृतक प्रदीप कुमार उर्फ अजय

समृद्धि न्यूज,सुल्तानपुर।

अखंडनगर थाना क्षेत्र के तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार पिता,पुत्र व मां को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीनों लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया। मंगलवार को सुबह रिश्तेदार की मिट्टी में बाइक से जा रहे प्रदीप गुप्ता (21),उनके पिता राम लवट(45) व मां दुर्गावती(42) निवासी अलीपुर को तेज रफ्तार बस ने अखंडनगर थाना क्षेत्र के अलीपुर बाजार में टक्कर मार दी।

दुर्घटना में प्रदीप की मौके पर मौत हो गई। जबकि उनके माता पिता को एंबुलेंस की मदद से अंबेडकरनगर जिला अस्पताल भेजा गया। जहां चिकित्सक ने राम लवट व दुर्गावती को भी मृत घोषित कर दिया। परिजनो की सूचना पर अखंडनगर पुलिस ने शवों का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। एक साथ तीन लोगों की मौत से गांव में मातम फैल गया।

मृतक राम लवट नल्ली बेचते थे तथा बेटा प्रदीप उर्फ अजय ई रिक्शा चलाता था। परिवार में केवल चार बेटियां शिवांगी(22), प्रिया (17),नंदिनी (15) व रिया(13) है। प्रभारी निरीक्षक धीरेन्द्र वर्मा ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम कराकर परिजनो को सौप दिया गया। तहरीर प्राप्त कर दुर्घटना करने वाली बस के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

तोरिया बीज वितरण शुरू 94 किसान तत्काल बीज प्राप्त कर करें बुवाई

प्रतापगढ़। जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने जनपद के किसानों से अपील की है कि तोरिया की बुवाई का समय पूरी तरह अनुकूल है, ऐसे में ई-लॉटरी से चयनित सभी 94 किसान अविलंब अपने विकास खंड स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार से संपर्क कर तोरिया बीज प्राप्त कर लें और खेत जुताई योग्य होते ही समय से बुवाई पूरी करें। उन्होंने बताया कि यह फसल महज 85 से 90 दिनों में पककर तैयार हो जाती है, जिसे किसान नगदी फसल के रूप में अपनाकर कम समय में बेहतर उत्पादन और अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में चना, मटर एवं मसूर के नि:शुल्क मिनीकिट तथा 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज वितरण के लिए ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया जारी है। इच्छुक किसान कृषि विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर बुकिंग कराकर विभागीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

करोड़ों की लागत से बने रोडवेज परिसर में जलभराव, यात्री परेशान

बस अड्डे पर जलभराव

सुल्तानपुर। करीब 6.5 करोड़ रुपये की लागत से वर्ष 2018 में तैयार हुए नए रोडवेज भवन की बदहाल स्थिति यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। परिसर में जलभराव और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण यात्रियों को गंदे व बदबूदार पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे संक्रमण फैलने की आशंका भी जताई जा रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि भवन की देखरेख के अभाव में परिसर लगातार जर्जर होता जा रहा है। भवन में कई स्थानों पर दरारें दिखाई दे रही हैं, जबकि परिसर के गड्ढे दुर्घटना का खतरा बढ़ा रहे हैं। पोर्टिको क्षेत्र में ई-बाइकों की चार्जिंग समेत अन्य गतिविधियां भी संचालित होने की बात कही जा रही है।यात्रियों ने परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही और चोरी की घटनाओं पर भी चिंता जताई है। आरोप है कि जेबकतरे और घूमंतू गिरोह यात्रियों को निशाना बनाते हैं।बस स्टेशन चौकी प्रभारी प्रदीप यादव ने बताया कि पुलिस टीम रात्रि में नियमित रूप से परिसर की जांच करती है तथा संदिग्धों से पूछताछ कर उन्हें हटाया जाता है। उन्होंने कहा कि महिला पुलिस की व्यवस्था होने पर महिला यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत की जाएगी।

प्राथमिक विद्यालय परिसर से सागौन के तीन पेड़ चोरी प्रधानाध्यापक ने दी तहरीर

कुड़वार,सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परसीपुर परिसर में लगे सागौन के तीन पेड़ों को अज्ञात लोगों ने सोमवार रात काटकर गायब कर दिया। मंगलवार सुबह विद्यालय पहुंचने पर पेड़ कटे मिलने से प्रधानाध्यापक और विद्यालय स्टाफ में हड़कंप मच गया। प्रधानाध्यापक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रधानाध्यापक रामा यादव के अनुसार विद्यालय परिसर में सागौन के तीन पेड़ लगे थे। सोमवार रात अज्ञात व्यक्ति पेड़ों को काटकर उठा ले गए। मंगलवार सुबह इसकी जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी गई।प्रधानाध्यापक ने मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए कुड़वार पुलिस को तहरीर सौंपी है। प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है और मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मानित

- कार्यकत्रियां योजनाओं को पहुंचाने में निभा रही अहम भूमिका : डीएम

समृद्धि न्यूज,सुल्तानपुर।

कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में मंगलवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिका सम्मान सम्मेलन आयोजित किया गया। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह, मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह और उपजिलाधिकारी गरिमा सोनाकिया की मौजूदगी में अयोध्या में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सजीव प्रसारण देखा गया।

कार्यक्रम में गोद भराई और बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार का आयोजन भी हुआ। इसके बाद जनपद में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं सुमन मौर्य, सुनीता चौधरी, शीला देवी, मंजू, अमीना खातून, विमला पाण्डेय, सुशीला, संगीता, सोना देवी और अंजली गुप्ता को जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कुपोषण और एनीमिया के खिलाफ प्रभावी प्रयास करने तथा बच्चों के समुचित विकास पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक को सम्मानित करते समाजसेवी

राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित का बाबा जनवारी नाथ धाम में सम्मान

लंभुआ (सुल्तानपुर)। राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सत्येंद्र कुमार सिंह का बाबा जनवारी नाथ धाम पहुंचने पर बाबा जनवारी नाथ धाम सेवा संस्थान की ओर से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। उन्होंने भगवान भोलेनाथ का दर्शन-पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। आचार्य रविशंकर शुक्ल एवं अन्य आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गणेश, नंदी महाराज एवं भगवान शिव का विधिवत पूजन कराया। संस्थान के अध्यक्ष एवं शिक्षक नेता रणवीर सिंह ने सत्येंद्र कुमार सिंह को धाम के धार्मिक व पौराणिक महत्व से अवगत कराया तथा स्वयंभू शिवलिंग का प्रतीक चिह्न, अंगवस्त्र, बुके और माल्यार्पण कर सम्मानित किया।इस अवसर पर संतोष सिंह प्रतापगढ़ी, रविंद्र प्रताप सिंह, अमर बहादुर सिंह, अंकित, राम सागर गुप्त, बृजेश कुमार सिंह, सूरज अग्रहरि, रविंद्र सिंह, सनत कुमार सिंह, अरूणेन्द्र सिंह, विवेक व रमाशंकर मिश्र सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोइरीपुर में विद्युत विभाग का चेकिंग अभियान काटे 63 कनेक्शन

चांदा (सुलतानपुर)। नगर पंचायत कोइरीपुर में मंगलवार को विद्युत विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों सहित कुल 224 विद्युत संयोजनों की जांच की। जांच के दौरान छह कनेक्शनों में अनियमितता पाई गई। बकाया विद्युत बिल का भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने 63 संयोजनों को विच्छेदित कर दिया। अभियान के दौरान मौके पर 1 लाख 54 हजार रुपये के बकाया राजस्व की वसूली भी की गई। उपखंड अधिकारी विमलेश मौर्य ने बताया कि विद्युत चोरी, अनियमित उपयोग और बकाया राजस्व की वसूली के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान एसडीओ विमलेश मौर्य, अवर अभियंता रामेश्वर गुप्ता, आशीष श्रीवास्तव, देवव्रत समेत विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों का हित पहली प्राथमिकता : सुनील पटेल

समृद्धि न्यूज, प्रतापगढ़।

भाजपा किसान मोर्चा के कैंप कार्यालय पर जिला अध्यक्ष विजय मिश्रा के नेतृत्व में एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में भाजपा के नव नियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनील पटेल का कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में संगठन की मजबूती और किसान हितों को लेकर विचार साझा किए गए। इस दौरान किसान मोर्चा के कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे जिला उपाध्यक्ष दिलीप पांडेय, जिला महामंत्री रमेश बहादुर सिंह नगर अध्यक्ष अश्वनी पांडे एवं मंडल पदाधिकारी सोशल मीडिया प्रभारी डॉ क्षितिज कुमार श्रीवास्तव, शिवेंद्र मिश्रा, रत्नेश शुक्ला, पंकज श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, कलश पांडे, ललित तिवारी सहित किसान मोर्चा के विभिन्न मंडलों के अध्यक्षगण एवं नगर के सम्मानित पदाधिकारीगण,कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री पवन वर्मा द्वारा किया गया, कार्यक्रम में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

खबरें एक नजर में

नहर पटरी की सड़क जर्जर, मरम्मत की उठी मांग

चांदा ,सुल्तानपुर। विकासखंड प्रतापपुर कमैचा के चांदा-कादीपुर मार्ग पर मधुपुरी गांव के समीप नहर पटरी की पक्की सड़क जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे होने से आवागमन प्रभावित है। यह मार्ग मधुपुरी के साथ खानपुर, घमहा, अचलपुर, परिगड़ा, छापर, मरगुपुर और चितावनपुर समेत दर्जनों गांवों को जोड़ता है। गड्ढों के कारण बाइक सवार आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं, जबकि बड़े और छोटे वाहनों के आवागमन में भी परेशानी हो रही है। सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रधान अमरदेव सिंह, सिंटू सिंह, संजय तिवारी, प्रधान प्रतिनिधि राकेश यादव और प्रधान विपिन तिवारी समेत ग्रामीणों ने अधिकारियों से शिकायत की है। ग्रामीणों ने शीघ्र सड़क मरम्मत की मांग की है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर चला जागरूकता अभियान

सुल्तानपुर। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर दूसरे दिन भी प्रचार वाहन के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया। सुल्तानपुर दीवानी परिसर से रवाना हुआ प्रचार वाहन मुसाफिरखाना, जगदीशपुर, जामो, गौरीगंज कलेक्ट्रेट व तहसील, अमेठी तहसील, रामगंज और पीपरपुर होते हुए वापस सुल्तानपुर पहुंचा। लाउडस्पीकर के माध्यम से पैरालीगल वॉलंटियर अंजू सिंह, विपिन सिंह, महेंद्र बरनवाल और नितिन ने लोगों को लोक अदालत के लाभ एवं प्रक्रिया की जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मुक्ता त्यागी ने लोगों से अपील की कि वे अपने लंबित मामलों का राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारण कराकर इसका लाभ उठाएं।

पैसे के लेनदेन में मारपीट, व्यक्ति की मौत

प्रतापगढ़। हथिगवां थाना क्षेत्र के जहानाबाद गांव में मजदूरी के पैसों को लेकर हुआ विवाद एक व्यक्ति की जान पर बन आया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करते हुए महिला और एक नाबालिग समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह विवाद 4 सितंबर को मजदूरी के रुपये मांगने को लेकर शुरू हुआ था। इसके बाद आरोपी पक्ष पीड़ित के घर पहुंचा, जहां तीखी बहस के बाद मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने से व्यक्ति बुरी तरह घायल हो गया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे चेकिंग के दौरान जहानाबाद फ्लाईओभर के नीचे श्रीनगर मोड़ के पास से पुलिस ने सभी को धर दबोचा। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए हाईवे की ओर भागने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें पुलिस टीम ने घेराबंदी करके पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजू उर्फ राजकुमार गौतम (40), हेमंत गौतम (19), सुनीता (38) और एक नाबालिग के रूप में हुई है। ये सभी जहानाबाद गांव के ही रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

लेटे हनुमान जी अभी भी शयन अवस्था में

प्रयागराज। प्रयागराज के संगम स्थित बड़े हनुमान मंदिर में बाढ़ का पानी अभी भी भरा हुआ है। लगातार 10वें दिन श्री लेटे हनुमान जी शयन अवस्था में हैं और मंदिर का गर्भगृह अब भी जलमग्न है। हालांकि, गंगा-यमुना का जलस्तर अब धीरे-धीरे नीचे उतरने लगा है मंगलवार सुबह 8 बजे जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नदियों के जलस्तर में पिछले 24 घंटे में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि कमी की रफ्तार अलग-अलग स्थानों पर अलग है। फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से काफी नीचे बह रही हैं और जिले के सभी तटबंध सुरक्षित हैं। यमुना नदी का नैनी में जलस्तर 81.42 मीटर दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटे में 34 सेंटीमीटर कम हुआ है। यहां 2.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। गंगा के फाफामऊ में जलस्तर 81.90 मीटर रहा, जिसमें 11 सेंटीमीटर की कमी आई है। यहां 12.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। छतनाग में गंगा का जलस्तर 80.96 मीटर रहा, जो 24 घंटे में 34 सेंटीमीटर नीचे आया है। वहीं स्रअक्कबक्शी बांध पर जलस्तर 81.57 मीटर दर्ज किया गया, जिसमें 30 सेंटीमीटर की कमी हुई है। गंगा-यमुना का जलस्तर घटने के बावजूद प्रयागराज के कुछ प्रमुख इलाके और धार्मिक स्थल अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। रिवर फ्रंट रोड, नागवासुकी मंदिर, दारागंज घाट और श्री लेटे हनुमान मंदिर में अभी भी बाढ़ का पानी मौजूद है।

रेल मदद से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही

प्रयागराज। प्रयागराज मंडल में यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मातृ शक्ति के तहत रेल प्रशासन ने एक महिला यात्री को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई। आठ सितम्बर को 'रेल मदद' के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 22362 नई दिल्ली-राजेंद्र नगर टर्मिनल अमृत भारत एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला यात्री को प्रसव पीड़ा के साथ रक्तस्राव हो रहा है और उसे तत्काल चिकित्सकीय सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होने के समय ट्रेन ऊंचडीह रेलवे स्टेशन से आगे निकल रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रयागराज मंडल रेलवे प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नॉन-स्टॉप ट्रेन को मिर्जापुर स्टेशन पर रोकने की व्यवस्था की गई। साथ ही महिला यात्री को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मिर्जापुर स्टेशन पर रेलवे की मेडिकल टीम को सक्रिय किया गया। ट्रेन के मिर्जापुर स्टेशन पहुंचते ही डॉ. वीके सिंह एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा महिला यात्री की प्राथमिक जांच की गई तथा उसकी स्थिति के अनुसार आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। महिला यात्री की स्थिति को देखते हुए उसे आगे के उपचार के लिए रेलवे की एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजने की व्यवस्था की गई। रेलवे कर्मचारियों ने पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ महिला यात्री और उसके साथ मौजूद परिजनों की सहायता की। समय पर की गई त्वरित कार्रवाई एवं उपलब्ध कराई गई चिकित्सा सुविधा से महिला यात्री को आवश्यक उपचार के लिए सुरक्षित रूप से अस्पताल पहुंचाया गया।

सपा जिलाध्यक्ष के भाई समेत तीन पर मुकदमा दर्ज

समृद्धि न्यूज,प्रतापगढ़।

मानिकपुर थाना पुलिस ने समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव के छोटे भाई दीपक यादव समेत तीन लोगों के खिलाफ रास्ता रोकने, गाली-गलौज करने, मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज किया है। पीड़ित उत्कर्ष मिश्रा के मुताबिक, 7 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे जब वह ब्रेजा कार से करेटी घाट से लौट रहे थे, तभी मऊदारा गांव में दीपक यादव और उसके दो साथियों ने मोटरसाइकिल अड़ाकर उनका रास्ता रोक लिया और पुराने केस को लेकर गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि दीपक ने साथियों से कट्टा मंगवाकर गोली मारने और मुकदमा वापस न लेने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। इसी बीच मौके पर पहुंची दीपक की मां और पत्नी उसे समझा-बुझाकर घर के अंदर ले गईं, जिसके बाद उत्कर्ष वहां से निकल पाए। उत्कर्ष का कहना है कि आरोपी इससे पहले भी दो बार पिस्टल सटाकर उन्हें धमकी दे चुका है।

यह मामला आरोपियों के मजबूत राजनीतिक बैकग्राउंड के चलते खासा चर्चा में है। आरोपी दीपक का भाई छविनाथ यादव सपा का प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष है और वर्तमान में कासगंज जेल में बंद है। वहीं, उसका दूसरा भाई गुलशन यादव कुंडा का पूर्व चेयरमैन है।

सपा मुखिया के ट्वीट पर हरकत में आया प्रशासन

- चार दिन बाद प्रशाशन ने जारी किया बयान
- सदर तहसील के पलहीपुर गांव से जुड़ा मामला

समृद्धि न्यूज,सुल्तानपुर।

जन्माष्टमी के दिन सरकारी जमीन पर पक्का चबूतरा बना कर मूर्ति स्थापित करके पूजा अर्चना की योजना बना रहे गांववासियों के खिलाफ पुलिस ने नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।मामले की खबर को सपा मुखिया के ट्वीट के बाद जिला प्रशासन द्वारा सफाई पेश करते हुए बयान जारी किया है।

मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के पलहीपुर ग्राम पंचायत के महेदवा गांव से जुड़ा है।जहां आरोप है कि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा गोरेलाल यादव द्वारा अपने सहयोगियों के साथ मिलकर गांव की सरकारी जमीन पर 03 सितम्बर की रात में पक्के चबूतरे का निर्माण करके भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति रखकर जन्माष्टमी की पूजा अर्चना की तैयारी में लगे थे।

जिसकी जानकारी गांव के विपक्षियों द्वारा 04 सितम्बर को प्रशासन को दी गई।सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायत पर एसडीएम सदर गरिमा सौनकिया ने नायब तहसीलदार कुड़वार धर्मेंद्र यादव को पुलिस टीम के साथ मौके पर भेजा।मौके पर पहुंची पुलिस व राजस्व टीम ने प्रधान प्रतिनिधि को सरकारी जमीन खाली करने का निर्देश दिया।जिस पर एसडीएम के अनुसार प्रधान प्रतिनिधि ने अपने साथियों के साथ मूर्ति को मौके से हटा लिया और जो चबूतरे का निर्माण किया था उसे जमींदोज कर दिया।प्रशाशन द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा व कार्यक्रम की अनुमति न देने के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए।और सनातन धर्म मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए भंडारे की सामग्री को जमीन पर फेंककर वीडियो वायरल करा दिया।वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए नगर कोतवाली पुलिस ने प्रधान प्रतिनिधि गोरेलाल यादव सहित सहयोगियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। मंगलवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा इस मामले की एक खबर को टैग करके ट्वीट किया गया कि सुल्तानपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कुछ वर्चस्ववादियों ने जिस तरह जन्माष्टमी के आयोजन में बाधा अड़चन डालकर पूजा अर्चन का खंडन किया है वह किसी समुदाय की आस्था पर प्रहार ही नहीं पाप भी है अपराध भी है।मामले में उन्होंने उच्च स्तरीय जांच की मांग के साथ घटना के पीछे सत्ता सजातीय होने का अहंकार का भी आरोप लगाया है।

सपा मुखिया के ट्वीट के बाद पूरे मामले पर एसडीएम गरिमा सौनकिया ने सफाई देते हुए बताया कि सरकारी जमीन पर चबूतरा बनाकर मंदिर बनाने की आड़ में अवैध अतिक्रमण किया जा रहा था जिसे पुलिस व राजस्व टीम ने मौके पर पहुंचकर आयोजन कर्ताओं से हटवाया था।प्रसाद पुलिस व प्रशाशन के हटने के बाद आयोजकों द्वारा स्वयं फेंका गया था।साथ ही सनातन धर्म विरोधी नारे भी लगाए गए है।जिसमे नगर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है।सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

जल प्रभावितों से मिले राहुल गांधी लोगों ने दिया ज्ञापन

- महराजगंज पुलिस चौकी तिराहे पर लोगों ने किया स्वागत

समृद्धि न्यूज महराजगंज-रायबरेली।

रायबरेली जनपद की बछरावा सीमा के लाही बार्डर से राहुल गांधी का काफिला मंगलवार को हलोर पहुंचा जहाँ ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सच्चिदानंद त्रिपाठी की अगुवाई में सैकड़ो लोगो ने नेता प्रतिपक्ष का स्वागत किया।

वहां से निकल जैसे ही राहुल गांधी का काफिला कोटवा मदनिया मोड़ पर पहुंचा जहाँ मौजूद जलप्रभावितों लोगों को देख कांग्रेस नेता एवं जिले के सांसद राहुल गांधी ने अपना

जनप्रतिनिधियों से मिलते सांसद राहुल गांधी

काफिला रोक दिया। जिस पर गांव के अनुपम जायसवाल ने ज्ञापन देते हुए पूरे क्षेत्र के बाढ़ ग्रस्त होने की जानकारी सांसद को दी तथा तीन किलोमीटर रोड की मांग की। जिस पर राहुल गांधी ने यह मुद्दा दिशा की बैठक में उठाने का आश्वासन एवं हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। करीब 6 बजे शाम राहुल गांधी के काफिले के महराजगंज पहुंचने पर पुलिस चौकी तिराहे पर बड़ी संख्या में राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव सुशील पासी के समर्थक एवं स्थानीय लोग उनकी एक झलक पाने को बेकाबू नजर आए जिस पर प्रशासन को भीड़ को रोकने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर कस्बे के समाजसेवी एवं सभासद प्रतिनिधि अमित त्रिपाठी ने बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा राहुल गाँधी को भेंट की।

इस दौरान हाजी जियाउल हक, मो. उमर, रामअचल मौर्या, शांतनु मौर्या, अर्जुन पासी, विचित्र चौधरी, अजमल खान, भगवान दीन फौजी, नरेंद्र बहादुर सिंह (फौजी) समेत सैकड़ो की तादात में लोग मौजूद रहे। उधर राहुल गांधी देर शाम सर्राफ व्यापारी फाना त्रिवेदी की आवास पर पहुचे। फाना त्रिवेदी के अनुज के देहान्त पर उनके परिवार से मिल कर शोक सम्वेदना प्रकट किया। उसके बाद उनका काफिला भुएमऊ गेस्ट हाउस के लिए रवाना हुआ।

जमीन कब्जे के विवाद में हुआ जानलेवा हमला, 21 पर केस दर्ज

समृद्धि न्यूज,प्रतापगढ़।

कोतवाली पट्टी क्षेत्र के रायगढ़ गांव में जमीन पर अवैध कब्जे की नीयत से घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पट्टी पुलिस ने 21 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायगढ़ निवासी पीड़ित अकबर अली (48) पुत्र इसराइल के अनुसार, 21 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 7 बजे आरोपी गोलबंद होकर उनकी जमीन पर कब्जा करने पहुंचे और करीब 20 साल पुराने मकान, टीनशेड तथा दीवार को ढहाने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडे, भाला और सरिया से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे अकबर अली गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। इसके अलावा घर के सामान में तोड़फोड़ कर बाहर फेंकने से लगभग 20 हजार रुपये का नुकसान हुआ।

परिजन घायल को तुरंत सीएचसी पट्टी ले गए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ और फिर प्रयागराज रेफर कर दिया गया। पीड़ित का आरोप है कि घटना के दिन सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिसके बाद उन्होंने एसपी, डीएम और मुख्यमंत्री को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई।

नैनी में गोदाम से 35 बोरी पटाखे बरामद, दो गिरफ्तार

समृद्धि न्यूज, प्रयागराज।

कौशाम्बी में हुई पटाखा घटना के बाद नैनी पुलिस ने अवैध पटाखा कारोबार के खिलाफ अभियान चलाते हुए चक दोंदी इलाके में छापेमारी की। पुलिस टीम ने एक गोदाम की तलाशी के दौरान करीब 35 बोरी पटाखे बरामद किए। मौके से दो लोगों को गिरफ्तार कर पटाखों को कब्जे में ले लिया।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में चक दोंदी निवासी हसीन बाबू और मो. नसीम अहमद शामिल हैं। जिस गोदाम से पटाखे बरामद हुए, वह हसीन बाबू का बताया जा रहा है। पुलिस की जांच में सामने आया कि गोदाम में बड़ी मात्रा में पटाखे रखे गए थे। छापेमारी के दौरान पुलिस को गोदाम से एक चोरी की स्कूटी भी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार स्कूटी चोरी की है और उसके संबंध में भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि स्कूटी गोदाम में किसने और कब लाकर खड़ी की थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि त्योहारों से पहले अवैध पटाखा कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई में नैनी इंस्पेक्टर बृज किशोर गौतम, फायर ब्रिगेड प्रभारी महंथू चौधरी, एसआई राजकुमार राय, चौकी प्रभारी बलिराम, महिला उपनिरीक्षक नेहा, कांस्टेबल रेशु यादव, चांदनी समेत तमाम पुलिसकर्मी शामिल रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मानित

कुपोषित बच्चों के अभिभावकों को पोषण किट व लाभार्थियों को बांटे गए प्रमाण पत्र

समृद्धि न्यूज, रायबरेली।

मुख्यमंत्री द्वारा आज मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मभूमि अयोध्या के राजकीय इण्टर कॉलेज (जी.आई.सी.) प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, मेधावी बच्चों तथा पोषण, शिक्षा एवं महिला कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली अधीक्षिकाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही नव नियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसी क्रम में जनपद रायबरेली के सभी तहसील मुख्यालयों तथा जनपद स्तर पर सामुदायिक केन्द्र, रतापुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। कार्यक्रम के दौरान सैम श्रेणी से सामान्य श्रेणी में परिवर्तित हुए 07 बच्चों के माताध्पिता को पोषण किट देते हुए माला पहना कर अंग वस्त्र प्रदान किया गया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाली 10 कार्यकत्रियों, 07 आंगनबाड़ी सहायिकाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही महिला कल्याण विभाग की तरफ से मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के पांच लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया साथ ही 11 कन्याओं का कन्या जन्मोत्सव केक काटकर कार्यक्रम मनाया गया। जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि बाल विकास एवं पोषण से संबंधित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तभी संभव है, जब योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक समय से पहुंचे। मंच का संचालन एसएस पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी सहित सम्बन्धित अधिकारी व आगनाबाड़ी कार्यकत्री, सहायिका व महिलाये उपस्थित रही।

नकली तमंचे से पहली लूट, असली तमंचों ने पहुंचाया हवालात

- पिपरौली अंडरपास पर लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार
- लूटी स्प्लेंडर व मोबाइल के साथ तीन तमंचे व चार कारतूस बरामद

समृद्धि न्यूज,कन्नौज।

नकली तमंचे का डर दिखाकर पहली बार लूट करने निकले तीन युवकों को पुलिस ने असली तमंचों के साथ पकड़ लिया। ठठिया पुलिस ने एसओजी और सर्विलांस टीम की मदद से पिपरौली अंडरपास के पास हुई बाइक और मोबाइल लूट का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटी गई स्प्लेंडर बाइक, मोबाइल फोन, वारदात में इस्तेमाल बाइक, तीन अवैध तमंचे और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

एक सितंबर की रात पिपरौली अंडरपास के पास लोकेश से तीन बाइक सवारों ने तमंचा दिखाकर उसकी बाइक और मोबाइल लूट लिया था। पीड़ित की तहरीर पर ठठिया थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों, सर्विलांस और जमीनी सूचना के सहारे पुलिस आरोपियों तक पहुंची। मंगलवार को अंडरपास के पास चेकिंग के दौरान तीनों को दबोच लिया गया।

पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों की पहचान नरेन्द्र सिंह उर्फ श्याम, शिवम और अभिलाष राजपूत निवासी बिल्हौर, कानपुर नगर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने सुनसान स्थान पर किसी राहगीर को निशाना बनाने की योजना बनाई थी। लूट से मिलने वाले रुपये और सामान से अपने शौक पूरे करने का इरादा था। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि यह उनकी पहली वारदात थी और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। पुलिस उनके पुराने रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

सबसे दिलचस्प पहलू यह सामने आया कि आरोपियों ने पहली वारदात में नकली तमंचे का इस्तेमाल करने की बात कही, जबकि गिरफ्तारी के समय उनके पास से तीन असली अवैध तमंचे और चार कारतूस मिले। पुलिस अब इन असलहों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि आरोपियों पर लूट और अवैध असलहों के मामले में कार्रवाई की गई है। तीनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

सपा प्रदेश अध्यक्ष पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर जांच की मांग

- पूर्व सांसद की सरकारी सेवाएं बंद करने की उठाई मांग

समृद्धि न्यूज,छिबरामऊ।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के संबंध में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के मामले में पाल समाज के लोगों ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

समाज के लोगों ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि मलूक नागर द्वारा सार्वजनिक मंच से सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के संबंध में आपत्तिजनक एवं अभद्र टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। इससे पाल समाज सहित वर्गों की भावनाएं आहत होने सामाजिक सौहार्द प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषी व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। संबंधित व्यक्ति से स्पष्टीकरण अथवा माफी दिलाई जाए। भविष्य में किसी समाज या सम्मानित व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी न करने के निर्देश देने तथा पूर्व सांसद की सरकारी सेवाएं बंद किए जाने की मांग भी उठाई गई।

इस दौरान स्वदेश पाल, देवेश पाल, वीरेंद्र पाल, राजीव सिंह पाल, विवेक यादव, रामचंद्र, जितेंद्र पाल एडवोकेट, अवनीश कुमार, अंकुर पाल, सुरेंद्र पाल, अरविंद प्रताप सिंह, अमर सिंह व अभिषेक पाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पीएम पोषण योजना के तहत बच्चों को परोसे गए गर्मागर्म दाल-चावल

छिबरामऊ, कन्नौज। मंगलवार को पीएम पोषण योजना के अंतर्गत इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय कल्याणपुर में निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को गर्मागर्म दाल और चावल परोसे गए। विद्यालय के 205 बच्चों ने भोजन ग्रहण किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक पूजा पाण्डेय और सहायक अध्यापक नीतू सिंह ने भी बच्चों के साथ बैठकर पीएम पोषण योजना के तहत बनाए गए भोजन का आनंद लिया। भोजन शुरू करने से पहले बच्चों ने स्वच्छता के तहत हाथ धोए। इसके बाद विधिवत भोजन मंत्र का उच्चारण किया गया और फिर बच्चों ने भोजन करना शुरू किया। विद्यालय में पीएम पोषण योजना के तहत प्रतिदिन निर्धारित मेन्यू के अनुसार अलग-अलग पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाता है। सोमवार को बच्चों को फल और बुधवार को दूध का वितरण किया जाता है। पौष्टिक भोजन मिलने से बच्चों में खुशी दिखाई दी। बच्चे आनंदपूर्वक भोजन ग्रहण करते नजर आए। विद्यालय प्रबंधन द्वारा बच्चों को स्वच्छता और पौष्टिक आहार के प्रति भी जागरूक किया गया।

स्नातक-शिक्षक मतदाता जल्द कराएं पंजीकरण

कन्नौज। विधान परिषद आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए पात्र नागरिक जल्द पंजीकरण कराएं।

अपर जिलाधिकारी/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह जनवरी 2026 को हो चुका है। इसके बाद नाम जोड़ने और संशोधन की प्रक्रिया सतत जारी है। जिले में वर्तमान में 6,978 स्नातक और 1,811 शिक्षक मतदाता पंजीकृत हैं। पात्र स्नातक फार्म-18 और शिक्षक फार्म-19 भरकर संबंधित एसडीएम कार्यालय या जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा कर सकते हैं। उन्होंने पात्र नागरिकों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए पंजीकरण कराने की अपील की गई।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को बांटे मनोनयन पत्र

- समाजवादी व्यापार सभा में संगठनात्मक कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

समृद्धि न्यूज,छिबरामऊ।

समाजवादी व्यापार सभा की मासिक बैठक मंगलवार को बीकानेर रेस्टोरेंट में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, व्यापारियों की समस्याओं और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष प्रियतेश सिंह तोमर ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र वितरित किए।

देवांग पाल को जिला सचिव, सनी को विधानसभा अध्यक्ष छिबरामऊ, विवेक प्रजापति को जिला सचिव, शुभम को नगर अध्यक्ष सौरिख तथा विपन को जिला सचिव नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए व्यापारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने और संगठन को मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष अशोक चौहान, जिला कोषाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, सपा नेता गोविंद यादव, राजीव गुप्ता, पप्पू भट्टा, सुमित, रानू कुरैशी, शिवशंकर, सतीश, योगेश, रामू, अभिषेक, राघव राजपूत, अग्नेश, रवि, धर्मेंद्र, नीतू, हैप्पी, अयान खान, देवराज शर्मा, अख्तर अंसारी, सलमान व अमन सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का संकल्प लिया।

यातायात नियमों का पालन कराने को किया जागरूक, बांटे हैंडबिल

समृद्धि न्यूज,छिबरामऊ।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देशन में मंगलवार को यातायात पुलिस ने कस्बे के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। क्षेत्राधिकारी यातायात मयंक मिश्रा एवं कार्यवाहक प्रभारी यातायात राम प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में टीएसआई अरशद अली ने पूर्वी बाईपास, सौरिख तिराहा और फर्रूखाबाद चौराहा आदि स्थानों पर वाहन चालकों व आमजन को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने लोगों से स्वयं नियमों का पालन करने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की। इस दौरान टीएसआई ने 12 सितंबर 2026 को प्रस्तावित

राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित हैंडबिल भी वितरित किए। उन्होंने बताया कि जिन वाहनों के चालान हुए हैं और अभी तक जमा नहीं किए गए हैं, वे वाहन स्वामी 12 सितंबर को न्यायालय परिसर कन्नौज में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में पहुंचकर चालानों का निस्तारण करा सकते हैं। बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले चालकों को आगे से हेलमेट पहनकर वाहन चलाने की हिदायत दी गई। अभियान में मुख्य आरक्षी अजय प्रताप, आरक्षी विनोद कुमार और होमगार्ड राजेश मौजूद रहे।

खबरें एक नजर में

मानदेय बढ़ोतरी की घोषणा से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में खुशी

छिबरामऊ, कन्नौज। तहसील के सभागार में मंगलवार को उप जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र द्विवेदी की अध्यक्षता में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की बैठक आयोजित हुई। इसमें विकासखंड छिबरामऊ, सौरिख और तालग्राम की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों व सहायिकाओं तथा महिला कल्याण विभाग की बाल सेवा योजना सामान्य के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा का स्वागत किया गया। इससे कार्यकर्त्रियों और सहायिकाओं में उत्साह देखने को मिला। विकासखंड छिबरामऊ से गीता गुप्ता, सौरिख से सुनीता कश्यप और तालग्राम से सुमन कश्यप सहित चयनित महिलाओं को सम्मानित किया गया। महिला कल्याण विभाग कन्नौज की ओर से भी लाभार्थियों को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी छिबरामऊ सीमा भारद्वाज, सौरिख की विकास भारती, सामाजिक कार्यकर्ता आशीषेश कुमार सहित करीब 80 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं। अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने और विभागीय कार्यों में सक्रियता बनाए रखने की अपील की।

बाबा नीमकरोरी की 110 वर्षीय भक्त का निधन

छिबरामऊ, कन्नौज। बाबा नीमकरोरी की अनन्य भक्त प्रेमवती पत्नी स्वर्गीय श्रीकृष्ण का 110 वर्ष की आयु में नीमकरोरी धाम में ही निधन हो गया। मूल रूप से नगर के पास रामपुर बैजू गांव निवासी प्रेमवती पिछले कई वर्षों से नीमकरोरी धाम में रहती थीं। पांचाल घाट फर्रुखाबाद में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े पुत्र डॉक्टर करन सिंह ने मुखाग्नि दी। इस अवसर पर उनके पुत्र रतन सिंह, सुघर सिंह सहित ननवेश कुमार, मोहित कुमार, रोहित कुमार, सुधीर कुमार, अनुराग कुमार, विक्रम सिंह, राजेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश आदि ने अश्रुपूरित नयनों से अंतिम विदाई दी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा में डटे 12 गोताखोर सम्मानित

- डीएम ने प्रत्येक को दिए 2,500 रुपये
- श्रावण में मेंहदी घाट पर निभाई थी अहम जिम्मेदारी?

कन्नौज। श्रावण मास में मेंहदी घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मुस्तैदी से डटे 12 गोताखोरों को मंगलवार को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रत्येक गोताखोर को 2,500 रुपये की सम्मान राशि प्रदान की। श्रावण मास में मेंहदी घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इस दौरान गोताखोरों ने विपरीत परिस्थितियों में भी सतर्कता और साहस के साथ ड्यूटी निभाई। उनकी मुस्तैदी से किसी अप्रिय घटना को टाला जा सका। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। गोताखोरों ने जिम्मेदारी और सेवाभाव के साथ ड्यूटी कर सराहनीय कार्य किया है। सम्मान से उनका उत्साह बढ़ेगा और वे भविष्य में भी इसी निष्ठा से जिम्मेदारी निभाएंगे। सम्मानित गोताखोरों ने प्रशासन का आभार जताया।

एफएलएन प्रशिक्षण का समापन, शिखा चौधरी रहीं प्रथम

- प्रशिक्षण में सीखी गई गतिविधियों को लागू करने का बीईओ ने किया आह्वान

समृद्धि न्यूज,जलालाबाद।

निपुण भारत मिशन 2.0 के तहत ब्लॉक संसाधन केंद्र जलालाबाद में चल रहे पांच दिवसीय एफएलएन एवं एनसीईआरटी पुस्तकों पर आधारित प्रशिक्षण के तृतीय बैच का मंगलवार को समापन हुआ। अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों के लिए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता कराई गई। इसमें पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय अनौगी की सहायक अध्यापिका शिखा चौधरी ने प्रथम स्थान हासिल किया। कंपोजिट विद्यालय फतेहपुर के सहायक अध्यापक साहिबे आलम द्वितीय और प्राथमिक विद्यालय मोतीपुर की सहायक अध्यापिका चांदनी बानो तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को संदर्भदाताओं ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण में शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और पाठ्यक्रम में हुए बदलावों की जानकारी दी गई है। उन्होंने प्रशिक्षण में सीखी गई गतिविधियों को विद्यालयों में लागू करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में एआरपी राकेश कुमार, रेवती रमन सिंह, जसकरन सिंह, नीशू सिंह और पूजा गुप्ता ने संदर्भदाता के रूप में भूमिका निभाई। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक

समृद्धि न्यूज,छिबरामऊ।

थाना पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत ग्राम कसावा स्थित बाबा हरिपुरी इंटर कॉलेज (बीएचपी) एवं सचिवालय में चौपाल और बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चियों को एकत्र कर उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और अधिकारों के संबंध में जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने महिलाओं को मुख्यमंत्री द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस सहायता लेने के लिए वूमेन पावर लाइन 1090, यूपी-112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा चाइल्डलाइन 1098 की जानकारी दी गई। साइबर अपराध से बचाव के लिए 1930 हेल्पलाइन नंबर के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिला उपनिरीक्षक दीपांजलि वर्मा के साथ महिला कांस्टेबल अनूपा तिवारी, कल्पना, पूनम, कीर्ति, निशा और सपना मौजूद रहीं। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं से जागरूक रहने और जरूरत पड़ने पर हेल्पलाइन का उपयोग करने की अपील की।

12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, गांव-गांव पहुंचाया जाएगा संदेश

कन्नौज। 12 सितंबर को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए मंगलवार को अभियान शुरू किया गया। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरेंद्र कुमार झा ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण व सुदूर गांवों में पहुंचकर लोगों को समझौते के आधार पर मामलों के त्वरित निस्तारण की जानकारी देगा। अभियान के तहत तिर्वा और छिबरामऊ तहसील सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम होंगे। नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम रविंद्र कुमार द्विवेदी ने अधिक से अधिक वादकारियों को लोक अदालत का लाभ दिलाने की अपील की। उन्होंने बताया कि सुलह-समझौते से समय, धन और श्रम की बचत होती है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ा, अब मिलेंगे 12 हजार

कन्नौज। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की गई है। कार्यकत्रियों को अब 12 हजार और सहायिकाओं को छह हजार रुपये मासिक मानदेय मिलेगा। साथ ही कार्यकत्रियों और उनके परिवार को पांच लाख रुपये तक कैशलेस उपचार की सुविधा दी गई है। कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इस दौरान चार लाभार्थियों को साड़ी, दो को आयुष्मान कार्ड और 10 को मानदेय के चेक देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के दो लाभार्थियों को उपहार भी दिए गए। कार्यक्रम में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया समेत अधिकारी और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

डिजिटल लाइब्रेरी से नौनिहालों की पढ़ाई हुई आसान

- ई-कंटेंट और वीडियो से ग्रामीण बच्चे सीख रहे नई तकनीक, बच्चों में बढ़ी पढ़ाई में रुचि

समृद्धि न्यूज,कन्नौज।

ग्राम पंचायतों में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के लिए पढ़ाई का नया माध्यम बन रही हैं। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के निर्देशन में शिक्षा को तकनीक से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय कपूरपुर कटरी, चौधरियापुर और गढ़िया के छात्र डिजिटल लाइब्रेरी का इस्तेमाल कर पढ़ाई और स्वाध्याय कर रहे हैं। लाइब्रेरी में उपलब्ध ई-कंटेंट, शैक्षिक वीडियो, डिजिटल पुस्तकें और विषयवार अध्ययन सामग्री से बच्चों को कठिन विषय समझने में आसानी हो रही है। पढ़ाई के प्रति उनकी रुचि और उत्साह भी बढ़ रहा है। बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि डिजिटल संसाधनों के नियमित इस्तेमाल से बच्चों में स्व-अध्ययन, खोजपरक सोच, रचनात्मकता और डिजिटल साक्षरता विकसित हो रही है। शिक्षक भी डिजिटल सामग्री को कक्षा शिक्षण से जोड़कर बच्चों को उनकी क्षमता के अनुरूप सीखने का अवसर दे रहे हैं। यह पहल ग्रामीण बच्चों को डिजिटल युग से जोड़ने की दिशा में अहम कदम है।

सुमनलता का डायट सभागार में हुआ सम्मान

समृद्धि न्यूज,छिबरामऊ।

राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर बनवारी की प्रधानाध्यापिका के सम्मान में डायट सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उपलब्धि की सराहना की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रवक्ता राजीव कुमार गंगवार ने कहा कि पुरस्कार समर्पण, नवाचार व विद्यार्थी विकास का सम्मान है। सरकारी विद्यालयों में उत्कृष्टता संभव है। बीईओ आनंद द्विवेदी ने उपलब्धि को शिक्षक समाज के लिए गौरव बताया। संचालन कर रहे शिक्षक संघ के मंत्री सत्येंद्र सिंह यादव ने कहा कि शिक्षक का वास्तविक सम्मान कार्यों से मिलता है। पुरस्कार तपस्या और समर्पण का परिणाम है। डायट प्रवक्ता शरद यादव ने उन्हें प्रेरणादायी व्यक्तित्व और शिक्षण नवाचार का उदाहरण बताया। कुलदीप यादव ने कहा कि उन्होंने विद्यालय को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया है। अच्युत त्रिपाठी ने विद्यार्थियों की सफलता को शिक्षक की पहचान बताया। अर्चना चतुर्वेदी ने महिला शिक्षकों के लिए उपलब्धि को प्रेरणादायक बताया और नेतृत्व की सराहना की। अनूप मिश्र ने उपलब्धि को शिक्षक समाज का सम्मान और प्रेरणास्रोत बताया। महेंद्र सिंह यादव ने विद्यालय विकास व अनुशासित वातावरण की प्रशंसा की। ज्ञानेंद्र सिंह यादव ने कहा कि राज्य सम्मान से क्षेत्र का मनोबल बढ़ता है और शिक्षक प्रेरित होते हैं। सुमनलता यादव ने धन्यवाद देते हुए सफलता का श्रेय स्वर्गीय सास-ससुर को दिया। इस अवसर पर, नीतू, योगेश यादव, सुशील दुबे, निधि सेंगर, मीना सिंह, अनुपम मिश्रा, नीलिमा मिश्रा, परिभाषा शुक्ला, हरेन्द्र यादव (जिला पंचायत सदस्य), मुकेश यादव, श्यामवीर शाक्य, मुनीश गुप्ता, शशिकांत शुक्ला, गौरव सिंह यादव, रोहित यादव, प्रशांत सिंह व रावेंद्र कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

गुरसहायगंज कोतवाल लाइन हाजिर ध्यानेंद्र प्रताप बने नए कोतवाल

समृद्धि न्यूज,गुरसहायगंज कन्नौज।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरसहायगंज कोतवाल अजय कुमार अवस्थी को लाइन हाजिर कर दिया है। उनके स्थान पर ध्यानेंद्र प्रताप सिंह को गुरसहायगंज का नया कोतवाल बनाया गया है। वहीं, अब तक अपराध शाखा में तैनात रहे सचिन कुमार सिंह को प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्या बोले नए कोतवाल कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त कोतवाल ध्यानेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि ÷पुलिस अधीक्षक महोदय ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। मेरी

प्राथमिकता क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना, अपराधियों पर लगाम लगाना और आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना होगा। पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाना, महिला सुरक्षा और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज, जनपद-कन्नौज

संख्या-476/न0पा0प0/2026-27 दिनांक- 08/09/2026

ई-निविदा सूचना

शासनादेश संख्या 3890/9-5/19/149सा/ 2019 दिनांक 20 सितम्बर 2019 में विहित प्राविधानों के अन्तर्गत अर्ह ठेकेदारों / फर्मों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज जनपद-कन्नौज 15वां वित्त आयोग के अन्तर्गत सामग्री क्रय करना चाहती है जिसके लिये अर्ह ठेकेदारों/फर्मों से ई-निविदाएं ई-टेण्डर पोर्टल के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं।

Tender Reference Number -2025-26/08ET

क्र.	स्टेज	तिथि	समय
1	2	3	4
1	Publishing Date	09-09-2026	09:00 AM
2	Document Download/Sale Start Date	09-09-2026	09:00 AM
3	Seek Clarification Start Date	09-09-2026	09:00 AM
4	Seek Clarification End Date	10-09-2026	02:00 PM
5	PreBid Meeting Date	10-09-2026	02:00 PM
6	Bid Submission Start Date	10-09-2026	03:00 PM
7	Bid Submission Closing Date	19-09-2026	02:00 PM
8	Bid Opening Date	19-09-2026	03:00 PM

ई-निविदा हेतु उल्लेखित कार्यों का विवरण उनकी आगणन लागत, निविदा की धरोहर राशि (EMD). निविदा मूल्य तथा समयावधि का विवरण, शर्ते व प्रतिबन्ध पोर्टल www.etender.up.nic.in पर दिनांक 09-09-2026 प्रातः 09.00 बजे से देखा जा सकता है। ई-निविदा पोर्टल पर प्रत्येक कार्य को अलग-अलग निविदा आमंत्रित की गयी है। निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में अग्रिम कार्य दिवस पर निविदाएं खोली जायेंगी।

(अनिल कुमार)
अधिशासी अधिकारी/ टेण्डर कमेटी अध्यक्ष

(मुन्नी देवी)
अध्यक्ष

डीएम-एसपी ने बाढ़ प्रभावित ग्राम व बाढ़ शरणालय का किया निरीक्षण

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर एवं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने संयुक्त रूप से तहसील कायमगंज के विकासखण्ड शमसाबाद अंतर्गत ग्राम समेचीपुर चितार तथा शमसाबाद अनाज मंडी में संचालित बाढ़ शरणालय स्थल का निरीक्षण कर जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया गया। ग्राम समेचीपुर चितार में निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रभावित लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि बाढ़ की इस आपदा की घड़ी में जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता के लिए पूर्ण रूप से तत्पर है। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि बाढ़ के खतरे को देखते हुए अपनी एवं अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें तथा प्रशासन द्वारा बनाए गए बाढ़ शरणालय स्थलों में पहुंचकर सुरक्षित स्थान पर रहें। डीएम ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने के पश्चात प्रभावित परिवारों को पट्टे की भूमि के आवंटन की कार्यवाही प्रशासन द्वारा की जा रही है, ताकि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित एवं स्थायी आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके। डीएम व एसपी ने शमसाबाद अनाज मंडी में संचालित बाढ़ शरणालय स्थल का निरीक्षण किया। डीएम ने शरणालय में रह रहे लोगों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शरणालय में रह रहे बच्चों को फल एवं बिस्किट वितरित किए। जिलाधिकारी ने बाढ़ शरणालय में बच्चों की शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शिक्षक बच्चों को नियमित पढ़ाई कराने के साथ-साथ उनके शैक्षणिक एवं बौद्धिक

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करती डीएम व एसपी

विकास से संबंधित अन्य गतिविधियों भी कराएं, जिससे विषम परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो। गर्मी के प्रभाव को देखते हुए जिलाधिकारी ने शरणालय में उपलब्ध राहत एवं आवश्यक संसाधनों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शरणालय में रह रहे प्रत्येक व्यक्ति को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। डीएम ने बाढ़ शरणालय में रहने वाले लोगों की सुविधा के लिए चलित शौचालय की स्थापना कराने तथा उसकी नियमित साफ-सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शरणालय में स्वच्छता, पेयजल, भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा प्रभावित लोगों को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन की प्राथमिकता प्रत्येक बाढ़ प्रभावित व्यक्ति की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित करना है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी कायमगंज अभिषेक वर्मा, क्षेत्राधिकारी कायमगंज अजय वर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विश्वनाथ प्रताप सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. धीरज कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिवक्ता परिषद के स्थापना दिवस में राष्ट्रभावना पर दिया जोर

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

अधिवक्ता परिषद के स्थापना दिवस पर अधिवक्ताओं का सम्मानित किया गया। फतेहगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता करते हुए अधिवक्ता समाज की एकता, गरिमा एवं न्याय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समारोह का मुख्य उद्देश्य अधिवक्ता समाज के वरिष्ठ सदस्यों के दीर्घकालीन अनुभव और न्यायिक क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान करना तथा युवा अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन करना रहा। वक्ताओं ने अधिवक्ता परिषद की स्थापना के उद्देश्यों एवं उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता परिषद अधिवक्ताओं को संगठित करने के साथ-साथ उनमें राष्ट्रभावना, सामाजिक दायित्व, नैतिक मूल्यों एवं न्याय के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करने का कार्य करती है। मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार त्रिपाठी तथा मुख्य वक्ता सत्येंद्र कुमार पाठक रहे। अध्यक्षता अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष किशोर मिश्रा ने की। उन्होंने अधिवक्ता समाज की एकता एवं संगठन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में संतोष कुमार सिंह, हरी बाबू त्रिवेदी, उमा मिश्रा, रंजन त्रिपाठी, दिवाकर द्विवेदी, गौरव मिश्रा, संजीव अग्निहोत्री, प्रभात स्वास्थ्य, भानु प्रकाश मिश्रा, अजय कुमार दुबे, शैलेश मिश्रा, अरुण तिवारी, आशीष मिश्रा, विवेक बाजपेयी, अभिषेक शर्मा, ओमप्रकाश दुबे, भईयन मिश्रा, कोमल पाण्डेय, दिलीप कश्यप, सचिन राजपूत, आशुतोष मिश्रा, आलोक यादव, सचिन, अंकित यादव, कृष्ण गोपाल पाठक, पंकज दीक्षित, अनिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

एफएलएन प्रशिक्षण में आधे शिक्षक रहे नदारद

प्रशिक्षण में मौजूद शिक्षक व शिक्षिकायें

समृद्धि न्यूज,नवाबगंज।

स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र बीआरसी पर चल रहे पांच दिवसीय मूलभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान (एफएलएन) प्रशिक्षण के तीसरे दिन शिक्षकों की भारी अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। प्रशिक्षण में कुल 50 शिक्षक-शिक्षिकाओं को शामिल होना था, लेकिन मौके पर केवल 25 शिक्षक ही उपस्थित मिले। आधे शिक्षकों के नदारद रहने से विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रशिक्षण के दौरान एआरपी सुरेश सिंह यादव, पंकज यादव, अशोक कुमार, डॉ0 अखिलेश कुमार और मुनेन्द्र कुमार ने मौजूद शिक्षकों को बच्चों में पढ़ने, लिखने तथा बुनियादी गणितीय दक्षताओं को विकसित करने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में गतिविधि आधारित शिक्षण के साथ बच्चों की सीखने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया। दोपहर करीब एक बजे खंड शिक्षा अधिकारी अमर सिंह राणा ने प्रशिक्षण स्थल का जायजा लिया। इस दौरान निर्धारित संख्या के मुकाबले करीब आधे शिक्षक ही उपस्थित मिले। बड़ी संख्या में शिक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर विभागीय स्तर पर निगरानी और अनुपस्थित शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, अनुपस्थित शिक्षकों के संबंध में विभाग की ओर से तत्काल कोई स्पष्ट कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई। इस दौरान अनुज कुमार, पुरुषोत्तम सिंह, प्रज्ञानंद, नलिनी शाक्य, देवेन्द्र सिंह समेत शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रही।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

समृद्धि न्यूज,फर्रुखाबाद। जहानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम महरूपुर बीजल में मंगलवार सुबह एक 19 वर्षीय युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार थाना जहानगंज के महरूपुर बीजल निवासी तेज सिंह की 19 वर्षीय पुत्री सौम्या मंगलवार सुबह घर में बने भूसे वाले कमरे में गई थी। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं आई, तो परिजनों को आशंका हुई। परिजनों ने जब मौके पर जाकर देखा, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। अनहोनी की आशंका में परिजनों ने कमरे की दीवार तोड़ी और अंदर दाखिल हुए, जहां सौम्या का शव दुपट्टे के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही जहानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाया और आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने फिलहाल आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं की है और न ही किसी पर कोई आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रोते बिलखते परिजन

डॉ. जितेंद्र सिंह यादव ने फखरपुर गांव के बाढ़ पीड़ितों को दी नाव

समृद्धि न्यूज,अमृतपुर।

193 विधानसभा क्षेत्र अमृतपुर में बाढ़ की भीषण विभीषिका ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बाढ़ के तेज बहाव में क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें कट चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों का संपर्क कट गया है और आवागमन का कोई साधन न होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी क्रम में फखरपुर गांव के बाढ़ पीड़ितों ने जब अपनी इस आपबीती और आवागमन की समस्या से समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव व अमृतपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ0 जितेंद्र सिंह यादव को अवगत कराया, तो उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल कदम उठाया। डॉ0 जितेंद्र सिंह यादव ने ग्रामीणों की समस्या को प्राथमिकता पर लेते हुए फखरपुर के निवासियों को तुरंत बुलाया और उन्हें आवागमन के लिए अपनी तरफ से एक नाव प्रदान की, ताकि ग्रामीण सुरक्षित रूप से आ-जा सकें। इस दौरान बाढ़ पीड़ितों की मदद और नाव सौंपने के समय जदुवीर यादव, विवेक यादव, अशोक यादव, विमलेश, ब्रह्मपाल, अजयपाल समेत कई स्थानीय लोग मौजूद रहे। ग्रामीणों ने इस संकट की घड़ी में तुरंत सहायता पहुंचाने पर डॉ. जितेंद्र सिंह यादव का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों को नाव सौंपते डॉ. जितेन्द्र सिंह यादव

खबरें एक नजर में

जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद महिला की मौत

लोहिया अस्पताल में बैठे परिजन

फर्रूखाबाद। शहर के एक निजी नर्सिंग होम में प्रसव के दौरान लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। जहां ऑपरेशन से जुड़वा बच्चों को जन्म देने के कुछ ही घंटों बाद एक प्रसूता की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हरदोई जनपद के सवायजपुर थाना क्षेत्र निवासी अभिषेक जोशी ने बताया कि उनकी बहन अंजलि की शादी वर्ष 2024 में फर्रुखाबाद के नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित गनीपुर जोगपुर निवासी अमन के साथ हुई थी। सोमवार सुबह 3 बजे अंजलि को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर ससुरालजन उसे शहर के एक निजी नर्सिंग होम ले गए। नर्सिंग होम में डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर डिलीवरी कराई, जिसमें अंजलि ने दो स्वस्थ जुड़वा बेटों को जन्म दिया। हालांकि, डिलीवरी के कुछ ही देर बाद अंजलि का अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया। परिजनों के अनुसार, बच्चेदानी में जटिलता आने के कारण नर्सिंग होम के डॉक्टरों ने दूसरा ऑपरेशन भी किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार होने के बजाय स्थिति और बिगड़ती चली गई। आरोप है कि शाम करीब 8 बजे हालत अत्यधिक गंभीर होने पर नर्सिंग होम संचालक ने एम्बुलेंस बुलाकर परिजनों को मरीज को ले जाने के लिए कह दिया। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना देने के बाद देर रात करीब 2 बजे भाई अंजलि को लेकर डॉ. राममनोहर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे, जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने उसे परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं परिजनों ने नर्सिंग होम पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन से शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान

फर्रुखाबाद। मंगलवार को आवास विकास स्थित भाजपा कार्यालय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से प्रारंभ होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर जिला कार्यशाला का आयोजन जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिला संगठन प्रभारी एवं पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिवमहेश दुबे ने अभियान की रूपरेखा एवं आगामी कार्यक्रमों के संबंध में कार्यकर्ताओं को विस्तार से जानकारी दी। बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प एवं सेवा को समर्पित सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत कुल 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में घर-घर दीप प्रज्वलन, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, नमो सेवा गाथा के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, आंगनबाड़ी बहनों के सम्मान के लिए आंगन का उत्सव, हर शक्ति केंद्र पर 10 लाभार्थियों के साथ कहानी बदलाव की कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने कहा कि अभियान के सभी 13 कार्यक्रमों के लिए संयोजक एवं सह-संयोजक नियुक्त किए गए हैं। संचालन अमरदीप दीक्षित ने किया। इस अवसर पर डॉ0 बीके गंगवार, सांसद मुकेश राजपूत, विधायक सुशील शाक्य, पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल, हिमांशु गुप्ता, गोपाल राठौर, जीतेन्द्र सिंह, संजीव गुप्ता, संदेश राजपूत, सुशील राजपूत, अनुराग सिंह, बबिता पाठक, श्वेता दुबे, हिना दवे, प्रतिभा राजपूत, रमला राठौर, किरण सिंह, रश्मि दुबे, शशांक शेखर मिश्रा,मयंक सिंह बुंदेला, शिवांग रस्तोगी, अभिषेक बाजपई मौजूद रहे।

> 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होंगे 13 प्रमुख कार्यक्रम

रामेंद्र कटियार का निर्विरोध अध्यक्ष बनना तय

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

तहसील सदर वार एसोशिएशन चुनाव रोचक मोड़ पर आ गया है। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी राजीव सिंह चौहान ने पर्चा वापस ले लिया है, जिससे रामेंद्र कटियार उर्फ रामू का निर्विरोध अध्यक्ष होना तय हो गया है। वहीं सदस्य पर दो सदस्यों ने पर्चा वापस लिया है। मंगलवार को तहसील सदर वार एसोशिएशन चुनाव में पर्चा वापसी के दिन चुनाव रोचक मोड़ पर आ गया। अध्यक्ष पर के प्रत्याशी राजीव सिंह चौहान ने अपना पर्चा वापस ले लिया है। आपको बता दे कि वार एसोशिएशन तहसील सदर चुनाव में अध्यक्ष के दो प्रत्याशी रामेंद्र कटियार उर्फ रामू एवं राजीव सिंह चौहान ने नामांकन किया था। जिसमें से राजीव सिंह चौहान ने अपना पर्चा वापस ले लिया है। वहीं नौ सदस्यों में से दो सदस्य पद के प्रत्याशी शिव मंगल सिंह व संजय कटियार ने अपना पर्चा वापस ले लिया है। अध्यक्ष पद का पर्चा वापस होने से तहसील सदर का चुनाव अब और भी रोचक हो गया है। सचिव पद पर कांटे की टक्कर बताई जा रही है। जिसमें ओम प्रकाश दुबे उर्फ ओमू व रविनेश चंद्र यादव आमने सामने है। वहीं संयुक्त सचिव पद पर त्रिकोणीय मुकाबला है, जिसमें अमित यादव, हेमराज सिंह, अतुल शाक्य प्रत्याशी है। वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए राजीव यादव व जगवीर कुशवाह चुनाव लड़ रहे है। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए विकास सक्सेना व होशियार सिंह यादव आमने सामने है। कोषाध्यक्ष पद के लिए सुनील कुमार सक्सेना व राजेश कुमार वर्मा चुनाव लड़ रहे है। आडिटर और पुस्तकालय के लिए एक एक नामांकन था जिसमें दोनों प्रत्याशियों उमेश कुमार सारस्वत व संतोष कुमार राजपूत का निर्विरोध होना तय है। वहीं सदस्य पद पर नौ प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल किया था, जिसमें से दो प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। अब अन्य सभी सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन तय है। चुनाव अधिकारी उमाशंकर कटियार ने बताया कि राघव शुक्ला, अरविंद कुमार, अभिनय गुप्ता, रुकमंगल सिंह, सुधीर सक्सेना, मनोज यादव, सर्वेश कुमार, सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन तय है, वहीं अध्यक्ष पद के रामेंद्र कटियार उर्फ रामू का निर्विरोध निर्वाचन तय है। तहसील वार एसोशिएशन चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित रामेंद्र कटियार होने के ओम प्रकाश दुबे, अनूप कटियार, विपिन यादव, दिलीप कश्यप, स्वदेश दुबे, अतुल मिश्रा, अनुपम राजपूत, विकाश सक्सेना, रविनेश यादव आदि ने बधाई दी है।

रामेन्द्र कटियार को बधाई देते अधिवक्ता

> तहसील सदर बार एसो. का होना है चुनाव

पूजन करते डॉ. राजीव पाठक व विनीता पाठक आदि

श्रीमद्भागवत कथा ने हवन-पूजन के साथ पाया विराम

समृद्धि न्यूज,फर्रुखाबाद। क्षेत्र में पिछले सात दिनों से चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का वैदिक मंत्रोच्चारण, पूर्ण आहुति और विशाल हवन-पूजन के साथ भव्य समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। भैरोघाट स्थित ऐतिहासिक कालेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण में माँ गंगा के पावन सम्मुख श्रीमद्भागवत कथा ने आठवें दिन हवन पूजन व भण्डारे के साथ विराम पाया। कथा व्यास पंडित अम्बुज त्रिपाठी महाराज ने भक्तों को कथा का श्रवण कराया। मुख्य रुप से नगर के प्रमुख समाजसेवी डॉ. राजीव कुमार पाठक एवं उनकी धर्मपत्नी विनीता पाठक ने हवन पूजन में भाग लिया। विधि विधान से आचार्य द्वारा हवन पूजन सम्पन्न हुआ। देर शाम तक भण्डारा चलता रहा। दूर दराज से आये भक्तों व स्थानीय लोगों ने भण्डारा छका। इस लोग बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री व केंद्रीय कानून मंत्री को भेजा ज्ञापन

फर्रुखाबाद, समृद्धि न्यूज। जनपद न्यायालय एवं कलेक्ट्रेट के अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री व केंद्रीय कानून मंत्री को 14 सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के हित तथा सुरक्षा के लिए प्रमुख मांगें उठाई गई हैं। देशभर में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने और अधिवक्ताओं व उनके परिजनों के लिए 20 लाख तक के अनिवार्य स्वास्थ्य बीमा की मांग की गई। मकान, भूमि और वाहन खरीदने के लिए बिना ब्याज ऋण की व्यवस्था तथा जूनियर वकीलों को 5 साल तक 10,000 मासिक भत्ता देने का सुझाव दिया गया। मृत्यु या 65 वर्ष की आयु पूरी होने पर अधिवक्ता कल्याण निधि की सहायता राशि बढ़ाकर 20 लाख करने तथा 75 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ वकीलों को 20 लाख की एकमुश्त सहायता देने की बात कही गई। महिला अधिवक्ताओं के लिए विश्राम कक्ष, शौचालय और न्यायालयों में आधुनिक चेंबर निर्माण हेतु तुरंत बजट आवंटित करने की मांग की गई। शिक्षक एमएलसी की तर्ज पर अधिवक्ता एमएलसी सीट रिजर्व करने, भारतीय परिवेश के अनुसार ड्रेस कोड बदलने और वरिष्ठ अधिवक्ताओं का एक आयोग गठित करने की मांग रखी गई। इस दौरान पूर्व जिला महामंत्री डॉ0 प्रभात कुमार अवस्थी, लालमन यादव, अनिल कुमार, अभिषेक मिश्रा, अनुराग शुक्ला, शिवम सहित संघ के कई वरिष्ठ अधिवक्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

हाईटेंशन लाइन के नीचे बन रहा ब्लॉक सभा कक्ष

▸ परिसर में आवारा कुत्तों का आतंक

समृद्धि न्यूज,नवाबगंज।

ब्लॉक परिसर में प्रशासनिक और विभागीय लापरवाही की एक बड़ी तस्वीर सामने आई है। यहां नियमों को ताक पर रखकर एक सभा कक्ष का निर्माण कराया जा रहा है, जिसके ठीक ऊपर से खतरनाक हाई टेंशन विद्युत लाइन गुजर रही है। निर्माण कार्य छत तक पहुंच चुका है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की नींद अब तक नहीं खुली है। ब्लॉक परिसर में बन रहे इस सभा कक्ष के निर्माण कार्य में निम्न स्तर की सामग्री के इस्तेमाल के गंभीर आरोप भी लग रहे हैं। सबसे बड़ी लापरवाही यह है कि कक्ष के ठीक ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन बिजली की लाइन को हटाने के लिए पूर्व खंड विकास अधिकारी द्वारा जुलाई माह में ही उपखंड अधिकारी नवाबगंज को पत्र लिखा गया था। इसके बावजूद बिजली विभाग और ब्लॉक प्रशासन की उदासीनता के चलते लाइन को नहीं हटाया गया, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

मौजूदा खंड विकास अधिकारी राधेश्याम ने बताया कि उन्होंने लगभग 10 दिन पहले ही नवाबगंज का चार्ज संभाला है, इसलिए उन्हें निर्माण की पूरी जानकारी नहीं है। सहायक लिपिक से मिली जानकारी के अनुसार, यह कक्ष उत्तर प्रदेश अभियंत्रण एवं सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ द्वारा बनवाया जा रहा है, हालांकि वह इसकी कुल लागत से अनजान हैं। एक तरफठेकेदार द्वारा मानकों की अनदेखी की जा रही है, तो दूसरी तरफजिम्मेदार अधिकारी अनजान बने हुए हैं। वहीं पूरा कार्यालय आवारा कुत्तों का स्थायी बसेरा बन गया है।

ब्लॉक कार्यालय के सामने सड़क पर आवारा जानवरों का जमावड़ा राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से अभियान चलाकर इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

हाईटेंशन लाइन के नीचे हो रहा निर्माण कार्य

डीएवी इं.कॉ. रजलामई में जनपद स्तरीय योगासन प्रतियोगिता संपन्न

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

डीएवी इण्टर कालेज रजलामई में जनपद स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग (14, 17, 19 वर्ष आयु वर्ग) के बालक एवं बालिकाओं ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता के माध्यम से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन आगामी मंडल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रधानाचार्य सुलभ कुमार ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता को शुरू करवाया। संचालन भुवनेश कुमार ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की अहम भूमिका घनश्याम बिन्द ने निभाई। इस अवसर पर शिक्षक संजीव कुमार गंगवार, नेहा भारद्वाज, कृष्ण, राजेन्द्र कुमार शर्मा, शुभदीप मुखर्जी, मनोज कुमार, सुरेश विश्नोई, संजय गिरि आदि उपस्थित थे। विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित इस प्रतियोगिता के विजेता बालिका सीनियर वर्ग अंडर-19 में प्रथम स्थान पर आकांक्षा डीएवी इंटर कॉलेज रजलमई व द्वितीय स्थान पर लवली और तृतीय स्थान पर जयन्ती रहीं। बालक सीनियर वर्ग अंडर-19 में प्रथम स्थान आयुष डीएवी इंटर कॉलेज रजलमई व द्वितीय स्थान नैतिक शाक्य भारतीय पाठशाला इंटर कॉलेज और तृतीय स्थान आशुतोष श्रीवास्तव भारतीय पाठशाला इंटर कॉलेज ने प्राप्त किया। बालिका जूनियर वर्ग अंडर-17 में प्रथम स्थान काजल डीएवी इंटर कॉलेज रजलमई और द्वितीय स्थान प्रियांशी ने प्राप्त किया। बालक जूनियर वर्ग अंडर-17 में प्रथम स्थान नितिन जनता इंटर कॉलेज रसीदाबाद व द्वितीय स्थान आशू व नितिन कुमार और तृतीय स्थान ने हासिल किया। बालिका सब-जूनियर अंडर-14 में प्रथम स्थान पर आरती रहीं। बालक सब-जूनियर अंडर-14 में प्रथम स्थान श्रेष्ठ भारतीय पाठशाला इंटर कॉलेज व द्वितीय स्थान रितिक और तृतीय स्थान संकल्प को मिला।

मेडल व प्रमाण पत्र के साथ विजेता विद्यार्थी

बराकेशव के किसानों का उत्पीड़न नहीं होगा बर्दाश्त : राजपाल शर्मा

नवाबगंज। ब्लॉक मोहम्मदाबाद के ग्राम सभा बराकेशव में चकबंदी विभाग द्वारा किसानों महिलाओं पर एफआईआर दर्ज करवाकर किसानों के उत्पीड़न को लेकर चल रहे अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन का 16वाँ दिन प्रदेश अध्यक्ष राजपाल शर्मा ने पहुंचकर कहा कि मैं इस जनपद के उच्च अधिकारियों से कहना चाहता हूं कि ग्राम सभा बराकेशव के किसानों की जमीनों का अधिग्रहण होना है तो फिर जिला प्रशासन को इतनी जल्दी क्या चकबंदी की, पहले लिंक एक्सप्रेसवे में जिन किसानों की जमीनों का बैनामा कराया है, क्या चकबंदी विभाग उन किसानों का मालिकाना हक बदल देगा, चकबंदी विभाग किसानों को आपस में लड़ाना चाहता है और इस लड़ाई में कमाई भी करना चाहता है। 11 सितंबर को वापस आऊंगा तब तक जिला प्रशासन के अधिकारी इस प्रकरण का हल निकाल ले, नहीं जब वापस आएंगे तब बड़ा फैसला करेंगे। इस दौरान जिलाध्यक्ष अजय कटियार, दीपसिंह यादव, अफरोज मंसूरी, अरविंद शाक्य, राजवीर सिंह, ओमप्रकाश सिंह, कृष्ण गोपाल मिश्रा, ब्रजेश गंगवार, गोपी शाक्य, अभय यादव, अरविंद गंगवार, अनुज राजपूत, बिजनेश यादव, सुग्रीव पाल, राजेश गंगवार, टिंकू यादव, रामनरेश यादव, सत्येंद्र यादव, पप्पू यादव उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं का मानदेय बढ़ा

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

बाल विकास परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सहायिकाओं, लाभार्थियों एवं उनके अभिभावकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन द रॉयल जे.जे.आर. पैलेस फतेहगढ़ में किया गया। बाल विकास परियोजना कमालगंज, शहर, मोहम्मदाबाद एवं बढ़पुर की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार गौड़, जिला विकास अधिकारी एस.के. तिवारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनील कुमार श्रीवास्तव, जिला प्रोबेशन अधिकारी अनिल चन्द्र तथा बाल विकास परियोजना अधिकारियों उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय में 50 प्रतिशत वृद्धि किए जाने की घोषणा की गई। जनपद स्तर पर सैम श्रेणी से सामान्य श्रेणी प्राप्त करने वाले 07 बच्चों एवं उनके माता-पिता को उपचार, शॉल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य एवं विकास में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 07 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक भी वितरित किए गए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर, सांसद मुकेश राजपूत, अमृतपुर विधायक सुशील शाक्य आदि मौजूद रहे।

बालिका को सम्मानित करते सांसद, विधायक व डीएम आदि

अन्नू टंडन ने किया 95 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

समृद्धि न्यूज,उन्नाव।

समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व सांसद अन्नू टंडन द्वारा विगत 26 वर्षों से उन्नाव जनपद में सेवानिवृत्त होने वाले प्राथमिक, माध्यमिक एवं महाविद्यालय स्तर के शिक्षकों के सम्मान में आयोजित होने वाली परंपरा को इस वर्ष भी पूरी गरिमा और भव्यता के साथ निभाया गया।

उन्नाव स्थित विशाल कॉन्टिनेंटल में आयोजित सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए, लगभग 95 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शाल, स्मृतिचिह्न, पेन सेट एवं डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथियों द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी एवं मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक नेता कमलेश नाथ अवस्थी जी ने की।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व सांसद अन्नू टंडन जी ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देने का कार्य नहीं करता, बल्कि वह समाज और राष्ट्र के चरित्र का निर्माण करता है। सेवानिवृत्ति शिक्षक के जीवन को पूर्णविराम नहीं, बल्कि उनके अनुभवों और ज्ञान को समाज के साथ साझा करने की नई शुरुआत है। उन्नाव के शिक्षकों ने पीढ़ियों को संस्कार, ज्ञान और दिशा देने का कार्य किया है।

पिछले 26 वर्षों से शिक्षकों के सम्मान की यह परंपरा इसी कृतज्ञता और सम्मान की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान वास्तव में उस ज्ञान, संस्कार और सेवा का सम्मान है, जिसके आधार पर समाज आगे बढ़ता है। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षक नेता कमलेश नाथ अवस्थी जी ने कहा कि शिक्षक समाज का सबसे महत्वपूर्ण मार्गदर्शक होता है। एक शिक्षक अपने सेवाकाल में हजारों विद्यार्थियों का भविष्य बनाता है और उसके संस्कारों का प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक रहता है। सेवानिवृत्ति के बाद भी शिक्षक का ज्ञान और अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर होता है।उन्होंने कहा कि अन्नू टंडन जी द्वारा लगातार 26 वर्षों से सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा शिक्षक समाज के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की अनूठी मिसाल है।

स्वास्थ्य शिविर में 200 मरीजों का हुआ परीक्षण

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

ग्रामीणों का परीक्षण करते चिकित्सक

समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं 193-अमृतपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ. जितेन्द्र सिंह यादव जनसेवा संकल्प अमृतपुर के तत्वाधान में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने के उद्देश्य से एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ग्राम चपरा में लगाया गया।

जिसमें बड़ी संख्या में आसपास के ग्रामीण लाभान्वित हुए। शिविर के दौरान क्षेत्र के करीब 200 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें चिकित्सकों के परामर्शानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में अनुभवी चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. अतिफहुसैन, डॉ. पंकज यादव, डॉ. आदर्श यादव, डॉ. आर्यन यादव, डॉ.आयुष यादव, डॉ.जीतू शाक्य, डॉ. विपिन राजपूत शामिल रहे। डॉक्टरों की टीम ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श और सावधानियां बरतने की सलाह दी। आयोजकों ने बताया कि ग्रामीण अंचल के जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना उनका मुख्य उद्देश्य है और भविष्य में भी इस तरह के जनहित शिविरों का आयोजन लगातार जारी रहेगा। इस मौके पर स्थानीय लोग और ग्रामीणवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

नगरीय स्वास्थ केंद्र पर डायरिया रोकथाम की दी जानकारी

समृद्धि न्यूज,फर्रुखाबाद। बारिश और उमस के इस बदलते मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। ऐसे मौसम में जरा सी लापरवाही बरतने पर बच्चे डायरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की चपेट में आसानी से आ सकते हैं। नगरीय स्वास्थ्य केंद्र साहबगंज की चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अंजली गोस्वामी ने मंगलवार को आशा कार्यकर्ताओं को पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया द्वारा डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए तैयार किए सांप-सीढ़ी खेल के पोस्टर प्रदान करते हुए कहा कि बच्चे को दिन में दो से तीन बार पानी जैसी पतली दस्त आए तो आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बच्चे को बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं, ताकि बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए। आशा कार्यकर्ताओं ने डायरिया की रोकथाम में पूरा सहयोग देने की शपथ ली।

बच्चों का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए शिक्षा जरूरी: सुशील शाक्य

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद।

अपील पत्र के साथ विधायक व अन्य अधिकारी

मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए संकल्प के कार्यक्रम में प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने के तहत विधायक सुशील कुमार शाक्य ने बाल श्रम व बाल विवाह उन्मूलन को लेकर जागरूकता अपील जारी की। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्थान दुकानों व कारखाने में नहीं बल्कि स्कूल और खेल के मैदान में होना चाहिए। सहायक श्रमायुक्त नम्रता सिंह तथा चाइल्ड राइट्स एसोसिएट जीशान अंसारी ए.वी.ए./नीति आयोग ने विधायक से संपर्क कर बाल श्रम व बाल विवाह उन्मूलन पर चर्चा कर विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों व विभाग के द्वारा संचालित योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। विधायक सुशील कुमार शाक्य द्वारा बाल श्रम व बाल विवाह उन्मूलन पर अपील तैयार कर क्षेत्र वासियों व्यापारियों एवं विभागों से बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम करना कानून अपराध है, नियमों का उल्लंघन करने पर 6 माह से 2 वर्ष तक की सजा और 20000 से 50000 तक का जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। विधायक ने दुकानदारों से वयस्कों को रोजगार देने तथा अभिभावकों से बच्चों के मजदूरी की बजाय विद्यालय भेजने का आग्रह किया। सहायक श्रमायुक्त नम्रति सिंह ने कहा किसी प्रतिष्ठान पर बाल श्रमिक दिखाई देने पर इसकी सूचना टोल फ्री नंबर 1098 व 1800-102-722 अथवा पेंसिल पोर्टल पर दी जा सकती है। चाइल्ड राइट्स एसोसिएट जीशान अंसारी ए.वी.ए./नीति आयोग ने बाल श्रम उन्मूलन के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवम्बर को बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया गया।

अखिलेश के आवाह्न पर सपा ने शुरू किया वृक्षारोपण महाभियान

समृद्धि न्यूज,फर्रूखाबाद। समाजवादी पार्टी महानगर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर महानगर क्षेत्र में 1100 वृक्ष लगाने के एक वृहद अभियान का शंखनाद कर दिया है। अभियान की शुरुआत सपा महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा ने रेलवे रोड स्थित ऐतिहासिक श्री पांडेश्वर नाथ शिवालय में बेल का पौधा रोपकर की। महानगर अध्यक्ष राघव दत्त मिश्रा ने बताया कि पार्टी आलाकमान के निर्देशानुसार पूरे जनपद में 1100 पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने इस पहल को पर्यावरण संरक्षण और शहरवासियों को स्वच्छ वायु उपलब्ध कराने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम बताया। सपा महानगर अध्यक्ष ने वर्तमान राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में आम जनता महंगाई, भ्रष्टाचार, युवाओं की बेरोजगारी और व्यापारियों के शोषण जैसी गंभीर समस्याओं से त्रस्त है। उन्होंने जनता से अखिलेश यादव को 2027 में पूर्ण बहुमत के साथ पुनः मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। इस दौरान अनूप वर्मा, दुर्गेश कुमार उर्फमोनू, रवि दीक्षित, गोपाल कुमार, सुधीर द्विवेदी, गौरव राज, दीपू शर्मा, रवि कुमार, अमित बाथम, कुलदीप राठौर, राहुल वर्मा, ओमकार शुक्ला, विकास वर्मा, छोटू शुक्ला, अमित यादव उर्फगोल्डी मौजूद रहे।

स्वाइन फ्लू की चपेट में आने से देवर-भाभी की मौत

समृद्धि न्यूज, बांगरमऊ उन्नाव।

क्षेत्र के ग्राम अटवा वैक में स्वाइन फ्लू की चपेट में आने से देवर - भाभी की मौत का मामला सामने आया है। गांव में लगातार दो मौतों से दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया और टीम ने गांव पहुंचकर मृतकों के संपर्क में रहे 16 लोगों के सैंपल लिए।

सभी सैंपल आरटी-पीसीआर जांच के लिए मेडिकल कॉलेज लखनऊ भेजे गए हैं। अटवा वैक निवासी विजय शंकर द्विवेदी घर पर ही दुग्ध डेयरी फर्म चलाते थे। बताया गया कि 47 वर्षीय विजय शंकर पुत्र सोनेलाल द्विवेदी तथा उनकी भाभी 55 वर्षीय उषा देवी पत्नी शिव शंकर लाल द्विवेदी को बीते दिनों बुखार आया था। इसके साथ ही दोनों को सांस लेने में भी परेशानी होने लगी। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने दोनों को उपचार के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच कराई। जिसमें दोनों के स्वाइन फ्लू से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। एक ही परिवार में देवर-भाभी की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

वहीं, गांव में भी संक्रमण को लेकर लोगों में भय व्याप्त हो गया। दो मौतों की जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम अटवा वैक पहुंची और मृतकों के संपर्क में आए लोगों की जानकारी जुटाई। टीम ने 16 लोगों के ब्लड सैंपल लिए और जांच के लिए मेडिकल कॉलेज लखनऊ भेज दिए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को सावधानी बरतने तथा लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए कहा गया है।

स्वाइन फ्लू के दर्ज हैं सात पॉजिटिव मामले

बांगरमऊ। सीएमओ अजय कुमार ने बताया कि पोर्टल पर स्वाइन फ्लू के सात पॉजिटिव मामले दर्ज हैं। इनमें दो मृतकों को छोड़कर अन्य सभी संक्रमित सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में स्वाइन फ्लू की जांच की सुविधा उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर केजीएमयू लखनऊ की विशेषज्ञ टीम से भी सहयोग लिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

खबरें एक नजर में

मोहम्द असलम बने उप्र अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य पद पर मोहम्मद असलम पुत्र मुस्ताक अहमद निवासी ग्राम व पोस्ट पउली ईदगाह के पास की ताजपोशी की गई है।इस दौरान मोहम्मद असलम को बधाई देने वालों का तांता लग गया।हम आपको बता दें पिछले कई वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के साथ मोहम्मद असलम जुड़े हुए हैं और अब अल्पसंख्यक आयोग में उन्हें सदस्य बनाया गया तो तमाम भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों ने व मोहम्मद असलम के शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दिया है। वही शीघ्र ही मोहम्मद असलम का स्वागत कार्यक्रम भी उनके शुभचिंता आयोजित करेंगे।

मार्ग बदहाल, बच्चे कीचड़-जलभराव में स्कूल जाने पर मजबूर

संडीला,हरदोई। विकासखंड सण्डीला की ग्राम सभा सोम के मजरा बुद्धा खेड़ा में बदहाल रास्ता ग्रामीणों की परेशानी का कारण बना हुआ है। रास्ते की स्थिति का बीडीओ द्वारा निरीक्षण किए जाने के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि जल्द ही समस्या का समाधान होगा, लेकिन निरीक्षण के बाद भी रास्ते की हालत में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते की समस्या से जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है और मौके का निरीक्षण भी हो चुका है। इसके बावजूद मरम्मत या निर्माण कार्य शुरू न होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि निरीक्षण के बाद अब कार्रवाई की बारी है। केवल समस्या को देख लेने से रास्ता ठीक नहीं होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द रास्ते को दुरुस्त कराने की मांग की है, ताकि बच्चों और ग्रामीणों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

मोहसिन रजा के अध्यक्ष बनने पर जताया हर्ष

बांगरमऊ, उन्नाव। राज्यपाल द्वारा भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश के पूर्व मंत्री मोहसिन रजा को उत्तर प्रदेश राज्य अल्प संख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाये जाने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। मंगलवार को उनके समर्थकों ने मिठाइयां बांटीं और एक-दूसरे को बधाई देते हुए खुशी का इजहार किया। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष इजहार खां गुड्डू, इशरत अली, मोहम्मद अहमद, मुनारे प्रधान, सुधीर कुमार मिश्रा, अलाउद्दीन खान बबलू, सभासद आफाक अहमद, हफीज अहमद, शानू खान, नियाज अहमद अंसारी, अकील अहमद, रेहान खान, मोहम्मद फरमान, जियाउद्दीन खान, रिफाकत मिस्त्री, कादिर कारी व अजमत सहित तमाम लोगों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कर हर्ष व्यक्त किया। सभी समर्थकों ने मोहसिन रजा के राजनीतिक सफर और अल्प संख्यकों के कल्याण के प्रति उनके समर्पण की खुलकर सराहना की। नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष इजहार खान ने कहा कि उनके अध्यक्ष बनने से समाज के पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के विकास को एक नई गति मिलेगी तथा सरकार की योजनाएं धरातल पर अधिक प्रभावी ढंग से उतर सकेंगी।

एसआई पद पर अंशुल व प्रांजल पटेल का हुआ चयन

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर के संडीला रोड स्थित आर एस पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र अंशुल पटेल एवं प्रांजल पटेल का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती में उप निरीक्षक (एस.आई.) पद पर चयन होने पर आज विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर संस्था के प्रबंधक सैय्यद रिजवान अहमद ने छात्रों का सम्मान करते हुए कहा कि यह क्षेत्र ही नही पूरे जनपद के लिए गौरव की बात है कि हमारे विद्यालय के दो छात्रों का चयन पुलिस भर्ती में उपनिरीक्षक के पद चयन पर हुआ है। प्रबंधक रिजवान अहमद ने बताया कि यह प्रसन्नता की बात है कि विद्यालय के बच्चे निरंतर सरकारी सेवा के लिए चयनित हो रहे हैं। जो अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इस अवसर पर प्रबंधक रिजवान अहमद ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार उप प्रधानाचार्य अंजू बाजपेई एवं विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की सुनी शिकायतें

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई। जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गईं तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया।स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

नॉर्थ ज़ोन शूटिंग चैंपियनशिप

राजीव कुमार सिंह ने जीता रजत पदक

समृद्धि न्यूज, कानपुर जयपुर।

45वीं नॉर्थ ज़ोन शूटिंग चैंपियनशिप-शॉटगन, जयपुर 2026 के ट्रैप इवेंट में कानपुर के राजीव कुमार सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। उन्हें पदक माननीय राज्यपाल, पंजाब के हाथों प्राप्त करने का गौरव मिला। राजीव कुमार सिंह ने आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिताओं के लिए भी क्वालीफाई किया है। उनके पुत्र पदम राज सिंह भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। उनकी बेटी कृतिका सिंह भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। परिवार ने सीमित खेल सुविधाओं और स्पोर्ट्स आर्म्स लाइसेंस की प्रक्रिया में होने वाली देरी एवं प्रशासनिक अड़चनों के बावजूद लगातार पदक जीतकर कानपुर और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। परिवार ने जिलाधिकारी, कानपुर नगर से अनुरोध किया है कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों के लंबित लाइसेंस प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र एवं समयबद्ध निस्तारण कराया जाए तथा खिलाड़ियों को आवश्यक प्रशासनिक सहयोग एवं खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। परिवार को उम्मीद है कि प्रशासन के सहयोग से ये खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर कानपुर, उत्तर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाते रहेंगे।

मजरा पितौली में धूमधाम से मनाया गया दधि उत्सव

समृद्धि न्यूज, हरदोई।

ग्राम पंचायत भरावन के मजरा पितौली में मंगलवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में दधि उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। नन्हे बाल स्वरूप भगवान श्रीकृष्ण को पूरे गांव में भ्रमण कराया गया। बाल कृष्ण के स्वरूप के घर-घर पहुंचने पर ग्रामीणों ने श्रद्धापूर्वक दर्शन कर स्वागत किया। दधि उत्सव के दौरान गांव की गलियां कृष्ण भक्ति से सराबोर नजर आईं। बुजुर्गों ने पुराने जमाने की परंपरा को जीवंत करते हुए ढोल-मंजीरा और हारमोनियम की धुन पर 'यशोदा मैया दे दे बधाई, तेरे लाल की आई सगाई' और 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' जैसे पारंपरिक भजनों की कड़ियां छेड़ीं। भजनों की मधुर धुन पर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए। वहीं नवयुवकों ने डीजे की धुन पर जमकर उत्साह दिखाया। 'राधे-राधे बोल, श्याम-श्याम बोल' जैसे कृष्ण भक्ति गीतों पर युवक थिरकते नजर आए। 'जय श्रीकृष्ण' और 'जय जय श्री राधे' के जयकारों के बीच युवाओं ने अबीर-गुलाल उड़ाकर उत्सव में रंग भर दिया। उत्सव में बच्चों ने बाल कृष्ण, भोलेनाथ, हनुमान जी समेत विभिन्न देवी-देवताओं के स्वरूप में मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

सूचना

मैं कुमार प्रमेन्दु सक्सेना पुत्र प्रमोद कुमार सक्सेना राज निवासी म0नं0-1, सुभाष नगर, बजरिया, फील्ड, जनपद फर्रुखाबाद-209625 का निवासी हूँ। मैंने अपना नाम कुमार प्रमेन्दु से बदलकर कुमार प्रमेन्दु सक्सेना कर लिया है। अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये, द्वारा शपथ पत्र संख्या-UP69717103165346Y दिनांक-8/09/2026 तहसील फर्रुखाबाद।

सूचना

मैंने अपने पुत्रों प्रवेश कुमार प्रवीन कुमार, पुत्रवधू कविता पत्नी प्रवीन, पूजा पत्नी नवीन के गलत चाल चलन के चलते अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। उन सभी के द्वारा किये गये किसी भी कृत्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा। **उर्मिला पत्नी विनोद कुमार दुबे निवासी ग्राम व पो0 मदनपुर, थाना मोहम्मदाबाद, फर्रुखाबाद।**

जल निगम शहरी व ग्रामीण योजनाओं की हुई बैठक

समृद्धि न्यूज, फतेहपुर।

जल निगम शहरी/ग्रामीण की संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट महात्मा गाँधी सभागार में सम्पन्न हुई। उन्होंने जल जीवन मिशन ग्रामीण के अंतर्गत पाइप पेयजल निर्माणाधीना परियोजनाओं एवं जल निगम शहरी की निर्माणाधीन परियोजनाओ की बिन्दुवार समीक्षा कर निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी की और सम्बंधितो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने सम्बंधित कार्यदाई संस्थाओं को निर्देशित किया कि निर्माणाधीन परियोजनाओ का निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण ढंग से ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण को निर्देश दिये जिन परियोजनाओ का कार्य पूर्ण हो चुका का स्थलीय निरीक्षण कराते हुए सत्यापन रिपोर्ट से अवगत कराये। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की माहवार चरणबद्ध कार्ययोजना बनाकर निर्माण कार्य पूरा कराये। उन्होंने अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण को निर्देश दिये कि जल संरक्षण के बारे में ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को जागरूक करें एवं जल सारथी मोबाइल ऐप डाउनलोड कराने के लिए आयोजित ग्राम चौपालो, तहसील दिवसो में अधिकारी/कर्मचारी को प्रतिभाग कराकर नागरिकों को जागरूक करें साथ ही उपनिदेशक कृषि से समन्वय बनाकर कृषको को जागरूक करें व जल सारथी मोबाइल ऐप डाउनलोड कराये। उन्होंने अधिशाषी अभियंता जल निगम शहरी को निर्देश दिये कि जिन नगर निकायो में एस.टी.पी. का निर्माण कार्य होना है हेतु संबंधित उपजिलाधिकारी से समन्वय बनाते हुए ज़मीन चिन्हित कराए। उस अवसर पर अधिशाषी अभियंता जल निगम ग्रामीण/शहरी, कार्यदायी संस्थाओ सहित संबंधित उपस्थित रहे।

बीच सड़क पेशाब करने से रोकना पड़ा भारी, कारोबारी की हत्या

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र के ओम चौराहे के पास बीच सड़क पेशाब करने से मना करना एक कारोबारी को जानलेवा साबित हुआ। विरोध करने पर आरोपियों ने कारोबारी अमित कुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने अमित की जमकर पिटाई कर दी, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना की पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची काकादेव पुलिस ने घटनास्थल की जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश में जुटी है। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद हत्या तक पहुंचने से इलाके में सनसनी फैल गई।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी नवाबगंज, फर्रु0

पत्रांक:-1562/लेखा0/ क्षेत्र पंचायत/नीति आ0 निर्माण/2026-27 दिनांक 08 सितम्बर 2026

Re e-tender Notice

एतद् द्वारा समस्त ठेकेदारों/फर्मों/सप्लायर्स को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 1354 दिनांक 14/08/2026 द्वारा जारी ई-निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है तथा यथावत नवीन ई-निविदा जारी की जाती है जो ई-टेण्डरिंग पोर्टल http://e-tender.up.nic.in पर दिनांक 18/09/2026 समय अपरान्ह 02.00 तक अपलोड जा सकती है।

(राधेश्याम)
खण्ड विकास अधिकारी,
नवाबगंज-फर्रुखाबाद

एसपीसीए में तैनात होगा चिकित्सक, पूरी होगी चयन प्रक्रिया

समृद्धि न्यूज, कानपुर नगर।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (एसपीसीए) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में रायपुरवा स्थित एसपीसीए केंद्र में पशुओं के उपचार, देखभाल एवं संरक्षण की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। एसपीसीए का प्रमुख उद्देश्य पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम के साथ घायल, बीमार एवं बेसहारा पशुओं के संरक्षण और उपचार की व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। जिलाधिकारी ने एसपीसीए केंद्र में एक पूर्णकालिक चिकित्सक की तैनाती के निर्देश दिए। चिकित्सक के चयन के लिए समिति का गठन करते हुए उन्होंने आगामी 15 दिनों के भीतर चयन प्रक्रिया पूर्ण कर तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि एसपीसीए रायपुरवा में विभिन्न प्रजातियों के कुल 252 पशु-पक्षियों का उपचार किया गया है। इनमें 76 कुत्ते, 97 गोवंशीय पशु, 8 घोड़े, 2 भैंस, 25 चील, 21 कबूतर, 3 गिद्ध, 3 मोर, एक उल्लू, 2 लंगूर, 6 बंदर, 3 बिल्लियां तथा 5 बगुले शामिल हैं। जिलाधिकारी ने एसपीसीए केंद्र को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र में अनधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश रोका जाए, ताकि वहां उपचार एवं संरक्षण के लिए रखे गए पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सीसीटीवी के माध्यम से केंद्र की गतिविधियों की नियमित निगरानी भी की जाए। पशुओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने स्कूली बच्चों को एसपीसीए केंद्र का भ्रमण कराने के निर्देश दिए।

एसपी से पीड़ित महिला ने लगाई न्याय की गुहार

समृद्धि न्यूज, फतेहपुर।

सदर कोतवाली क्षेत्र के बेरूईहार की रहने वाली चित्ररेखा पत्नी चंद्रशेखर ने पुलिस अधीक्षक के नाम दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि वह अपने घर में एक छोटी सी परचून की दुकान रखे हुए जिसके सहारे वह अपने परिवार का भरण पोषण करती है। 03 सितंबर को सुबह करीब 7 बजे पीड़िता जब अपने दुकान पर बैठी थी तभी गांव के ही कुछ लोग आ गए और पीड़िता के दुकान से लगभग आठ से दस हजार रुपए फुटकर निकाल लिया और उसके बाल पड़कर उसको अप शब्दों का प्रयोग करते हुए दुकान से बाहर खींच लाए। शोर सुनकर मौके पर उसकी जेठानी चंद्र रानी पत्नी रामचरित वहां पर आ गई और बीच बचाव करने लगी इस दौरान यह लोग इनको मारने पीटने लगे पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसको इतना मारा पीटा गया कि वह बेहोश हो गई। उसने कहा कि यह लोग अपराधिक किस्म के दबंग व्यक्ति हैं और बेवजह लोगों को परेशान करते रहते हैं। पीड़िता ने 7 सितंबर को थाना कोतवाली में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया किंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग किया है।

जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) फर्रुखाबाद

पत्रांक: 625/डूडा/निर्माण/2026-27 दिनांक 03/09/ 2026

-: अल्पकालिक ई-निविदा सूचना :-

राजकीय विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि शासन द्वारा स्वीकृत/प्राप्त धनराशि के सापेक्ष जिला निगरीय विकास अभिकरण, फर्रुखाबाद में कराये जाने वाले निर्माण कार्यों की ई-निविदायें पोर्टल https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 15/09/2026 समय 05:00 बजे से आमन्त्रित की जाती हैं। ई-निविदा को बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के प्राधिकार में निहित होगा। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड का विवरण निम्न प्रकार है।

विस्तृत शर्ते विवरण एवं निविदा प्रपत्र को वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं-

E-Bid Referance	625/डूडा/निर्माण/2026-27
Publish/Start Date and time for E-Bid	दिनांक 15/09/2026 को 05:00 बजे से दिनांक 22/09/2026 को 12:00 बजे तक
Last Date and time for Submission of E-Bid	दिनांक 22/09/2026 को 12:00 बजे तक
Date and Time of Opening Technical E-Bid	दिनांक 22/09/2026 को 01:00 बजे से
Place of opening E-Bid	डूडा फर्रुखाबाद

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/परियोजना निदेशक
डूडा, फर्रुखाबाद।

एसपी के निर्देशन में संचार व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में पहल

▸ थाना कोल्हुई में स्थापित किया जा रहा अतिरिक्त ग्रिड संचार केंद्र

समृद्धि न्यूज़, महाराजगंज।

पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन मे जनपद की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने तथा पुलिस बल के मध्य त्वरित एवं निर्बाध संचार व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक आदेशानुसार जनपद की पुलिस संचार व्यवस्था को अत्यधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से थाना कोल्हुई परिसर में एक अतिरिक्त ग्रिड (कन्ट्रोल रूम) संचार केन्द्र स्थापित किया जा रहा है। यह संचार केन्द्र 24म7 संचालित रहेगा। इस अतिरिक्त ग्रिड के माध्यम से जनपद की फरेन्दा एवं नौतनवा सर्किल के क्षेत्राधिकारी कार्यालयों तथा संबंधित थानों, चौकियों एवं फायर स्टेशन के आरटी सेट को आपस में बेहतर ढंग से जोड़ा जाएगा। इसके अन्तर्गत थाना फरेन्दा, थाना पुरन्दरपुर, थाना बृजमनगंज, थाना कोल्हुई, थाना नौतनवा, थाना सोनौली, थाना परसामलिक एवं थाना बरगदवा सहित संबंधित पुलिस चौकियों एवं फायर स्टेशन की संचार व्यवस्था को प्रभावी रूप से समन्वित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जनपद की भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है। जनपद की सीमा नेपाल राष्ट्र की अन्तरराष्ट्रीय सीमा तथा बिहार राज्य की अन्तर्राज्यीय सीमा से लगी हुई है। सीमावर्ती क्षेत्रो से लगी हुई शैडो एरिया मे भी संचार व कानून-व्यवस्था, एवं आकस्मिक परिस्थितियों में पुलिस बल के मध्य त्वरित, स्पष्ट एवं निर्बाध संचार व्यवस्था का होना अत्यंत आवश्यक है।वर्तमान में जनपद भौगोलिक रूप से विस्तृत होने के कारण जनपद के विभिन्न थानों, चौकियों, फायर स्टेशन तथा पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मोबाइल/हैण्ड हेल्ड आरटी सेट सहित विभिन्न संचार माध्यम जनपद नियंत्रण कक्ष ग्रिड से नियंत्रित किए जा रहे हैं।संचार व्यवस्था पर बढ़ते कार्यभार को देखते हुए नगर/अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष ग्रिड की स्थापना से संचार नेटवर्क को विकेन्द्रित करते हुए स्थानीय स्तर पर पुलिस टीमों के मध्य समन्वय और प्रतिक्रिया क्षमता को और बेहतर बनाया जा सकेगा। पूरे जनपद के वायरलेस संदेशों का भार एक ही संचार चैनल पर होने के कारण कई बार रेडियो ट्रैफिक बढ़ जाता है। अतिरिक्त ग्रिड के संचालन से संचार व्यवस्था का बेहतर वितरण होगा तथा मुख्य जनपदीय आवृत्ति पर अनावश्यक दबाव कम किया जा सकेगा।

कानून-व्यवस्था पर बेहतर नियंत्रण: नगर एवं संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त, निगरानी एवं कानून-व्यवस्था संबंधी गतिविधियों के दौरान पुलिस टीमों के बीच त्वरित एवं निर्बाध संवाद स्थापित रहेगा। इससे संवेदनशील परिस्थितियों में पुलिस बल की तैनाती एवं मूवमेंट को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकेगा।

व्यवधान-मुक्त एवं स्पष्ट संचार: परीक्षणोपरान्त आवंटित की गई उपयुक्त आवृत्ति एवं उपलब्ध तकनीकी संसाधनों के माध्यम से वायरलेस संदेशों के आदान-प्रदान में तकनीकी व्यवधान को कम करते हुए स्पष्ट एवं प्रभावी संवाद सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

बेहतर अन्तर-विभागीय एवं पुलिस समन्वय: कन्ट्रोल रूम, थाना स्तर, चौकी, गश्ती वाहनों एवं फायर स्टेशन के बीच सीधा एवं स्पष्ट संचार स्थापित होने से विभिन्न पुलिस टीमों के मध्य बेहतर समन्वय एवं सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान संभव होगा। इस व्यवस्था के माध्यम से फरेन्दा एवं नौतनवा सर्किल के थाना/चौकी स्तर तक संचार व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाते हुए किसी भी घटना की सूचना के त्वरित प्रसारण एवं आवश्यक पुलिस सहायता की उपलब्धता में तेजी लाई जा सकेगी। महराजगंज पुलिस द्वारा जनपद की भौगोलिक एवं संवेदनशील परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पुलिस संचार व्यवस्था को लगातार मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में किए जा रहे ।

अनुबंध कर गो आश्रय स्थलों को हरा चारा बेच सकते हैं किसान

महाराजगंज। शासन के निर्देश के तहत किसान उत्पादित हरा चारा नजदीकी गो आश्रय केंद्रों को अनुबंध कर वर्ष भर बिक्री कर सकते हैं।अनुबंध के तहत किसानों को 250 रुपए प्रति कुंतल की दर से हरा चारा का मूल्य भुगतान किया जाएगा। जनपद के वृहद गो संरक्षण केंद्र अहमदपुर हडहवा,कोर्ट कमहरिया, गो सदन मधवलिया आदि गो आश्रय स्थलों में ज्यादा संख्या में गोवंशीय पशु संरक्षित हैं।इन केंद्रों के नजदीक के किसान गो आश्रय स्थलों को ज्यादा मात्रा में हरा चारा बिक्री कर लाभान्वित हो सकते हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा.एजाज अहमद के अनुसार जनपद में चारा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा जिले के 15 किसानों को नेपियर घास बुवाई के लिए उपलब्ध कराया गया है।वही दो- दो हजार रुपये दो किस्त में सहयोग के तौर पर भुगतान किया गया है। किसान उत्पादित घास को गो आश्रय स्थलो को बिक्री कर सकते हैं।वही अन्य किसानों द्वारा भी उत्पादित हरा चारा अपने नजदीकी गो आश्रय स्थल को बिक्री कर लाभ प्राप्त किया जा सकता हैं।

जनपद के 2,199 लाभार्थियों को 43.67 करोड़ का ऋण वितरित, कारोबार को मिलेगा बढ़ावा

समृद्धि न्यूज़, महाराजगंज।

उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप यू पी आई डी एस-2026 के अंतर्गत मंडलीय स्तर पर आयोजित क्रेडिट कैंपों की श्रृंखला में आज एनेक्सी भवन, गोरखपुर में मेगा क्रेडिट कैंप का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरखपुर मंडल के आयुक्त द्वारा की गई, जबकि मुख्य अतिथि नगर निगम गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश रहे।मेगा क्रेडिट कैंप में जनपद महराजगंज के विभिन्न बैंकों द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत कुल 2,199 लाभार्थियों को 4,367.48 लाख (लगभग 43.67 करोड़) की ऋण सहायता उपलब्ध कराई गई।जनपद में योजना-वार ऋण वितरण के विवरण के अनुसार मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के 63 लाभार्थियों को 188.19 लाख,पीएम सूर्यघरके 157 लाभार्थी को 260.34लाख,मुद्रा लोन के57को 395.00लाख, ओ पी ओ डी के4 पात्रों को 23.48लाख,पीएमस्वनिधि के 28चयनितो को6.55लाख, के सी सी के1,061 लाभार्थियों को1,558.01लाख रुपये तथा अन्य योजनाओं के 857 पात्रों को 1,935.91लाख रुपये वितरित किए गए जिसके फल स्वरुप कुल 2199लाभार्थियोंको4,367.48 लाख रुपया वितरित किया गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों द्वारा लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी ऋण योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा ऋण का सदुपयोग कर स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया।महराजगंज जनपद में एक ही मेगा क्रेडिट कैंप के माध्यम से 2,199 लाभार्थियों को 43.67 करोड़ की ऋण सहायता उपलब्ध कराया जाना वित्तीय समावेशन एवं रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे कृषि, लघु व्यवसाय, स्वरोजगार एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने के साथ जनपद की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मेहनत और लगन को किया गया सम्मानित

महाराजगंज। स्थानीय विकास भवन परिसर स्थित मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में लेयर पोल्ट्री फार्मिंग के क्षेत्र में बेहतर प्रबंधन और सराहनीय योगदान देने वाले जनपद के पशुपालकों को प्रशस्ति पत्र देकर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर एजाज अहमद द्वारा सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त कार्यक्रम में कुक्कुट विकास नीति 2013 व 2022 के अंतर्गत संचालित लेयर फार्मरों को सी वी ओ द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए लेयर पोल्ट्री कारोबारियो में नवीन सिंह, इम्तियाज अहमद, शमीम अहमद, सुब्रत अली, अभिषेक दुबे, पूनम सिंह, ओ पी सिंह, रवि प्रताप सिंह, शामिल रहे। समारोह कार्यक्रम के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ विनोद कुमार विश्वकर्मा, अजय पांडे, शैलेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

खबरें एक नजर में

गैंगस्टर एक्ट में महिला अभियुक्त गिरफ्तार

महाराजगंज। पुलिस अधीक्षक शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन मे अपर पुलिस अधीक्षक जनपद महराजगंज सिद्धार्थ के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना भिटौली पुलिस द्वारा थाना भिटौली पर पंजीकृत मु.अ.सं. 141/2026 धारा 2(ख)(1), 3(1) यू.पी. गैंगस्टर एक्ट से संबंधित 15,000 रुपये की पुरस्कार घोषित/वांछित महिला अभियुक्त प्रिया देवी पत्नी डोला कुमार उर्फ कन्हैया, निवासी लक्ष्मीपुर, थाना बड़हलगंज, जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शासन दे रहा योजना लाभ

महाराजगंज। सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ तमाम योजनाएं संचालित की जा रही है। इस क्रम में संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना तथा मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना अंतर्गत आवेदन लिया जाना जारी है। श्रम परिवर्तन अधिकारी गणेश सिंह के अनुसार पंजीकृत निर्माण श्रमिक के बच्चे- बच्चियां योजना लाभ के लिए आवेदन कर लाभान्वित हो। उल्लेखनीय है कि संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को कक्षा एक से लेकर उच्च शिक्षा तक अनुदान दिया जा रहा है। इसी प्रकार मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना अंतर्गत निर्माण श्रमिकों के प्रथम दो बच्चों के लिए मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना संचालित है।जिसके तहत बच्चों को योजना लाभ प्रदान किया जाता है।

पूर्व प्रधान तारा तिवारी के निधन से शोक की लहर

भांवरकोल/गाजीपुर। क्षेत्र के सोनाड़ी गांव निवासी पूर्व प्रधान तारा तिवारी का 75 वर्ष की उम्र में आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। तारा तिवारी वर्ष 2010 से 2015 तक ग्राम प्रधान के पद पर रहीं। उनका अंतिम संस्कार सुल्तानपुर स्थित गंगा घाट पर किया गया, जहां उनके पति रमाकांत तिवारी ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में क्षेत्रीय विधायक सोहेब अंसारी उर्फ मन्नू, राघव शरण तिवारी, रमेश राय, रंजीत राय, विक्रम यादव, प्रभात मिश्रा सहित गांव एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

एसपी सहित अन्य ने दिवंगत उपनिरीक्षक को दी श्रद्धांजलि

कुशीनगर। जनपद के सेवरही थाने में तैनात उ.नि. भवानी प्रसाद पाण्डेय की असामयिक मृत्यु पर पुलिस परिवार द्वारा गहरी शोक संवेदना व्यक्त की गई तथा उन्हें अंतिम विदाई दी गई। जनपद मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन शहीद स्मारक पर मृतक उपनिरीक्षक के शव को पुलिस अधीक्षक केशव कुमार एवं अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा शोक सलामी दी गई। इसके बाद सभी ने कंधा देकर मृतक को अंतिम विदाई प्रदान की। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने मृतक उ.नि. के परिजनों से बातचीत कर उन्हें ढाढ़स बंधाया तथा आश्वासन दिया कि इस दुख की घड़ी में पूरा पुलिस परिवार उनके साथ खड़ा है। दिवंगत उ.नि. भवानी प्रसाद पाण्डेय को ईश्वर सद्गति प्रदान करें तथा उनके परिजनों व प्रियजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें, प्रार्थना की गई।

दो तिहाई बहुमत से भाजपा की बनेगी डबल इंजन सरकार: हंसराज विश्वकर्मा

▸ निर्माणाधीन उद्योग भवन व सिसवा में औद्योगिक इकाई का किया निरीक्षण

समृद्धि न्यूज़, कुशीनगर।

केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रही है और हर वर्ग का विकास हो रहा है। विधानसभा 2027 में दो तिहाई बहुमत से भाजपा की सरकार बनेगी।

उक्त बातें उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग, उप्र सरकार हंसराज विश्वकर्मा ने विभिन्न कार्यक्रमों में कही। वह मंगलवार को बुद्ध स्थली पहुंचे थे और तथागत बुद्ध का पूजन कर चीवर चढ़ाया तथा राष्ट्र के विकास की कामना की। राज्यमंत्री श्री विश्वकर्मा का बुद्ध स्थली स्थित होटल पथिक निवास में भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, विधायक पी एन पाठक, विधायक मोहन वर्मा, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, डॉ

त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, गोपाल गुप्ता, दुर्गेश विश्वकर्मा, दिनेश गुप्ता, गोपाल जी राय, सुशील शर्मा, गोरख सिंह, आद्या पांडेय, संजीव सिंह सिब्लू, अमरजीत कुशवाहा आदि ने स्वागत किया। आगे राज्यमंत्री श्री विश्वकर्मा ने कहा कि योगी सरकार युवाओं, महिलाओं को उद्यमी बना रही है और अब यूपी का युवा रोजगार नहीं युवाओं को रोजगार दे रहा है। उन्होंने विश्वकर्मा समाज से एकजुट होकर भाजपा सरकार बनाने का आह्वान किया। राज्यमंत्री श्री विश्वकर्मा कसया नगर स्थित विश्वकर्मा मंदिर पहुंचे और भगवान विश्वकर्मा का पूजन अर्चन किया। इसके पश्चात नगर में निर्मित हो रहे औद्योगिक भवन का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता पूर्ण कार्य के निर्देश दिए। सुभाष नगर वार्ड में आयोजित कार्यक्रम में विश्वकर्मा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती विश्वकर्मा, जिलाध्यक्ष छोटेलाल वर्मा, चंदन विश्वकर्मा, जितेंद्र विश्वकर्मा, राम मनोहर विश्वकर्मा, संयोजक डॉ छेदी शर्मा, एडवोकेट भगवती शर्मा, जनार्दन शर्मा, कन्हैया शर्मा, जगदम्बा शर्मा, राम जनक शर्मा, विनोद शर्मा, राजेश शर्मा, जनार्दन शर्मा सहित आदि ने राज्यमंत्री श्री विश्वकर्मा का माल्यार्पण किया और अंगवस्त्र, स्मृति देकर सम्मानित किया। इसके पश्चात उनका स्वागत सिसवा - महंथ में जितेंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। राज्यमंत्री श्री विश्वकर्मा ने यहां औद्योगिक इकाई का निरीक्षण किया। इस दौरान विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जनता दर्शन में आए फरियादियों की समस्याएं त्वरित निस्तारित करें अधिकारी: डीएम

मिर्ज़ापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आए हुए फरियादियों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपरक निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिया। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी.अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता दर्शन का उद्देश्य शासन की मंशा के अनुरूप आम जनमानस की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान करना है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश

दिए कि किसी भी फरियादी को बेवजह कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सभी अधिकारी प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय.सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें और निस्तारण की आख्या से शिकायतकर्ता को भी अवगत कराएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता उपस्थित रही।

पुलिस ने चोरी के 60 मोबाइल के साथ युवक को दबोचा

समृद्धि न्यूज़, कुशीनगर।

▸ विभिन्न शहरों के चोर बाजार से मोबाइल खरीदकर बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बेचने की बात कबूली

जनपद के तरयासुजान थाना पुलिस ने चोरी के मोबाइल फोन की बरामदगी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से विभिन्न ब्रांड के कुल 60 अदद चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी इन मोबाइलों को अलग-अलग शहरों के चोर बाजार से खरीदकर बिहार के ग्रामीण इलाकों में बेचने का काम करता था। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज के नेतृत्व में चलाए जा रहे चोरी/चेकिंग अभियान के तहत की गई। इसी क्रम में तरया सुजान थाना पुलिस की टीम ने मुखबिर से मिली सूचना और जांच के आधार पर बहादुरपुर के पास से एक संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरीशंकर कुमार (28) पुत्र लक्ष्मीनारायण साह, निवासी झूली, थाना पटना, जिला मोतिहारी, बिहार के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से अलग-अलग ब्रांड के कुल 60 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने बरामद मोबाइलों के संबंध में आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये मोबाइल किन घटनाओं से संबंधित हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह विभिन्न शहरों के चोर बाजारों से मोबाइल फोन खरीदकर लाता था और बाद में उन्हें बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बेच देता था। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर मोबाइल चोरी के नेटवर्क तथा उससे जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। इस मामले में तरया सुजान थाने में मु.अ.सं. 280/2026, धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पौधरोपण के बाद देखभाल सुरक्षा एवं जीवितता सुनिश्चित करें: डीएम

कुशीनगर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला पर्यावरण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला आर्द्रभूमि समिति के सदस्यों के साथ संबंधित कार्यों की आयोजित समीक्षा बैठक में वृक्षारोपण महाभियान-2026 के अंतर्गत जनपद में कराए गए वृक्षारोपण कार्यों की प्रगति, रोपित पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा, पौधों की जीवितता तथा जिओटैगिंग की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा में बताया गया कि जनपद में बीते 05 जून को 6,08,000 तथा 12 जुलाई को 39,09,000, कुल 45,17,000 पौधों का रोपण कराया गया है। इसमें वन विभाग द्वारा 14,50,000 तथा अन्य 23 विभागों द्वारा 30,67,000 पौधों का रोपण किया गया है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रोपित पौधों की नियमित देखभाल, सुरक्षा एवं शत-प्रतिशत जीवितता सुनिश्चित की जाए। साथ ही वर्ष 2026-27 में कराए गए वृक्षारोपण का अंतर्विभागीय सत्यापन कार्य 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर निर्धारित प्रारूप में सत्यापन रिपोर्ट प्रभागीय वनाधिकारी, कुशीनगर के कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। जिओटैगिंग की समीक्षा के दौरान पाया गया कि स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं पंचायती राज विभाग में जिओटैगिंग का कार्य अभी शत-प्रतिशत पूर्ण नहीं हुआ है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को तीन दिवस के भीतर शत-प्रतिशत जिओटैगिंग कार्य पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए गए।

जल ही जीवन मिशन की पाइपलाइन टूटी, पांच दिन से प्यासा हलिया बाजार

समृद्धि न्यूज़, हलिया, मिर्ज़ापुर।

▸ बड़ौही नदी में मुख्य पाइपलाइन टूटने से ठप हुई जलापूर्ति
▸ कल ढलाई का काम पूरा हुआ पानी आने की उम्मीद

जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से पानी पहुंचाने की योजना भले ही लागू हो गई होए लेकिन हलिया बाजार में पिछले पांच दिनों से बडौही के लोन मटी नदी में आई बाढ़ से पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से पेयजल जलापूर्ति ठप है। पानी नहीं आने से ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरेलू कामकाज प्रभावित होने के साथ ही लोगों को नहाने और कपड़े धोने तक के लिए पानी की समस्या झेलनी पड़ रही है।जलापूर्ति ठप होने की जानकारी पर मंगलवार को जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने स्थिति स्पष्ट की। अधिकारियों के अनुसार बड़ौही नदी में बिछाई गई मुख्य मोटी पाइपलाइन टूट गई थी। नदी में पानी का जलस्तर अधिक होने के कारण पाइपलाइन की मरम्मत में परेशानी आ रही थी।

जलस्तर कम होने के बाद सोमवार को पाइपलाइन की मरम्मत कर सीमेंट से ढलाई कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि ढलाई को पूरी तरह सेट होने में मंगलवार का पूरा दिन लगेगा। बुधवार से हलिया गांव में जलापूर्ति सुचारू रूप से शुरू किए जाने की उम्मीद है।

जल जीवन मिशन के अधिकारियों ने जलापूर्ति बाधित होने से ग्रामीणों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है।इस संबंध में सहायक अभियंता प्रशांत तिवारी ने बताया की बडौही गांव के लोनमटी नदी में आई बाढ़ से पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने से आपूर्ति बाधित हुई है मरम्मत कार्य चल रहा है जल्द ही आपूर्ति बहाल करा दिया जायेगा ।

प्रयागराज के जंगलों में तीन दिनों तक विचरण करने के बाद फिर से लहुरियादह गांव में लौटा हाथियों का जोड़ा

समृद्धि न्यूज़, हलिया, मिर्ज़ापुर।

▸ सूचना के बावजूद मंगलवार दोपहर तक लहुरियादह गांव में नहीं पहुंची वन विभाग की टीम

ड्रमंडगंज क्षेत्र के लहुरियादह गांव में सोमवार की रात हाथियों के जोड़ा की दोबारा दस्तक देने पर ग्रामीणों की नींद उड़ गई। बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान से निकलकर ड्रमंडगंज वनरेंज के विभिन्न जंगलों में चहलकदमी करने के बाद बीते चार सितंबर को हाथियों का जोड़ा कटरा जंगल से सटे प्रयागराज के जंगलों में पहुंच गया था। हाथियों के प्रयागराज जिले के जंगलों में जाने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली थी। लेकिन सोमवार की रात फिर से हाथियों का जोड़ा प्रयागराज के जंगलों से निकलकर लहुरियादह गांव के यादव बस्ती में पहुंच गया।देर रात लहुरियादह गांव पहुंचे हाथियों का जोड़ा मक्का की फसल को रौंदते हुए किसानों की खेत के पास गाड़ी गई पटिया तोड़ दी। लहुरियादह गांव निवासी किसान राम कैलाश यादव ने बताया कि हाथियों का जोड़ा देर रात पटिया तोड़कर मक्के के खेत में घुस गया जहां मक्का की फसल को रौंदते हुए नष्ट कर दिया।इसी तरह गांव निवासी जीवन लाल यादव व मुन्नन लाल यादव की मक्का की फसल को रौंदते हुए नष्ट कर दिया। देर रात हाथियों के दोबारा लहुरियादह गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों में भय व्याप्त है। इससे पूर्व हाथियों का जोड़ा गत 2 सितम्बर की रात में लहुरियादह गांव में पहुंचकर कई किसानों की मक्का की फसल रौंदते हुए खेत में बने मचान व टटिया उजाड़कर तहस नहस कर दिया था। ग्रामीणों की सूचना के बावजूद वनविभाग की टीम मंगलवार दोपहर तक लहुरियादह गांव नही पहुंच सकी। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों हाथियों का जोड़ा रातभर गांव में उत्पात मचाने के बाद मंगलवार की भोर में गांव टकटइया बंधी के पीछे की ओर भैंसोड़ जंगल की ओर चला गया। गत 29 अगस्त की रात को बांधवगढ़ से चलकर मध्यप्रदेश के जंगलों से होते हुए ड्रमंडगंज वनरेंज के बबुरा रघुनाथ सिंह जंगल में पहुंचे हाथी और हथिनी ने क्षेत्र के महुगढ़ी, लहुरियादह व कटरा जंगल में एक सप्ताह तक डेरा जमाए रखा था। इसके बाद चार सितंबर की रात हाथियों का जोड़ा कटरा जंगल से निकलकर प्रयागराज के कोरांव वनरेंज के बैठकवा जंगल में पहुंच गया जहां अतरेंजीएसंसारपुर व महुली पियरी जंगल में तीन दिनों तक विचरण करने के बाद फिर से लहुरियादह में पहुंच गया है। हाथियों के जोड़ा की समीप स्थित जंगल में मौजूदगी से लहुरियादह व भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव के लोग भयभीत हैं। रेंजर ड्रमंडगंज रविशंकर शर्मा ने बताया कि प्रयागराज के जंगलों से सोमवार की रात लौटे हाथियों के जोड़े की मंगलवार दोपहर में मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित भैसोड़ बलाय पहाड़ गांव में लोकेशन मिली है।

शेरपुर में बाढ़ प्रभावित 400 परिवारों को राहत, आनंद राय मुन्ना ने बांटी राशन किट

समृद्धि न्यूज़, भांवरकोल/गाजीपुर।

क्षेत्र के शेरपुर पंचायत में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए शासन की ओर से राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। भाजपा नेता एवं प्रमुख प्रतिनिधि आनंद राय मुन्ना के हाथों बाढ़ प्रभावित कुल 400 परिवारों को राशन किट वितरित की गई। राहत सामग्री पाकर बाढ़ की मार झेल रहे परिवारों के चेहरों पर राहत की झलक दिखाई दी। राशन किट वितरण के दौरान आनंद राय मुन्ना ने प्रभावित परिवारों का हाल जाना और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी

प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित परिवारों के साथ खड़ा रहना समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। शासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को पात्र परिवारों तक पहुंचाने में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक सहायता पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने ग्रामीणों से भी धैर्य बनाए रखने और किसी भी आवश्यकता की स्थिति में संबंधित अधिकारियों को जानकारी देने की अपील की। राहत सामग्री के रूप में राशन किट मिलने से ग्रामीणों ने राहत महसूस की। इस मौके पर तहसीलदार महेंद्र बहादुर, सचिव सूर्यभान राय, जयानंद राय, ओमप्रकाश राय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में एंटी लार्वा एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव जारी

समृद्धि न्यूज़, गाजीपुर।

नदियों के घटते जलस्तर के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रामक रोगों के प्रसार की संभावनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर निरोधात्मक एवं सुरक्षात्मक कार्रवाई की जा रही है। पंचायती राज विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपसी समन्वय स्थापित करते हुए प्रभावित ग्राम पंचायतों में ब्लीचिंग पाउडर तथा एंटी लार्वा/लार्वी साइडल (टेमीफॉस) का छिड़काव लगातार कराया जा रहा है। बाढ़ के बाद जलभराव वाले स्थानों पर मच्छरों के प्रजनन की संभावना बढ़ जाती है, जिससे डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक रोगों के प्रसार का खतरा रहता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाकर जलभराव वाले क्षेत्रों, नालियों एवं आसपास के संभावित मच्छर प्रजनन स्थलों पर एंटी लार्वा का छिड़काव तथा आवश्यकतानुसार ब्लीचिंग पाउडर का

छिड़काव किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम सभा ताजपुर कुर्रा, चित्रकोनी, सिंहानी, अमौरा, देवल, सायर, बरेजी, कुतुवपुर, बारा, गहमर, खजुरी, पथरा, हरकरनपुर, दलपतपुर, रायसेनपुर, भदौरा के सुरही ग्राम सभा सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में छिड़काव कार्य कराया गया। इसके अतिरिक्त सैदपुर क्षेत्र के हथौड़ा, तेतारपुर एवं गौराहट में भी ब्लीचिंग पाउडर एवं लार्वी साइडल का छिड़काव किया गया। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि बाढ़ प्रभावित एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में नियमित रूप से निगरानी रखते हुए आवश्यकतानुसार एंटी लार्वा एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल के उपयोग तथा मच्छरों से बचाव के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद घरों एवं आसपास जमा पानी को साफ करें, पीने के पानी को सुरक्षित रखें तथा बुखार, उल्टी-दस्त अथवा अन्य संक्रामक रोगों के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करें। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या को नजरअंदाज न करें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पंचायती राज एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहकर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई कर रही हैं, ताकि संक्रामक रोगों के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोका जा सके।